@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 3 अगस्त 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 270 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

विधानमंडल का मानसून सत्र आज, आएगा अनुपूरक बजट

कौमी पत्रिका

लखनऊ। विधानमंडल का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होगा। संसद के मानसून सत्र की तरह यूपी के दोनों सदनों में भी विपक्षी दलों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर हंगामा करने के आसार हैं। रविवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सभी दलीय नेताओं ने सदन को सुचारू रूप से संचालित करने पर सहमति व्यक्त की। वहीं मंगलवार को सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक होगी, जिसमें अनुपूरक बजट पेश करने पर मुहर लगेगी। बता दें कि विपक्ष विधानसभा और विधान परिषद की कार्यवाही शुरू होने पर खासकर राम मंदिर में चढ़ावा चोरी, दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर लाठीचार्ज, शिक्षक भर्ती, एक्सप्रेसवे के निर्माण में गड़बड़ी समेत तमाम मुद्दों पर राज्य सरकार को घेरने का प्रयास करेगा। वहीं सत्तारूढ़ दल के सदस्य भी पूरी तैयारी के साथ विपक्ष के हमलों का जवाब देंगे। सोमवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने पर आजमगढ़ के निजामाबाद से सपा विधायक आलम बदी के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित होगा। सदन द्वारा उनको श्रद्धांजलि देने के बाद कार्यवाही को मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी जाएगी। मंगलवार को अनुपूरक

बजट पेश करने के साथ अन्य विधायी कार्य निपटाए जाएंगे। वहीं बुधवार और बृहस्पतिवार को अनुपूरक बजट पर चर्चा के साथ विधायी कार्य संपन्न कराकर सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। रविवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सोमवार से शुरू हो रहे वर्ष 2026 के तृतीय सत्र के सफल, गरिमापूर्ण एवं सुचारू संचालन के लिए सर्वदलीय बैठक में सभी दलों से सकारात्मक सहयोग देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इस सत्र में पहली बार सदन में %वंदे मातरम्% का पूर्ण गायन किया जाएगा। सदन लोकतांत्रिक विमर्श का सर्वोच्च मंच है जहां सभी सदस्यों को अपनी बात कहने का अवसर मिलेगा। सदन में लोकतांत्रिक मूल्यों एवं विधानसभा के नियमों के अनुरूप संयमित, मर्यादित एवं गरिमापूर्ण भाषा का प्रयोग होना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि सदन का सुचारू संचालन सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों के सहयोग से ही संभव है। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, अपना दल (सोनेलाल) के राम निवास वर्मा, कांग्रेस की आराधना मिश्रा %मोना%, रालोद के राजपाल सिंह बालियान, सुभासपा के ओपी राजभर, निषाद पार्टी के रमेश सिंह, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के कुंवर रघुराज प्रताप सिंह %राजा भैया% सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने भाग लिया। इसके पूर्व विधानसभा की कार्य-मंत्रणा समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें आगामी चार दिवसीय विधानमंडल सत्र की कार्यवाही एवं विधायी कार्यक्रम की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया। सोमवार से शुरू होने जा रहे विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर विधानभवन से पांच किलोमीटर के दायरे को हाई अलर्ट घोषित किया गया है। पूरे इलाके में सोमवार सुबह से पूरे इलाके में पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात रहेगा। पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने रविवार को अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। जेसीपी एलओ बबलू कुमार ने सुरक्षा संबंधी आवश्यक निर्देश दिए। बीएनएस की धारा 163 लागू होने से पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने, बिना अनुमति धरना-प्रदर्शन और जुलूस पर रोक रहेगी। राजभवन, मुख्यमंत्री आवास, विधानभवन और अन्य सरकारी कार्यालयों के आसपास नो-फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध रहेगा। पुलिस कंट्रोल रूम से 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी की जाएगी। सत्र के दौरान विधानभवन के आसपास कई प्रमुख मार्गों पर सामान्य वाहनों का आवागमन भी प्रतिबंधित रहेगा। विधानभवन परिधि में शस्त्र, सिलेंडर, ज्वलनशील पदार्थ व अन्य घातक वस्तुएं ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

श्रावण माह लोकमंगल, श्रम-सम्मान एवं सामूहिकता का पावन पर्व है। प्रकृति नवसृजन का संदेश देती है तथा अन्नदाता का परिश्रम हरित समृद्धि के रूप में फलीभूत होने लगता है। सनातन संस्कृति में प्रकृति का यही नवोन्मेष शिव-आराधना से जुड़कर जीवन को संयम, सेवा और समरसता का मार्ग दिखाता है।

समुद्र-मंथन के समय भगवान शिव द्वारा हलाहल का पान सृष्टि की रक्षा हेतु किए गए सर्वोच्च त्याग का प्रतीक है। उन्हें जल अर्पित करने की परंपरा उसी त्याग, कृतज्ञता और जनकल्याण के भाव की अभिव्यक्ति है। देवाधिदेव महादेव स्वयं प्रकृति बोध के देवता हैं। उनकी जटाओं में प्रवाहित गंगा, मस्तक पर सुशोभित चंद्रमा, कंठ का सर्प, नंदी जी और उनके गण, हमें प्रकृति के साथ सहअस्तित्व का संदेश देते हैं।

ज्येष्ठ तथा आषाढ़ के ताप के उपरांत जब श्रावण की रिमझिम धरती को स्पर्श करती हैं, तो माटी की सोंधी सुगंध के साथ चारों ओर हरियाली छा जाती है। नदियां अपने पूर्ण सौष्ठव के साथ प्रवाहित होती हैं और मयूर का नृत्य सृष्टि के उल्लास का उद्घोष बन जाता है। यही उमंग गांवों से लेकर नगरों तक जीवन में नई ऊर्जा के रूप में झलकती है। **श्रावण में ग्रामीण क्षेत्रों में धान की रोपाई के पश्चात सामूहिक श्रम से जुड़े लोगों का सहभोज साझा संस्कृति का जीवंत प्रतीक है।** गांवों से लेकर नगरों तक शिवालयों में उमड़ती श्रद्धालुओं की आस्था सेवा, स्वच्छता और सामाजिक सहभागिता का अद्भुत वातावरण निर्मित करती है।

पंचतत्त्वों में जल जीवन का मूल आधार माना गया है। जल संरक्षण के प्रति हमारे संकल्प का प्रमाण है कि **प्रदेश में लगभग 20 हजार अमृत सरोवर विकसित किए जा चुके हैं।** जलवायु परिवर्तन एवं अत्यधिक दोहन के कारण आज वैश्विक स्तर पर जल संरक्षण के लिए जनभागीदारी आवश्यक बन गई है। यह सुखद है कि राजधानी लखनऊ की एक आवासीय सोसाइटी ने आरओ और एयर कंडीशनर से निकलने वाले प्रतिदिन लगभग 50 हजार लीटर जल को रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली से जोड़कर भूजल पुनर्भरण में उपयोग करने की प्रेरक पहल की है। **प्रकृति से जितना लें, उतना ही उसे लौटाने का संकल्प भी होना चाहिए।**

मैं आप सबसे विशेष रूप से कहना चाहता हूं कि **श्रावण माह को सेवा, स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और सामाजिक सहभागिता का माह बनाने का संकल्प लें।** प्रत्येक बूंद का सम्मान तथा प्रत्येक पौधे का संरक्षण करें। यही श्रावण का वास्तविक संदेश है और समृद्ध, सुरक्षित तथा विकसित उत्तर प्रदेश की आधारशिला भी।

आपका
योगी आदित्यनाथ

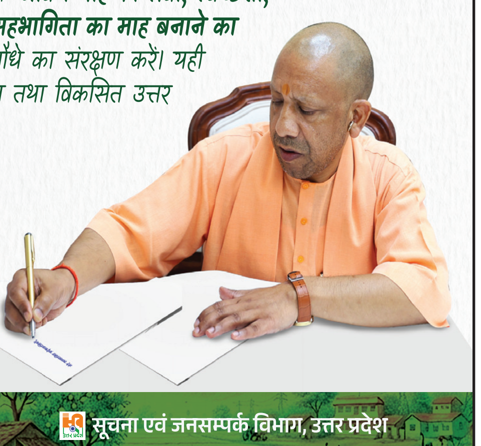

जल ही जीवन है

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

कथित हमले के बाद पप्पू यादव ने जताई हत्या की आशंका

नई दिल्ली। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव के दिल्ली स्थित आवास पर रविवार को कथित चाकू से हमले की घटना सामने आई। यह घटना राम मंदिर स्किट विवाद के बीच हुई, जिसके बाद पप्पू यादव के वकील ने दिल्ली पुलिस पर सत्तारूढ़ दल के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पहले से शिकायतें देने के बावजूद सांसद को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई गई। यह घटना उस समय हुई जब पप्पू यादव अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों और उनके समर्थकों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि यह उन्हें मारने की सुनियोजित साजिश थी। कथित सुरक्षा चूक पर प्रतिक्रिया देते हुए पप्पू यादव के वकील ने आरोप लगाया कि लगातार मिल रही धमकियों की जानकारी देने के बावजूद दिल्ली पुलिस ने कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया। उन्होंने एएनआई से कहा, यह दिल्ली पुलिस की विफलता को उजागर करता है। इससे साफ पता चलता है कि दिल्ली पुलिस सत्तारूढ़ दल के साथ मिलीभगत कर एक छह बार के निर्वाचित सांसद के खिलाफ रची जा रही साजिश को बढ़ावा दे रही है। पिछले दो दिनों से हम लगातार शिकायतें दर्ज करा रहे थे कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है। सोशल मीडिया पर खुलेआम ऐसे पोस्ट किए जा रहे हैं, जिनमें उनका सिर काटने वाले को 51 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई है। वकील ने आरोप लगाया कि सुरक्षा के पर्याप्त आश्वासन के बावजूद पुलिस ने बेहद कम संख्या में जवान तैनात किए। बार-बार शिकायत करने और दिल्ली पुलिस से पूरी सुरक्षा का आश्वासन मिलने के बावजूद वहां केवल तीन-चार पुलिसकर्मी तैनात किए गए। उनमें भी सिर्फ एक इंस्पेक्टर मौजूद था। मीडिया की मौजूदगी के बीच लोगों ने चाकू लहराया और इस तरह की हरकतें कीं। यह बेहद निंदनीय और अमानवीय है। अब हम आगे कानूनी कार्रवाई करेंगे। घटना के दौरान मौजूद पप्पू यादव के मीडिया संयोजक ने दावा किया कि हमलावरों को रोकने के दौरान उन्हें बुरी तरह पीटा गया और वे बेहोश हो गए। उन्होंने एएनआई से कहा, हमलावरों ने पहले चप्पल फेंकी। इसके बाद जब चाकू निकालकर हमला करने की कोशिश की गई तो हमारे समर्थकों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। मैं पप्पू यादव और हमलावर के बीच आकर खड़ा हो गया, जिसके कारण मुझे बुरी तरह पीटा गया। दिल्ली पुलिस तमाशबीन बनी रही। मैंने पप्पू यादव को वहां से निकालने की कोशिश की, लेकिन पुलिस गुंडों को बचाती हुई दिखाई दी। दो-तीन लोगों ने मुझे इतना पीटा कि मैं बेहोश हो गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 3 से 5 अगस्त तक ओडिशा दौरे पर

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 3 से 5 अगस्त तक ओडिशा के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होंगी। राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि 3 अगस्त को राष्ट्रपति कटक में जगद्गुरु कृपालु विश्वविद्यालय का उद्घाटन करेंगी। इसके बाद 4 अगस्त को वह भुवनेश्वर से बेरहामपुर तक ट्रेन की यात्रा करेंगी और तप्तापानी स्थित मां कंधुनी देवी मंदिर तथा शिव मंदिर में दर्शन और आरती करेंगी।

जैश के संदिग्ध आतंकी हमीम मंडल की पश्चिम बंगाल में सिलाई की दुकान मिली, पिता फरार

सटीएफ अधिकारियों ने खुलासा किया है कि उन्होंने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' द्वारा आयोजित हालिया विरोध रैली में गड़बड़ी फैलाने की योजना बनाई थी।

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने रविवार को पूर्वी बर्धमान जिले के बर्धमान शहर की एक पॉश हाउसिंग कॉलोनी से गिरफ्तार किए गए संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) सदस्य हमीम मंडल की एक सिलाई की दुकान का पता लगाया। सूत्रों ने बताया कि यह दुकान कोलकाता से सटे हावड़ा जिले के पिलखाना इलाके में है, जहां मुख्य रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के लोग रहते हैं। ऐसा लगता है कि यह दुकान मुख्य रूप से कपड़ों के टैग बनाने और सिलने जैसे छोटे-मोटे दर्जी के काम करती थी। सूत्रों के अनुसार जांच अधिकारियों को संदेह

है कि यह दुकान हमीम मंडल के अपने सहयोगियों से संपर्क का एक अहम ठिकाना हो सकती थी और सिलाई का काम केवल सिर्फ दिखावे के लिए किया जा रहा था। राज्य पुलिस के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि पश्चिम बंगाल में शुरुआती दिनों में आरोपी मंडल पिलखाना में रहता था और शायद उसी दौरान उसने दर्जी की दुकान खोली थी। पुलिस ने बताया कि दुकान खोलने के बाद वह पहले कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में न्यू टाउन चला गया और बाद में बर्धमान शहर चला गया। पता चला है कि दुकान पिलखाना इलाके में आलम मिस्त्री लेन की एक संकरी गली में है। जांच अधिकारियों को पता चला है कि पश्चिम बंगाल में शुरुआती दिनों में मंडल वहां एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में किराए के एक कमरे वाले फ्लैट में रहता था।

इस बीच, आरोपी मंडल के पिता मोइनुद्दीन मंडल (जो पिलखाना में अपने बेटे के साथ रहता था) बेटे की गिरफ्तारी के बाद से फरार है।

राज ठाकरे के समर्थन में आए संजय राउत

मुंबई। शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने रविवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के सिद्धिविनायक मंदिर में दान राशि की कथित चोरी के आरोपों का समर्थन किया। उन्होंने दावा किया कि मंदिर का प्रबंधन एकनाथ शिंदे के करीबी लोगों के हाथ में आने के बाद दान में गड़बड़ी की घटनाएं बढ़ी हैं। संजय राउत ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज ठाकरे ने जो आरोप लगाए हैं, उनमें गंभीर सच्चाई छिपी हुई है। उनका कहना था कि सिद्धिविनायक मंदिर की दान पेटी से पैसे चोरी होने की घटनाएं तब से बढ़ी हैं, जब मंदिर का संचालन शिंदे गुट से जुड़े लोगों के पास गया। राज ठाकरे ने शनिवार को अपनी पार्टी की छात्र इकाई के एक कार्यक्रम में आरोप लगाया था कि मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर से हर साल करीब 18 करोड़ रुपये की दान राशि की हेराफेरी की जा रही है। उन्होंने यह भी दावा किया था कि अयोध्या के राम मंदिर में 1,400 करोड़ रुपये की चोरी हुई है। अपने आरोपों के समर्थन में ठाकरे ने कहा था कि सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के आठ ट्रस्टियों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को एक पत्र लिखा था। उन्होंने यह भी बताया कि ट्रस्टियों की सतर्कता के कारण मंदिर की दान पेटी से पैसे चुराने वाले कुछ कर्मचारियों को पकड़ा गया था। संजय राउत ने अयोध्या राम मंदिर के मामले का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि वहां दान राशि के कथित गबन में भाजपा से जुड़े लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में बड़े लोग बच गए, जबकि छोटे कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि देश के कई मंदिरों में चोरी और अनियमितताओं की घटनाएं हो रही हैं और इन मंदिरों का नियंत्रण भाजपा से जुड़े लोगों के पास है। सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सदा सरवणकर हैं।

पाकिस्तान ने आतंकी ढांचे को नहीं, सिंधु संधि की गुडविल को खत्म किया - विनय क्वात्रा

'संधि का निलंबन केवल उसी हकीकत को स्वीकार करना है जिसे पाकिस्तान के आचरण ने पहले ही नष्ट कर दिया था।'

एजेंसी

नई दिल्ली/वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि सिंधु जल संधि 1960 में सद्भावना और दोस्ती के साथ हुई थी। लेकिन पाकिस्तान ने 50 साल में इसे बर्बाद कर दिया। अब संधि को रद्द करना सिर्फ उसी बात को औपचारिक रूप देना है जिसे पाकिस्तान के रवैये ने पहले ही खत्म कर दिया था। सिंधु जल संधि 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई थी, जिसका संबंध सिंधु नदी प्रणाली के पानी के इस्तेमाल से था। इस संधि के तहत भारत को तीन पूर्वी नदियों पर नियंत्रण मिला, जिनमें बेसिन के कुल पानी का लगभग 20 फीसदी हिस्सा है। वहीं, पाकिस्तान को तीन पश्चिमी नदियों का पानी मिला, जिनमें लगभग 80 फीसदी पानी का हिस्सा है। भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा ने न्यूजवीक में लिखे एक लेख में कहा, 'इस असमानता की वजह से दशकों तक भारत के उन क्षेत्रों का विकास रुक गया, जिन्हें बेहतर जल अधिकारों से फायदा हो सकता था। इसके बावजूद भारत ने संधि का ईमानदारी से पालन किया।' हालांकि, पिछले साल हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग किया और सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया। यह

निलंबन तब तक जारी रहेगा जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के समर्थन को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से नहीं त्याग देता। भारतीय राजदूत ने कहा कि भारत के प्रति पाकिस्तान का रवैया युद्धों, दुश्मनी और सीमा पार से आतंकवादी हमलों से पहचाना गया है, जिसमें भारतीय संसद, मुंबई आतंकवादी हमला, उरी और पठानकोट हमले और पहलगाम हमला शामिल हैं। क्वात्रा के अनुसार, पाकिस्तान के आतंकवादी अभियान के कारण भारत में 40,000 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

क्वात्रा के अनुसार, भारत के शुरू किए गए प्रोजेक्ट्स में पाकिस्तान का तरीका रुकावट डालना और ब्यूरोक्रेटिक देरी करना था। 2012 में तुलबुल नेविगेशन प्रोजेक्ट पर हुए आतंकवादी हमले समेत भारतीय प्रोजेक्ट साइट्स को बार-बार निशाना बनाने की वजह से भारत ट्रीटी के तहत अपने अधिकारों का इस्तेमाल नहीं कर पाया।

क्वात्रा ने कहा कि पाकिस्तान ने टेक्नोलॉजी में बदलाव को देखते हुए ट्रीटी पर फिर से बातचीत करने की भारत की कोशिशों का विरोध किया, जिससे भारत अपनी हाइड्रोपावर क्षमता बना पाता।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने भारत का यह विश्वास खत्म कर दिया कि वह संधि के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग कर सकेगा या दुनिया की मौजूदा वास्तविकताओं को देखते हुए बेहतर संधि की उम्मीद कर सकेगा। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तान अपनी सरकार की कुप्रबंधन के कारण पानी की कमी से जूझ रहा है। इस लेख में उन्होंने कहा, 'यह याद रखना जरूरी है कि संधि की प्रस्तावना में कहा गया है कि यह 'सद्भावना और मित्रता की भावना से' की गई थी। पाकिस्तान ने आधे सदी में उस सद्भावना और मित्रता को खत्म कर दिया।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी 65 प्रतिशत युवा आबादी में निहित है- मनोज सिन्हा

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी में निहित है, जो कुल आबादी का लगभग 65 प्रतिशत है। एलजी सिन्हा ने युवा मामले एवं खेल विभाग और एसकेयूएएसटी-कश्मीर द्वारा आयोजित एक केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय समारोह में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के शुभारंभ में भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से 100 सप्ताह के इस मेगा अभियान का उद्घाटन किया, जो युवाओं को सशक्त बनाकर और नशीली दवाओं के खतरे को खत्म कर भारत के भविष्य को सुरक्षित करने के राष्ट्रव्यापी संकल्प का प्रतीक है।

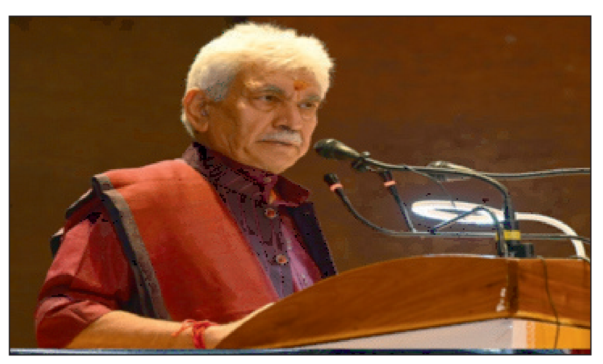

● उपराज्यपाल ने कहा कि देशभर में लगभग 10,000 स्थानों पर एक करोड़ से अधिक युवा 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' में शामिल हो रहे हैं, जो युवाओं को नशीले पदार्थों से बचाने के लिए समाज की सामूहिक जिम्मेदारी को दर्शाता है।

जम्मू-कश्मीर के युवाओं को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी में निहित है, जिसमें लगभग 65 प्रतिशत लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं। 15-29 आयु वर्ग के 37 करोड़ युवा राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए उत्सुक हैं। 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प' अभियान के तहत इस आयु वर्ग को प्रेरित करना, उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए मार्गदर्शन करना है।

उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं को ऊर्जा के बादल की तरह उभरना चाहिए, जो विकास के क्षितिज पर फैल जाए।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 2020 में शुरू किया गया नशा मुक्त भारत अभियान महज एक सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि मादक पदार्थों के खतरे के खिलाफ एक सामाजिक आंदोलन है। इसका उद्देश्य नागरिकों में आत्म-अनुशासन, सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प जैसे मूल्यों को विकसित करना है।

मणिपुर- सुरक्षा बलों ने 9 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया

हथियार बरामद किए और छह आईईडी नष्ट किए

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अलग-अलग अभियानों में पिछले 24 घंटों के दौरान प्रतिबंधित विद्रोही संगठनों से जुड़े नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है और उनसे हथियार, गोला-बारूद व अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी साझा की। पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि मणिपुर पुलिस और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के जॉइंट ऑपरेशन में थोउबल, तामेंगलोंग, काकचिंग, चंदेल, इम्फाल वेस्ट और इम्फाल ईस्ट जिलों से नौ उग्रवादियों को पकड़ा गया। पकड़े गए उग्रवादी प्रतिबंधित संगठनों में कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी), पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और उसके पॉलिटिकल विंग रिवोल्यूशनरी पीपल्स फ्रंट (आरपीएफ) नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड-खापलांग और पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेईपाक से जुड़े हैं। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए उग्रवादी कई तरह की आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे, जिनमें अपहरण और जबरदस्ती चंदा वसूलना शामिल है। उग्रवादी संगठन रंगदारी के लिए अक्सर चंदा शब्द का इस्तेमाल करते हैं।

हरिद्वार में कांवड़ खंडित होने पर विवाद, कार चालक को पीटा

हरिद्वार (एजेंसी)। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार रात करीब 8-30 बजे हाईवे फ्लाईओवर के पास गोल्डन ढाबा के निकट कांवड़ खंडित होने के बाद दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक मौजूद पुलिसकर्मियों ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया था और बाद में पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच के अनुसार, हरिद्वार से दिल्ली जा रही एक ऑल्टो कार की टक्कर रास्ते में एक कांवड़िए की कांवड़ से हो गई। कार चालक भी कांवड़ यात्रा से लौट रहा था और अपने साथ गंगाजल लेकर दिल्ली जा रहा था। टक्कर के कारण कांवड़ खंडित हो गई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी ने मारपीट का रूप ले लिया। आरोप है कि वहां मौजूद कुछ कांवड़ियों ने कार चालक के साथ मारपीट की, उसके साथ अभद्र व्यवहार किया और वाहन में भी तोड़फोड़ की। घटना के बाद पुलिस ने गंगनहर निवासी राजा उर्फ राजेश को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कांवड़ यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं से शांति, संयम और अनुशासन बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था और श्रद्धा का पर्व है, इसलिए सभी श्रद्धालु आपसी सौहार्द बनाए रखें। यदि कोई व्यक्ति कानून-व्यवस्था भंग करने या हिंसा फैलाने का प्रयास करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष कांवड़ यात्रा 30 जुलाई से शुरू हुई है और सावन शिवरात्रि के अवसर पर 11 अगस्त तक जारी रहेगी। यात्रा के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है।

दिल्ली के नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट में महसूस हुए भूकंप के झटके

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार तड़के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार सुबह 4:14 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.9 दर्ज की गई। इसका केंद्र दिल्ली के नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट में जमीन से 8 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। कम तीव्रता होने के कारण भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। हालांकि तड़के आए झटकों से कई लोग कुछ देर के लिए घरों से बाहर निकल आए। विशेषज्ञों का कहना है कि कम गहराई पर आने वाले भूकंप के झटके सतह पर अपेक्षाकृत अधिक महसूस होते हैं, लेकिन यदि तीव्रता कम हो तो नुकसान की संभावना भी काफी कम रहती है। दिल्ली और आसपास का क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है और यहां समय-समय पर हल्के भूकंप दर्ज होते रहते हैं।

झारखंड में साइबर ठगों का नया तरीका : लूडो ऐप और वापसी के झांसे से 12.9 लाख की ठगी

रांची(एजेंसी)। झारखंड, विशेषकर रांची में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जिसमें अपराधी नए-नए पैंतरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ताजा घटनाओं में, रांची में दो व्यक्तियों से कुल 12 लाख 90 हजार रुपये से अधिक की साइबर ठगी की गई है। इसमें एक मामला लूडो ऐप डाउनलोड कराने और फिर राशि वापस दिलाने के नाम पर हुए फर्जीवाड़े का है, जबकि दूसरा अवैध निकासी का। साइबर थाना में हुंडरु निवासी 23 वर्षीय सुभाष कुमार ने 9 लाख 81 हजार रुपये की ठगी का मामला दर्ज कराया है। शिकायत के अनुसार, दिसंबर 2025 में एक अज्ञात व्यक्ति ने सुभाष को लूडो ऐप का एपीके लिंक भेजकर पैसे जीतने का लालच दिया और ऐप डाउनलोड कराया। इसके बाद 18 से 29 दिसंबर 2025 के बीच उनके स्टेट बैंक ऑफ इंडिया खाते से 66 हजार रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर लिए गए। फरवरी से जून 2026 के बीच, ठगों ने राशि वापस दिलाने के नाम पर एक और ऐप डाउनलोड कराया और उनके बैंक ऑफ बड़ौदा खाते से करीब 9.15 लाख रुपये अन्य खातों में भेजवा लिए। कुल 9.81 लाख रुपये गंवाने के बाद, सुभाष ने राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 और साइबर पोर्टल पर पांच शिकायतें दर्ज कराईं और अब पुलिस से राशि वापसी व कार्रवाई की मांग की है। वहीं टाटीसिलवे निवासी अखिलेश पांडे ने भी साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई है कि उनके बैंक खाते से 3 लाख 9 हजार रुपये की अवैध निकासी हुई है, जिसका पता उन्हें 1 जून को बैंक बैलेंस चेक करते समय चला। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है और यह पता लगा रही है कि ठगी की गई राशि कहां गई और इसमें कितने लोग शामिल हैं।

न्याय प्रदर्शन में गोपनीयता भंग : दुष्कर्म पीड़िता की पहचान सार्वजनिक होने पर कानूनी सवाल

गोरखपुर(एजेंसी)। एक सिपाही की हैवानियत का शिकार बनी बिटिया को न्याय दिलाने के लिए आल इंडिया महापद्मनन्द कम्युनिटी एजुकेटेड एसोसिएशन ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। हालांकि, संवेदना व्यक्त करने और न्याय की मांग के इस भावनात्मक माहौल में, संगठन से दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार की पहचान सार्वजनिक करने की भूल हो गई, जो ऐसे मामलों में स्पष्ट कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन है। एसोसिएशन के महानगर अध्यक्ष ने अपनी भूल स्वीकार करते हुए कहा कि यह सब गुस्से और भावुकता के माहौल में अनजाने में हुआ। यह लापरवाही केवल सड़क पर प्रदर्शन तक सीमित नहीं रही, बल्कि इंटरनेट मीडिया पर भी इसका व्यापक दर्शन हुआ। कई यूट्यूबरों ने घटना स्थल से रिपोर्ट करते हुए बिटिया की तस्वीर फ्लैश की, वहीं अन्य कंटेंट क्रिएटरों ने भी रोष में होश खोकर बालिका की तस्वीरें और पहचान साझा कर दीं। एडवोकेट कृष्णानंद तिवारी ने ऐसी लापरवाही को कानूनी दिक्कत का कारण बताया। वहीं, गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के शिक्षक डॉ. मनीष पांडेय ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की। उनके अनुसार, भावुकता में लोग प्राय: नियम और नैतिकता को भूल जाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी मुद्दे पर संवेदनशीलता एवं भावुकता होने के साथ-साथ समझदारी और व्यक्तिगत निजता का सम्मान भी अत्यंत आवश्यक है, ताकि सामूहिक हित में काम करते हुए भी किसी की गरिमा को ठेस न पहुंचे।

केरल और कर्नाटक में लैंडस्लाइड से 9 लोगों की मौत, 6 लापता

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन पर बुरा असर पड़ा है। केरलम में भारी बारिश से लैंडस्लाइड और बाढ़ से 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 6 लापता बताए जा रहे हैं। सरकार ने 65 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 1465 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है।

देश के कई राज्यों में बारिश ने बिगाड़े हालात, कई जगह फटे बादल गाड़ियां बहीं

असम में 80 मौतें, ओडिशा में कई गांव डूबे, केरल में बारिश का कहर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून देश के कई हिस्सों में तबाही मचा रहा है। जम्मू-कश्मीर से केरल तक बादल फटने से हाहाकार मचा हुआ है। गुजरात से ओडिशा तक आसमानी आफत से लोग परेशान हैं। उत्तराखंड में भारी बारिश से नदी नाले उफान पर हैं। कश्मीर के शोपियां और किश्तवाड़ में बादल फटने भारी तबाही हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कश्मीर से केरल तक मानसून की मूसलाधार बारिश से हाहाकार मचा है। बादल फटने से पहाड़ी इलाकों में भारी तबाही मची है तो मैदानी इलाकों में विनाशकारी बाढ़ से हजारों लोग परेशान हैं। लैंडस्लाइड और पहाड़ के दरकने से अमरनाथ यात्रा बाधित हुई है तो सड़कों पर बड़े-बड़े बोल्डर और मलबे ने चार धाम यात्रा पर भी ब्रेक लग दिया है। ओडिशा में विनाशकारी बाढ़ से गांव के गांव डूब गए तो केरल में भी मॉनसून का कहर जारी है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और शोपियां में बादल फटने से भारी तबाही हुई, जिसमें गाड़ियां बह गईं और नेशनल हाईवे बंद हो गए। तबाही की तस्वीरें किश्तवाड़ के चन्नू इलाके से भी आई हैं, यहां देर रात करीब 2 बजकर 30 मिनट पर बादल फटने की घटना हुई। पानी का बहाव इतना तेज था कि इसमें गाड़ियां बह गईं। कई मकानों को भी सैलाब ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लोगों की संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। केरल के कई इलाके बाढ़ से जलमग्न हैं तो पूर्वोत्तर राज्य असम में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई। विनाशकारी बाढ़ ने लोगों को सड़क पर ला दिया है। बाढ़ प्रभावित लोगों को अब खाने के लाले पड़ गए हैं। असम में बाढ़ से 80 मौतें हो चुकी हैं। 2.12 लाख लोग प्रभावित हैं।

गुजरात में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई सोसाइटियां सैलाब की चपेट में हैं। लोगों के घरों में पानी घुस गया है। हालत ये है कि नाव की मदद से लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा रहा है। मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत, वडोदरा और नवसारी के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। अगले 24 से 48 घंटों में बहुत भारी बारिश हो सकती है।

शाह के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो साझा करने पर जीरो एफआईआर

-जांच मैसूर पुलिस को सौंपी गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से आपत्तिजनक वीडियो साझा करने के मामले में लद्दाख पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की है। लेह पुलिस स्टेशन में दर्ज यह मामला आगे की जांच के लिए कर्नाटक के मैसूर स्थित देवराजा पुलिस स्टेशन को स्थानांतरित कर दिया गया है। मामला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर योगेश परमार के खिलाफ दर्ज किया गया है। लिखित शिकायत के अनुसार, आरोपी ने फेसबुक पर एक वीडियो का लिंक साझा किया, जिसमें गृह मंत्री के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और नफरत फैलाने वाली टिप्पणियां की गई थीं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस तरह की सामग्री से समाज में वैमनस्य फैल सकता है, सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती है और सामाजिक तथा सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचने की आशंका है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। इन धाराओं के तहत दोष सिद्ध होने पर दो से तीन वर्ष तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है।अधिकारियों के अनुसार, घटना का क्षेत्राधिकार मैसूर के देवराजा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता है। इसी कारण कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए पहले लेह में जीरो एफआईआर दर्ज की गई और बाद में केस डायरी तथा अन्य दस्तावेज आगे की जांच के लिए संबंधित पुलिस स्टेशन को भेज दिए गए। अब मामले की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई मैसूर पुलिस करेगी। जीरो एफआईआर ऐसी व्यवस्था है, जिसके तहत किसी भी पुलिस थाने में, क्षेत्राधिकार की परवाह किए बिना, प्रारंभिक प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है। इसके बाद मामला जांच के लिए संबंधित क्षेत्र के पुलिस थाने को स्थानांतरित कर दिया जाता है।

बाढ़ पीड़ित शिवसागर और चराइदेव के रहवासियों का एक साल का भूमिकर माफ

-सीएम सरमा ने फैसले की घोषणा कर कहा यह छूट एक अप्रैल से प्रभावी होगी

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम सरकार ने शनिवार को घोषणा की कि बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित शिवसागर और चराइदेव जिलों के लोगों का एक साल की अवधि तक भूमि कर माफ किया जाएगा। ये दोनों जिले बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हैं। राज्य में बाढ़ के कारण अब तक 82 लोगों की मौत हो चुकी है। सीएम हिमंत विसवा सरमा ने 'फेसबुक लाइव' सत्र में इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि यह छूट एक अप्रैल से प्रभावी होगी।

उन्होंने कहा कि इन दोनों जिलों में 300 यूनिट से कम बिजली की खपत करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं का जुलाई का बिजली बिल भी माफ कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की, जिसमें सरकार ने उनसे कहा कि वे बाढ़ प्रभावित शिवसागर, चराइदेव, जोरहाट और गोलाघाट जिलों के लोगों के बीमा दावों का त्वरित और बिना किसी परेशानी के निपटारा सुनिश्चित करें। सरमा ने कहा कि बीमा कंपनियों ने एक सरल प्रपत्र जारी करने और जरुरी दस्तावेजों की संख्या को कम करने का वादा किया है ताकि इन चार जिलों के लोगों के बीमा दावों के निपटारे में आसानी हो सके।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले ही कंपनियों को विशेष निर्देश जारी किए हैं कि वे बाढ़ प्रभावित जिलों में बीमा दावों का शीघ्र निपटारा करें। सीएम ने कहा कि जीवन बीमा दावों का लाभ लेने के लिए कंपनियां मृतकों के नाम वाली सरकारी सूची को स्वीकार करेंगी और मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि जहां जरुरी होगा, वहां क्षतिग्रस्त मकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों का वीडियो सर्वेक्षण किया जाएगा। सीएम राहत कोष से मकानों की मरम्मत के लिए 15,000 रुपए की अंतरिम सहायता पाने वाले परिवारों के बारे में जानकारी साझा करते हुए सरमा ने कहा कि शिवसागर में लगभग 55,000 परिवार, चराइदेव में 20,000, जोरहाट में 7,000 और गोलाघाट में 3,000 परिवार इस सहायता के लिए पात्र होंगे और यह राशि 3 से 5 अगस्त के बीच वितरित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि ऐसे परिवार भी हो सकते हैं जो अभी भी अपने मकानों को रहने योग्य स्थिति में नहीं ला पाए हों। उनके लिए सरकार 10 अगस्त को अतिरिक्त 10,000 रुपए की मदद प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने क्षतिग्रस्त आंगनवाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से 2 से 2.5 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की।

नीट पीड़ितों से मुलाकात कर बोले राहुल गांधी- छात्रों को नहीं, प्रधानमंत्री को मांगनी चाहिए माफी

-पेपर लीक से प्रभावित छात्रों के भविष्य का मुद्दा उठाया, परिसीमन को लेकर भाजपा पर भी साधा निशाना

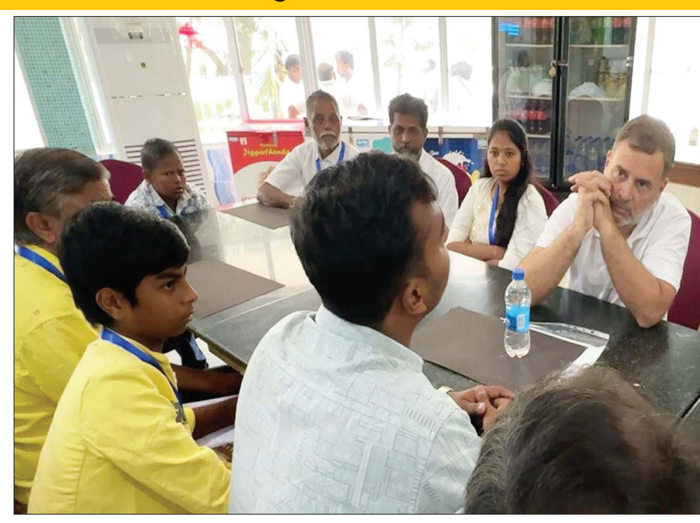

चेन्नई (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को चेन्नई दौरे के दौरान नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दे पर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने नीट प्रभावित छात्रों तथा जान गंवाने वाले विद्यार्थियों के परिजनों से मुलाकात की और कहा कि छात्रों को प्रधानमंत्री की माफी की जरूरत नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री को उन छात्रों और उनके परिवारों से माफी मांगनी चाहिए, जिनका भविष्य कथित पेपर लीक और उससे उपजे संकट से प्रभावित हुआ।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि किसी भी माता-पिता को अपने बच्चे का शोक मनाते देखना सबसे पीड़ादायक अनुभव है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक के बाद न तो प्रधानमंत्री पीड़ित परिवारों से मिले और न ही उन छात्रों से बातचीत की, जिनका भविष्य इस विवाद से प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि सरकार को केवल बयान देने के बजाय प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। राहुल गांधी का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्रों द्वारा उनके और उनकी माता के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा था कि वह उन बच्चों को माफ करते हैं, क्योंकि बचपन गलतियों को सुधारने का समय होता है।

चेन्नई दौरे के दौरान राहुल गांधी ने परिसीमन (डिलिमिटेशन) के मुद्दे पर भी भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रस्तावित परिसीमन तमिलनाडु के लोगों के राजनीतिक अधिकारों को कमजोर करने की साजिश है। राहुल ने कहा कि इससे राज्य के प्रतिनिधित्व और अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि जो भी परिसीमन का समर्थन करता है, वह तमिलनाडु के हितों के साथ समझौता कर रहा है और राज्य के भविष्य के साथ अन्याय कर रहा है। राहुल गांधी के इस दौरे और बयानों के बाद नीट विवाद तथा परिसीमन का मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया है। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच इन दोनों विषयों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रचने वाला निकला जैश का आतंकी

--बंगाल एसटीएफ का दावा- नेताओं की गतिविधियों पर नजर रखने जुटा रहा था जानकारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने दावा किया है कि बर्धमान जिले से गिरफ्तार जैश-ए-मोहम्मद ऑपरेटिव ने दिल्ली के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रची थी। हमीम मंडल, कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसपैठ करने वाला था। एसटीएफ के आईजी ने बताया कि जांच में यह भी पता चला है कि बंगाल सीएम शुभेंदु समेत कई नेता और पुलिस अधिकारी उसके निशाने पर थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक मंडल पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में था। उनके कहने पर ही नेताओं की गतिविधियों पर नजर रखने और जानकारी जुटा रहा था। जांच में उसके मोबाइल फोन और सोशल मीडिया चैट से वाट्सएप, टेलीग्राम और इंस्टाग्राम के जरिए पाकिस्तान कॉन्टेक्ट्स के सबूत मिलने का दावा किया गया है। एसटीएफ ने शुक्रवार रात अर्पिता सरकार नाम की महिला को भी गिरफ्तार किया है, जो मंडल की सहयोगी और गर्लफ्रेंड बताई जा रही है। एसटीएफ ने दावा किया कि मंडल और उसकी गर्लफ्रेंड ने मिलकर पश्चिम बंगाल के एक राज्य मंत्री के बेटे को हनी-ट्रैप में फंसाने की साजिश रची थी। इन दोनों ने मंत्री के बेटे को किडनैप करने और परिवार से पैसे ऐंठने का प्लान बनाया था। एसटीएफ के एक सीनियर अफसर ने कहा कि जांच में पता चला है कि यह साजिश पाकिस्तान के हैंडलर्स ने रचाई थी। हर आरोपी की भूमिका, इसमें और कितने लोग शामिल थे, इसकी जांच की जा रही है। अर्पिता और मंडल ने पाकिस्तानी हैंडलर्स के कहने पर सेंसिटिव जानकारी निकालने के लिए असरदार लोगों के साथ पर्सनल रिश्ते बनाने की योजना बनाई थी। दोनों पिछले चार साल से कॉन्टैक्ट में थे, पहले इंस्टाग्राम पर जान-पहचान हुई और बाद में पर्सनली मिले। एसटीएफ के मुताबिक 23 साल का हमीम मंडल हावड़ा में काम करता था। बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले वह बर्धमान चला गया था, जहां उसने अपार्टमेंट किराए पर लिया। जांच एजेंसियों की नजर से बचने के लिए वह पिछले दो-तीन महीनों से छिपा हुआ था। एक साल पहले सोशल मीडिया के जरिए आतंकवादी संगठन के उस मॉड्यूल से जुड़ा, जिसे गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके सहयोगी अजमल गुज्जर चलाते थे। मंडल को सीएम की गतिविधियों पर नजर रखने का काम सौंपा था। उसे उन जगहों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए कहा था जहां सीएम बिना सुरक्षा के रह सकते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मॉड्यूल की जांच तब शुरू हुई जब सरकार के मंत्री से पैसे ऐंठने और हनी-ट्रैप का इस्तेमाल करके उनके बेटे को किडनैप करने की साजिश के बारे में इनपुट मिले। जांच में सामने आया कि इसके पीछे एक ऑर्गनाइजेशन का हाथ है। इससे साहिबगंज के एक सोशल मीडिया हैंडल का पता चला, जिसे अर्पिता सरकार नाम की एक महिला ऑपरेट कर रही थी। सोशल मीडिया अकाउंट की जांच से ऑफिसर्स को मंडल का पता चला।

पंजाब कांग्रेस में बढ़ी कलह: वारिंग ने पूर्व एमएलए को पार्टी से निकाला

चंडीगढ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से चल रही अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आ गई है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने पार्टी से निलंबित पूर्व विधायक मदन लाल जलालपुर के आवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इस मुलाकात को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के नेतृत्व पर अप्रत्यक्ष सवाल और संगठन के भीतर बढ़ते असंतोष के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। खास बात यह रही कि जलालपुर ने पार्टी की कार्यशैली और प्रदेश नेतृत्व पर सवाल उठाने के कुछ ही घंटों बाद चन्नी उनसे मिलने पहुंचे।

मुलाकात के बाद चन्नी ने वरिष्ठ नेताओं को निलंबित करने के फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह लड़ाई किसी पद या अध्यक्ष की कुर्सी के लिए नहीं, बल्कि पंजाब के मुद्दों की है। उन्होंने कहा कि संगठन को सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना चाहिए। उनका कहना था कि कांग्रेस की असली लड़ाई उन ताकतों से है जो बाहर से आकर पंजाब की राजनीति को प्रभावित करना चाहती हैं। वहीं, मदन लाल जलालपुर ने आरोप लगाया कि संगठन को मजबूत करने की बात उठाने पर उन्हें निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व के किसी भी नेता के खिलाफ अभद्र टिप्पणी नहीं की। उनका कहना था कि उन्होंने केवल प्रदेश नेतृत्व के प्रदर्शन पर सवाल उठाए थे, लेकिन बिना कारण बताओ नोटिस दिए ही उन्हें निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कार्रवाई को एकतरफा और अनुचित बताया।

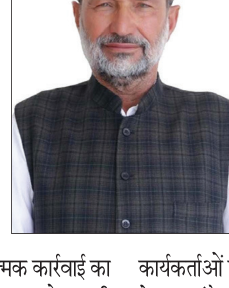

दूसरी ओर, पटियाला में आयोजित पार्टी कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष राजा वारिंग ने अनुशासनात्मक कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा कि जलालपुर को हाल ही में नहीं, बल्कि केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों के कारण पहले ही निलंबित किया जा चुका था। कार्यक्रम में पार्टी प्रभारी भूपेश बघेल भी मौजूद रहे और संगठन में अनुशासन बनाए रखने पर जोर दिया गया।

इस पूरे घटनाक्रम ने पंजाब कांग्रेस में दो स्पष्ट शक्ति केंद्रों की तस्वीर सामने ला दी है। एक ओर राजा वारिंग के नेतृत्व में आधिकारिक कार्यक्रम आयोजित हुआ, वहीं दूसरी ओर चन्नी की जलालपुर से मुलाकात में कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इनमें सांसद धर्मवीर गांधी और पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु प्रमुख रहे, जिन्होंने आधिकारिक कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी। उधर, समाना में एक अन्य कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा राजा वारिंग के खिलाफ नारेबाजी ने यह संकेत दिया कि पार्टी के भीतर असंतोष लगातार बढ़ रहा है। आलाकमान के प्रयासों के बावजूद पंजाब कांग्रेस की गुटबाजी फिलहाल थमती नजर नहीं आ रही है।

प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर से हर साल होती है 18 करोड़ रुपए दान की चोरी

-मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने लगाया आरोप, राम मंदिर चंदा चोरी का भी किया जिक्र

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने दावा किया है कि मुंबई के मशहूर सिद्धिविनायक मंदिर में हर साल 18 करोड़ रुपए का चंदा हड़प लिया जाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अयोध्या के राम मंदिर में 1,400 करोड़ रुपए की चंदा चोरी हुई है। ठाकरे ने कहा कि आजकल मंदिर भी सुरक्षित नहीं हैं और उन्होंने मांग की कि पीएम मोदी इस मुद्दे पर बात करें। मनसे प्रमुख एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। राज ठाकरे ने कि निराश युवा मंदिरों में जाते हैं लेकिन मंदिर भी भ्रष्टाचार से सुरक्षित नहीं हैं। ठाकरे ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को आठ ट्रस्टियों द्वारा लिखे गए एक पत्र को पढ़कर सुनाते हुए कहा कि सिद्धि विनायक मंदिर के दान पेटी से पैसे चुराने वाले कुछ कर्मचारियों को ट्रस्टियों की सतर्कता के कारण पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि चोरी पकड़े जाने से पहले मंदिर की दान से होने वाली साप्ताहिक कमाई 50 लाख रुपए से कम थी और उसके बाद यह कलेक्शन बढ़कर 1.5 करोड़ रुपए हो गया। ठाकरे ने आरोप लगाया कि हर साल 18 करोड़ रुपए की चोरी हो रही थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता सदा सरवणकर ने कहा कि इस मामले में नौ कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि जहां भी जरूरत पड़ी, हमने मामले दर्ज किए हैं। सरवणकर ने कहा कि दान में बढ़ोतरी ट्रस्ट की कोशिशों की वजह से हुई है। उन्होंने बताया कि मंदिर की आय दो साल पहले के 114 करोड़ रुपए से बढ़कर 182 करोड़ रुपए हो गई है। खास बात यह है कि पुलिस ने राम मंदिर में दान की चोरी के मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है और जांच चल रही है।

मैं बहुत खुश हूं, पीएम मोदी ने मुझे माफ कर दिया, यह मुझे दूसरी जिंदगी मिली है

-प्रधानमंत्री को प्रदर्शन में आपत्तिजनक शब्द कहने वाली लड़की का नया वीडियो आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली लड़की का एक और नया वीडियो सामने आया है। इस नए वीडियो में वह कहती सुनाई दे रही है कि मैं बहुत खुश हूं कि पीएम मोदी ने मुझे माफ कर दिया। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। वीडियो में लड़की आगे कहती है कि एक तरह से यह मुझे दूसरी जिंदगी मिली है। मैंने इतनी बड़ी गलती की थी कि मैंने बिल्कुल भी नहीं सोचा था कि मुझे माफ कर दिया जाएगा। एक बार तो मुझे लगा था कि मेरा सबकुछ खत्म हो गया है, लेकिन पीएम मोदी ने मुझे माफ कर दिया। उसने बताया कि पीएम मोदी ने मुझे माफ किया तो मैं रोने लगी थी, क्योंकि जिस इंसान के बारे में मैंने इतने बुरे अपशब्द कहे थे, उसी ने मुझे माफ कर दिया।

इससे पहले भी लड़की ने एक वीडियो जारी किया था। इस वीडियो में वह पूरे देश के लोगों से माफी मांगती नजर आ रही थी। उसने इस वीडियो में कहा था कि मैं बहुत शर्मिंदा हूं। साथ ही उसने अपनी उम्र का जिक्र करते हुए कहा था कि वह सिर्फ 15 साल की है, क्योंकि नोएडा पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में उसकी उम्र 25 साल बताई गई थी। खास बात यह है कि लड़की को अपनी गलती का अहसास हुआ और उसने पूरे देश के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगी है।

बता दें पुलिस के मुताबिक 23 जुलाई 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में लड़की ने पीएम मोदी के बारे में अशोभनीय और अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस घटना की शिकायत गाजियाबाद के इंदिरापुरम निवासी सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता स्मृति सिंह ने दिल्ली में दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर नोएडा पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। शिकायत में आरोप लगाया गया कि युवती के इस कृत्य से प्रधानमंत्री के संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंची है। बयान को जानबूझकर विद्वेष फैलाने, साम्प्रदायिक या सामाजिक तनाव पैदा करने और लोक शांति भंग करने की मंशा से दिया गया था। नोएडा पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए लड़की के खिलाफ मामला दर्ज किया। इन धाराओं में दो से तीन साल तक की सजा और जुर्माना दोनों लगाए जा सकते हैं।

कभी मुंह में डाली नाल तो कभी कनपटी पर सटाया तमंचा

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। छिबरामऊ इलाके में सिरफिरे युवक ने शुक्रवार को अपनी पत्नी को बुलवाने के लिए उसके दो बच्चों को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। कभी खुद को तो कभी बच्चों को गोली मारने की धमकी देते हुए आठ घंटे तक पुलिस को छकाया। पुलिस ने किसी तरह बच्चों को मुक्त कराया। इसके बाद मुठभेड़ में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। सिरफिरे के फायर झोंकने से हाथ में गोली लगने से एसओजी प्रभारी भी घायल हो गए। तालग्राम क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर निवासी दीपू चक ने छिबरामऊ निवासी महिला से चार माह पहले कोर्ट मैरिज की थी। महिला के पहले पति की मौत हो चुकी है। उसकी 13 साल की बेटी और आठ साल का बेटा नानी के घर में रहते हैं। कुछ दिन पहले महिला दीपू को छोड़कर कहीं चली गई। एएसपी अजय कुमार के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे दीपू पत्नी की तलाश में उसके मायके पहुंचा। दीपू ने उसके दोनों बच्चों को कमरे में तमंचा सटाकर बंधक बना लिया। लोगों की सूचना पर 12:30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को समझाने लगी। मौका देखकर बेटी बाहर आ गई। एएसपी अजय कुमार दरवाजा खुलवाने के लिए घंटों दीपू से बात करते रहे लेकिन वह पत्नी को बुलवाने की जिद पर ही अड़ा रहा। एसओजी प्रभारी देवेश पाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शाम करीब 7:13 बजे एसओजी ने पत्नी को बुलवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद बेटे को कमरे से बाहर निकलवाया। एसओजी प्रभारी दीपू को पकड़ने लगे तो उसने तमंचे से फायर कर दिया। गोली एसओजी प्रभारी के हाथ को छूते हुए निकल गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली दीपू के पैर में लगी। शाम करीब 7:15 बजे पुलिस उसे गिरफ्तार कर सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि वीडियो कॉल से दीपू की पत्नी से बात कराई गई। इसके बाद युवक और आक्रोशित हो गया और उसने बच्चे के सिर पर तमंचा लगा दिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। दीपू के पास से सात कारतूस बरामद हुए हैं। खुद की कनपटी पर तमंचा रखे दीपू और पास में ही मौत के खौफ की दहशत में बैठा मासूम सिसक रहा था। एएसपी व सीओ युवक के समझाने में जुटे थे। युवक ने बताया कि उसने चार माह पहले बच्चे की मां के साथ कन्नौज में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों दिल्ली चले गए। वहां से महिला बिना बताए कहीं लापता हो गई। फोन भी बंद कर लिया। युवक बार-बार अफसरों को धमका रहा था कि महिला को मौके पर बुलाओ। उसके आने में चाहे कितना भी समय लग जाए। न तो खुद की कनपटी से तमंचा हटाएगा और न ही बच्चे को छोड़ेगा। किशोरी और उसके को तमंचे की दम पर बंधक बनाने के बाद काफी देर तक दीपू कभी बच्चे की मुंह में तमंचे की नाल डालता तो कभी कनपटी पर लगाकर उनकी मां को बुलाने के लिए धमकाता। इस बीच किशोरी सूझबूझ दिखाते हुए फोन लाकर मां से बात कराने की बात कहकर कमरे से बाहर निकल गई। दूसरी तरफ भाई के मौत के मुंह में होने पर वह आसपास के लोगों से चीख-चीख कर उसे बचाने के लिए हाथ-पैर जोड़ती रही। करीब 7:13 बजे सिरफिरे दीपू के चंगुल से छूटा आठ वर्षीय बच्चा इस कदर दहशत में था कि उसके मुंह से बोल नहीं निकल रहे थे। करीब आठ घंटे तक भूखे और प्यासे रहे बच्चे के लिए लोगों ने आनन-फानन भोजन और पानी की व्यवस्था की। उसकी आंखों के सामने मौत का मंजर घूम रहा था। किसी भी चीज को हाथ लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। पुलिस कर्मियों के साथ लोगों ने उसे ढांढ़स बंधाया।

साइबर सिटी में फायरिंग, कई राउंड हुई गोलीबारी... जांच में जुटे पुलिस अधिकारी

गुरुग्राम। सेक्टर-45 में बृहस्पतिवार रात को मोटरसाइकिल पर आए नकाबपोश हथियारबंद बदमाशों ने एमएनआर बिल्डर के कार्यालय पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। हमलावरों ने 20 से 25 गोलियां चलाईं। कार्यालय में खड़ी लग्जरी गाड़ियों तक को निशाना बनाते हुए उन पर गोलियां बरसाई गईं। इससे कार्यालय में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। वह इधर-उधर छिपने की कोशिश करते रहे। गनीमत यह रही कि इस दौरान गोली किसी भी व्यक्ति को गोली नहीं लगी। पुलिस की विभिन्न टीमें आरोपियों को गिरफ्तार करने में जुट गई हैं। आसपास के क्षेत्र की सीसीटीवी फुटेज को भी जांच की जा रही है। वारदात के कुछ देर बाद सिंगर राहुल फाजिलपुरिया पर फायरिंग करवाने वाले गैंगस्टर दीपक नांदल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी करते हुए हमले की जिम्मेदारी ली। पोस्ट में दीपक नांदल ने दावा किया है कि एमएनआर बिल्डर के कार्यालय पर गोलियां उसने चलवाई हैं। कहा कि रोहित रहेजा के रिश्तेदार नितिन तलवार पर 2019 से रुपये बकाया हैं। नांदल ने पोस्ट में कहा कि रकम न चुकाने के लिए नितिन तलवार अपना परिवार लेकर न्यूजीलैंड भाग गया। उसने सभी को चेतावनी देते हुए कहा कि जिसने पैसे देने हैं वह मत उलझो, जितनी जल्दी हो सके हिसाब कर दो वरना जो फंसेगा उसी को मारूंगा। बाद में इस पोस्ट को डिलीट कर दिया गया।

जंतर-मंतर घटना पर प्रधानमंत्री का भावुक संदेश, युवाओं से संयम और सम्मानजनक भाषा की अपील

नई दिल्ली। प्रमुख समाजसेवाी गऊमाता सेवक एवं करोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में जंतर-मंतर पर हुई घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि वे उन युवाओं को माफ करना चाहते हैं जिन्होंने विरोध प्रदर्शन के दौरान उनके और उनके दिवंगत माता-पिता के लिए आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे युवाओं को दंडित करने के बजाय सही दिशा दिखाना अधिक आवश्यक है। वीडियो में प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति और आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन अभद्र भाषा और व्यक्तिगत टिप्पणियाँ किसी भी सभ्य समाज के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सोशल मीडिया और सार्वजनिक जीवन में संयम, शालीनता और सम्मानजनक भाषा का प्रयोग करें। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि कई बार युवा भावनाओं या किसी के प्रभाव में आकर गलतियाँ कर बैठते हैं। उनका मानना है कि ऐसी परिस्थितियों में सजा देने के बजाय उन्हें समझाना और सही मार्गदर्शन देना अधिक प्रभावी होगा। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं की ऊर्जा राष्ट्र निर्माण, नवाचार और सकारात्मक कार्यों में लगनी चाहिए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और इस पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ सामने आ रही हैं। कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री के इस संदेश को सकारात्मक और सहिष्णु बताया, जबकि अन्य ने इस विषय पर अलग-अलग राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ भी व्यक्त की हैं।

कर्मचारी की बर्खास्तगी की वैधता से पहले विभागीय जांच की पवित्रता का परीक्षण जरूरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि कर्मचारी की बर्खास्तगी की वैधता से पहले विभागीय जांच की पवित्रता का परीक्षण जरूरी है। जांच में खोट मिलने पर नियोक्ता को बचाव का अवसर दिए बिना कर्मचारी को दोषमुक्त घोषित करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत की अवहेलना है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने मेसर्स शाही एक्सपोर्ट हाउस की याचिका आंशिक रूप से स्वीकार कर ली। साथ ही कर्मचारी के पक्ष में सुनाए गए नोएडा श्रम न्यायालय के निर्णय को आंशिक रूप से रद्द कर दिया। मामले को श्रम न्यायालय के पास भेजते हुए तीन महीने में नियोक्ता व कर्मचारी को सुनवाई व साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर देते हुए नए सिरे से फैसला लेने का आदेश दिया है। मामले में नियोक्ता ने कर्मचारी के खिलाफ लगे विभिन्न आरोपों पर विभागीय जांच कराई थी। रिपोर्ट के आधार पर अक्तूबर 2001 में कर्मचारी की सेवाएं समाप्त कर दी गईं। इसके खिलाफ कर्मचारी ने नोएडा श्रम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। सुनवाई के दौरान श्रम न्यायालय ने सेवा समाप्ति के अलावा यह वाद बिंदु भी तय किया कि क्या विभागीय जांच निष्पक्ष थी। हालांकि, इस मुद्दे का पहले निर्णय करने के बजाय श्रम न्यायालय ने आरोपों के गुण-दोष पर भी साथ-साथ साक्ष्य दर्ज कर लिए और अंततः यह निष्कर्ष निकाला कि विभागीय जांच निष्पक्ष नहीं थी। लिहाजा, कर्मचारी के खिलाफ लगाए गए आरोप भी सिद्ध नहीं हुए। इसके आधार पर बर्खास्तगी को अवैध घोषित कर दिया। नियोक्ता ने इस निर्णय को हाईकोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया। कहा कि श्रम न्यायालय ने सुनवाई की गलत प्रक्रिया अपनाई है। उसने विभागीय जांच की वैधता और आरोपों के गुण-दोष पर एक साथ निर्णय दिया, जबकि पहले केवल विभागीय जांच की निष्पक्षता पर निर्णय होना चाहिए था। यदि विभागीय जांच वैध पाई जाती है तो उसी के आधार पर बर्खास्तगी का निर्णय कायम रहेगा। लेकिन यदि जांच दोषपूर्ण या अनुचित पाई जाती है तो नियोक्ता को श्रम न्यायालय के समक्ष स्वतंत्र साक्ष्य प्रस्तुत कर आरोप सिद्ध करने का अवसर दिया जाना अनिवार्य है। उसके बाद ही श्रम न्यायालय बर्खास्तगी की वैधता पर निर्णय दे सकता है। वहीं, कर्मचारी के अधिवक्ता ने श्रम न्यायालय के निर्णय को सही बताया। हलांकि, कोर्ट ने कहा कि यदि विभागीय जांच निष्पक्ष और विधिसम्मत पाई जाती है तो सामान्यतः नियोक्ता को अतिरिक्त साक्ष्य प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट के वर्कमैन ऑफ मेसर्स फायरस्टोन टायर एंड रबर कंपनी ऑफ इंडिया (प्रा.) लिमिटेड के मामले में दिए फैसले का हवाला दिया। स्पष्ट किया कि विभागीय जांच की वैधता और निष्पक्षता का प्रश्न हमेशा प्रारंभिक मुद्दे के रूप में तय किया जाना चाहिए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि श्रम न्यायालय का विभागीय जांच को अनुचित ठहराने वाला निष्कर्ष सही है। उसमें हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है, लेकिन आरोप सिद्ध न होने संबंधी निष्कर्ष कानून के विपरीत है।

अर्थिंग तार में उतरे करंट की चपेट में आई तीन बहनें, एक की मौत

बांदा। खेत में धान की बेड़ लगाने मां के साथ गई तीन सगी बहनें ट्रांसफार्मर के नीचे पड़े अर्थिंग के तार उतरे करंट की चपेट में आ गईं। हादसे में सबसे छोटी तीन वर्षीय बच्ची की मौत हो गई] जबकि दोनों बड़ी बहनें गंभीर झुलस गईं। दोनों को सीएचसी नरैनी से जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। कालिंजर थाना क्षेत्र के गांव भारतपुर मसौनी निवासी वंदना ने बताया कि वह बुधवार को खेत में धान की बेड़ लगाने गईं थीं। वह अपनी तीनों बेटियों माधुरी (6), रागिनी (4) और रोहिनी (3) को भी साथ ले गईं थीं। दोपहर तीन बजे के करीब खेत के पास खेलते समय बच्चियां वहां लगे बिजली के खंभे में रखे ट्रांसफार्मर का अर्थिंग तार जो कि नीचे जमीन में पड़ा था उसके संपर्क में आ गईं। करंट की चपेट में आने से तीनों बच्चियां झुलस गईं। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सभी को सीएचसी नरैनी पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने तीन वर्षीय रोहिनी को मृत घोषित कर दिया

Public Notice

Notice is hereby given to the public that my client Sh. Devender Singh, S/o Late Sh. Ram Singh, DOB: 24.06.1972, R/o RZG-78, G-Block, Gali No. 2, Near Dwarka Sector-2 Power House, Vijay Enclave, VTC: Palam Village, P.?. Palam Village, Sub-District: Najafgarh, District: South West Delhi, State: Delhi 110045, has disowned/debarred his son, Sh. Narender Kumar, from all his movable and immovable properties due to his misbehaviour and misconduct towards my client.My client has also severed all his relations with him. Henceforth, Sh. Narendra Kumar shall have no right, title, interest or claim whatsoever in any of the present or future self-acquired movable and immovable properties of my client.Any person dealing with Sh. Narendra Kumar in respect of my client's properties or otherwise shall do so at his/her own risk and consequences, and my client shall not be responsible or liable for any of his acts, deeds, transactions or liabilities, present or future.

MOHIT KUMAR, Advocate
CHAMBER NO-859, LAWYERS' CHAMBER BLOCK,DWARKA DISTRICT COURTS,SECTOR-10, DWARKA, NEW DELHI-110075

पीलीभीत में 14 साल की गर्भवती किशोरी ने खाया जहर, उपचार के दौरान मौत

पीलीभीत। पीलीभीत के गजरौला क्षेत्र में जहर खाने वाली किशोरी ने उपचार के दौरान सोमवार शाम दम तोड़ दिया। बरेली के अस्पताल में उसका उपचार चल रहा था। पोस्टमॉर्टम के बाद मंगलवार शाम शव घर पहुंचने पर छात्रा के परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अंतिम संस्कार से इन्कार कर दिया। बुधवार दोपहर सीओ सिटी ने गांव पहुंचकर परिजन को निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन माने और शव का अंतिम संस्कार किया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी किशोर व उसके पिता समेत छह लोगों के खिलाफ पहले ही मामला दर्ज किया था। मामले में मुख्य आरोपी व उसके पिता को गिरफ्तार किया गया है। गजरौला क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने 23 जुलाई को गजरौला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया था कि गांव के ही 15 वर्षीय किशोर ने उनकी 14 वर्षीय पुत्री को शादी का झांसा देकर अपने प्रेमजाल में फंसा लिया था। दोनों परिवारों को जानकारी होने पर आपसी सहमति से दोनों के बालिग होने के बाद विवाह कराने की बात तय हुई थी। इसके बावजूद दोनों के बीच मोबाइल फोन पर बातचीत जारी रही। आरोप है कि कुछ समय बाद किशोर ने शादी करने से इन्कार कर दिया और छात्रा का मोबाइल नंबर भी ब्लॉक कर दिया। इससे छात्रा मानसिक तनाव में आ गई। 13 जुलाई को उसने घर में ही विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बरेली रेफर कर दिया। 18 जुलाई को उसे निजी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां 27 जुलाई को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस बीच 23 जुलाई को परिजन ने आरोपी पक्ष के छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

नौवीं के छात्र के सीने में घोंपते रहे चाकू, दौड़ा-दौड़ाकर ईंट से वार

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर स्थित कर्दमपुरी इलाके में मंगलवार रात नौवीं कक्षा के एक छात्र इंतजार (17) की बेरहमी से चाकू और ईंट से हमला कर हत्या कर दी गई। आरोपियों ने कॉल कर बहाने से इंतजार को घर से बुलाया। घर से कुछ दूर पहुंचते ही आरोपियों ने उस पर ईंट और सीने में चाकू से हमला कर दिया। पीड़ित जान बचाने के लिए इधर से उधर दौड़ता रहा और भीड़ तमाशबीन रही। किसी ने भी इंतजार को बचाने का प्रयास नहीं किया। आरोपी वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। गंभीर हालत में इंतजार को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। दरअसल दिसंबर 2025 में एरिया में हुई एक युवक में परिवार को इंतजार पर भी शक था। पुलिस की जांच में इंतजार का कोई रोल हत्या में नहीं निकला था। दूसरी ओर एरिया में रहने वाले एक दबंग अमन उर्फ बिट्टू से भी इंतजार की तू-तू-मैं-मैं हो गई थी। माना जा रहा है कि इसी वजह से उसकी हत्या हुई। अपराध शाखा की टीम ने मंगलवार रात हुई हत्या के मामले में दो मुख्य आरोपी अरमान (18) और अलफैज (18) को गिरफ्तार कर लिया। हत्याकांड में शामिल तीसरे आरोपी की पुलिस तलाश कर रही है। क्राइम टीम व एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। सीसीटीवी कैमरों के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बताया कि इंतजार अपने परिवार के साथ गली नंबर-6, कर्दमपुरी में रहता था। इसके परिवार में पिता बाबू अली, मां और दो बहनें हैं। इंतजार इकलौता बेटा था। बाबू लाल का अपना कारोबार है। वहीं इंतजार एरिया के एक स्कूल में नौवीं कक्षा का छात्र था। मंगलवार शाम करीब 7.30 बजे वह अपने घर पर मौजूद था। कुछ देर बाद रिहान नामक लड़के ने इंतजार को कॉल कर बुलाया। इसके बाद वह स्कूटी पर इंतजार को ले गया। रास्ते में दो और युवक स्कूटी पर बैठ गए। आरोप है कि गली नंबर-4, पुलिया पर पहुंचते ही आरोपियों ने इंतजार पर ईंट और चाकू से हमला कर दिया। रात 11 बजे पुलिस को खबर मिली।

NAME CHANGE
I BALESH DEVI legally mother of Army no 15230784L, Rank - L/nk, Name. - Gaurav Kumar, Presently Residing, Village. Garahra, Post. Anoopshahar, Teh.Anoopshahar, District. Bulandshahr, State, U.P, Pin. 202390 have changed my name from BALESH DEVI to BALESH for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 07/09/1971 instead of my correct date of birth as 01/01/1970 vide Affidavit dated 31/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Ashok Khatter S/O Uttam Chand R/O 89,90,93, Block:B-6, Sector 7, Rohini, Delhi 110085 Have changed my name to Ashok Kumar for all future purposes.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, ASHISTA EKKA Wife of No-6948105H Rank-HAV Name-HARUN EKKA Presently residing at VILL-GOLIDIH, PO-TUMLA, TEHSIL-FARSHABAHAR, DIST-JASHPUR, CHHATISGARH-496245, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 10/05/1987 instead of my correct date of birth as 03/05/1989, vide Affidavit dated 01/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I SHAHZAD S/O A- 97 JJ COLONY NANGLOI DELHI 110041 have changed my name to MOHD SHAHZAD Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I, Ekansh S/o Narender Barsiwal R/o D-92, DDA Flat, New Ranjeet Nagar, Patel Nagar, Delhi-110008 have changed my name to Ekansh Barsiwal for all future purposes.

NAME CHANGE
I GARIMA D/0 AJAY R/0 X/956 GALI NO 3 CHAND MOHALLA GANDHI NAGAR DELHI 110031 CHANGED MY NAME TO GARIMA BHARTIYA

NAME CHANGE
I, NO-14656024K Rank-HAV ARMT (FD) Name-NIRAJ KUMAR MISHRA residing at VILL-LOHSARI, PO- LOHSARI THANA-BOCHAHA, TEHSIL- MUZAFFARPUR, DIST-MUZAFFARPUR, BIHAR-843103 have changed my mother's name from MEERA MISHAR to MIRA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 01/08/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, GUDDAPPA father of No-JC-442447M, Rank- SUB, Name-NINGAPPA MALLARI, residing at Door No- 125, 2nd CROSS, GURUKOTTURESHWARA BADAVANE, VILL & TEHSIL+ DIST-DAVANAGERE, KARNATAKA-577004, have changed my name GUDDAPPA to GUDDAPPA PUTTAPPA MALLARI for all future purposes vide Affidavit Dated 01/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SAVITHRIAMMA B mother of No-2618261A, Rank- SEP, Name-VIJEESH KUMAR V residing at VILL-VITHURA, PO- THENNOOR, TEHSIL- NEDUMANGAD, DIST-THIRUVANANTHAPURAM, KERALA- 695551 have changed my name from SAVITHRIAMMA B to SAVITHRI AMMA for all future purposes vide Affidavit dated 01/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, K KANNAN father of No-2618476Y, Rank-SEP, Name-GOVINDARAJ K, residing at VILL-ELUMALAI, PO-ELUMALAI, TEHSIL-PERAIYUR, DISTT-MADURAI, TAMIL NADU-625535, have changed my name K KANNAN to KANNAN K for all future purposes vide Affidavit Dated 01/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, K SUBBU LAKSHMI, mother of No-2618476Y, Rank-SEP, Name- GOVINDARAJ K, residing at VILL-ELUMALAI, PO-ELUMALAI, TEHSIL-PERAIYUR, DISTT- MADURAI, TAMIL NADU-625535 have changed my name from K SUBBU LAKSHMI to SUBBULAKSHMI for all future purposes vide Affidavit dated 01/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, GEMPAAR RAM Father of No. 2505040A Rank-HAV Name-HAJARI RAM VISHNOI Residing at 89 PUNIYA, JAMBA KI DHANI, JODHPUR, RAJASTHAN-342301 have changed my name GEMPAAR RAM to GEMPER RAM for all future purposes vide Affidavit Dated 01/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto Known as NEHA SHARMA W/O BRIJ BHUSHAN SHARMA R/o House No-16, Greater Noida, VTC : Khedi, Dist Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207 have changed my name and shall hereafter be known as SUMAN SHARMA.

NAME CHANGE
I, SUGNEE mother of No. 2505040A Rank-HAV Name-HAJARI RAM VISHNOI Residing at PUNIYO KI DHANI, JAMBA KI DHANI, JODHPUR, RAJASTHAN-342301 have changed my name SUGNEE to SUGANI for all future purposes vide Affidavit Dated 01/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ADITYA KUMAR S/O ASHOK KUMAR GUPTA R/O S-704, HOMES 121, SECTOR-121, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201307 have changed the name of my minor daughter SHAARVI KASHYAP ALIAS REYHA ADITYA GUPTA aged 05 years and she shall hereafter be known as REYHA A GUPTA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SUNIL KUMAR TYAGI S/O BISHAMBER SINGH TYAGI R/O 517, Radhey Shyam Phase-5, Muradnagar, PO: Muradnagar, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201206, have changed my name and shall hereafter be known as SUSHIL KUMAR TYAGI.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, SUDHA MONY mother of JC-394110K Rank-NB/SUB Name-RAJESH KUMAR S Residing at-RAJESH BHAVAN, VADACODE, KURA (PO), THALAVOOR, KOLLAM, KERALA-691557, have changed my name from SUDHA MONY to SUDHAMANI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1961 instead of my correct date of birth as 10/03/1961 vide Affidavit dated 01/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I SHYAM SUNDER S/0 JAGDISH LAL KAPOOR R/0 1A/134 NIT.FARIDABAD HARYANA 121001 CHANGED MY NAME TO SHYAM SUNDER KAPOOR

NAME CHANGE
I hitherto known as HALEEMAN W/o VAJEER, R/o H.No-182, Gali No-4, Near A P N Public School, By Pass Road, Sain Vihar, Vijay Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, Have changed my name and shall hereafter be known as HALIMA KHATUN.

NAME CHANGE
I SUBHASH SHARMA S/0 KRISHAN CHANDER SHASTRI R/0 B-3/S-2 B BLOCK DILSHAD GARDEN JHILMIL DELHI 110095 CHANGED MY NAME TO SUBHASH CHANDER SHARMA

NAME CHANGE
I, Sandeep Kumar S/O: Satypal, R/O V.P.O. Sarawani, Hapur, Uttar Pradesh, 245101, have changed the name of my minor son Morya aged 10 years and he shall hereafter be known as SHIVYANSH VERMA.

NAME CHANGE
I AMIT NAGAR S/O DHAN PAL R/O H.N0-220, VILLAGE LAHANDOLA, FARIDABAD-121101 HAVE CHANGE MY NAME TO AMIT FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, AAYUSH JAIN S/O MUKESH JAIN R/O H.NO-DP-11, 2ND FLOOR, PITAMPURA, DELHI-110034. have changed my name to AYUSH JAIN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NO-2618843A Rank-SEP Name-JANAPANA AJAY KUMAR legal father of JANA PANA RESHMA R/O 3-56, MAIN STREET, TEKKALI, RAMESWARM, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532212 have changed my minor daughter's name from JANA PANA RESHMA to JANAPANA RESHMA for all future purposes vide affidavit dated 01/08/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, J SARSWATHI mother of NO - 2618843A Rank-SEP Name-JANAPANA AJAY KUMAR legal father of JANA PANA RESHMA R/O 3-56, MAIN STREET, TEKKALI, RAMESWARM, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532212, have changed my name from J SARSWATHI to JANAPANA SARASWATI for all future purposes, vide Affidavit dated 01/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, S SREJA wife of JC-335576P, Rank-NB SUB Name-M RAJESH KUMAR Residing at- VILL-EZHUDESAM, PO-NATHIRAVILAI, TEHSIL-VILLAVAN CODE, DISTT-KANYAKUMARI, TAMIL NADU-629154, have changed my name from S SREJA to S SREEJA for all future purposes vide Affidavit dated 01/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Garima Sood W/O Sanjay Sareen R/O C-196 Flat No-4, ramprastha Colony, Chander Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201011, have changed the name of my minor son Aryaveer Sareen aged 12 years and he shall hereafter be known as Aryavvir Sareen

NAME CHANGE
I, SHRIDEVI KHADAKABHAVI wife of No.-2611690Y, Rank-HAV, Name-SURESH KHADAKABHAVI residing at VPO-BELAVI, MANDAL-HUKKERI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591309, have changed my name from SHRIDEVI KHADAKABHAVI to SHRIDEVI SURESH KHADAKABHAVI for all future purposes vide Affidavit dated 31/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SUJANA THAPA wife of No.-5457775M, Rank-NK, Name-TINKU THAPA residing at LOWER CHHIBO, VILL-KALIMPONG KHASMAHAL, PO-KALIMPONG, DIST-DARJEELING, WEST BENGAL-734301, have changed my name from SUJANA THAPA to SUJANA GURUNG for all future purposes vide Affidavit dated 01/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VIDYA WATI wife of No. 6946202F, Rank-HAV Name- KARUNA SHANKAR YADAV Residing at-VILL-PARSHURAMPUR, PO-RAJEPUR, TEHSIL-BANGARMAU, DIST-UNNAO, UTTAR PRADESH-241501, have changed my name from VIDYA WATI to VIDYA VATI for all future purposes vide Affidavit dated 01/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, PREAMWATI mother of No. 6946202F, Rank-HAV Name-KARUNA SHANKAR YADAV Residing at- VILL-PARSHURAMPUR, PO-RAJEPUR, TEHSIL-BANGARMAU, DIST-UNNAO, UTTAR PRADESH-241501, have changed my name from PREAMWATI to PREM VATI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 28/08/1957 instead of my correct date of birth as 01/01/1955, vide Affidavit dated 01/08/2026 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, Diksha, D/O Parmod Kumar, R/O B-3844, Street No- 103, Sant Nagar, Burari, Delhi- 110084 have changed my name to Diksha Kumari for all future purposes.

NAME CHANGE
I Mukesh Vishwakarma S/o Triveni Mistri R/o Kh N 101/2, Sagam Svihar, Nandgram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed the name of my minor son Bikky Kumar Vishwakarma aged 15 years and he shall hereafter be known as Vicky kartik Vishwakarma.

NAME CHANGE
I , Mudita Malhotra D/o Rajender Kumar R/o 52/43 Road No 43 Punjabi Bagh West Delhi 110026 have changed my name to Mudita.

NAME CHANGE
I AZHAR S/O MOHD JAKIM R/O H NO -31 GALI NO 10 C BLOCK SHRI RAM COLONY KARAWAL NAGAR NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD AZHAR

NAME CHANGE
I AMRITA PATIL D/O D W PATIL R/O FLAT NO-16 SWASTIK KUNJ APARTMENT NEAR LIC OFFICE WARD NO-1 BHULBHULAIYYA ROAD MEHRAULI SOUTH DELHI 110030 HAVE CHANGED MY NAME TO AMRITA DHANRAJ PATIL

NAME CHANGE
I hitherto known as Nashim D/o. Ghasita W/o. Ikbal, R/o. N-11, Gali No. 13, N-Block, Brahampuri, Seelampur, North East Delhi, Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as Nasim.

NAME CHANGE
I hitherto known as Hafeezan D/o. Sadiq W/o. Ishratuddin R/o. C-48/25, Street No. 14/5, Chauhan Bangar, Seelampur, North East Delhi, Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as Hafizan

NAME CHANGE
I, Mohd Javed R/o H. No. C-55/10C, Gali No. 10, Near Kashmiri Building Chauhan Banger, Garhi Mendu, Delhi-110053 have changed my minor son name from Mohammad Zidaan to Mohammad Zidaan Akkashi for all future purposes

NAME CHANGE
I, Mohd Javed R/o H. No. C-55/10C, Gali No. 10, Near Kashmiri Building Chauhan Banger, Garhi Mendu, Delhi-110053 have changed my minor daughter name from Aafreen to Aafrin Akkashi for all future purposes

Name Declaration
I Sumit Kumar S/o Anil Kumar R/o Ls -29 Malibu Towne, Near Malibu Arcade Sector -47 South city -2 Gurgaon Haryana 122018 , Hereby Declare That My Given Name is Sumit and my Surname is Kumar , My full name is Sumit Kumar, and I

NAME CHANGE
It is for general information that I, Yash S/o Karanvir Singh R/o Plot No 898 SF 2, Niti Khand 1, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 declare that name of my father has been wrongly written as Karanveer Singh in my 10th Class Educational Documents. The actual name of my father is Karanvir Singh.

NAME CHANGE
I Pawan Kumar S/o Sham Lal, R/o House No. 1054, Sector 7 Extension, Gurgaon have changed my name to Pawan Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Krishna Devi alias Krishan devi D/O Nathi RAM R/O House No C- 62 F/F, Tigri Extension, South Delhi 110062 have changed my name and shall hereafter be known as Krishna Devi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as NAVEEN GOEL S/o BHUSHAN LAL R/o A-88, JEEVAN VIHAR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201001, have changed my name and shall hereafter be known as NAVEEN KUMAR GOEL.

NAME CHANGE
I, Nishi Parashar W/o Varun Parashar, R/o Gaur Global Village GH-04, Flat No-1215, 12th Floor, Tower-B, Crossing Republik, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201016, have changed the name of my minor son Himaksh Parasar, aged 11 years and he shall hereafter be known as Ved Parashar.

NAME CHANGE
I hitherto known as VAJEER S/o ISLAM R/o H.No-182, Gali No-4, Near A P N Public School, By Pass Road, Sain Vihar, Vijay Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, Have changed my name and shall hereafter be known as OJIR ALAM.

Public Notice
It is for general information that I, Yashav Kumar S/o Sandeep Kumar R/o 306 A, Gali No.-8, New Karhera Colony, Mohan Nagar, PO: Mohan Nagar, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201007 declare that name of mine has been wrongly written as Yashav in my 12th Class Educational Documents, The actual name of mine is Yashav Kumar

Public Notice
I, on behalf of my clients, Mr. Anand Gupta s/o Shri Ashok Kumar Gupta, and Mrs. Anju Gupta, w/o Mr. Anand Gupta, both r/o G-9/62, Sangam Vihar, New Delhi-110080, hereby inform the general public that they have disowned and debarred their daughter, Ms. Bhumi Gupta, from all their movable and immovable properties, assets, rights, interests, and claims due to her misconduct and misbehavior towards them. They have also severed all relations with her. My clients shall not be liable or responsible for any act, omission, debt, liability, or transaction undertaken by their daughter.

Mukesh Kumar Advocate
Ch No 888 Saket Court
New Delhi 110017

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "PLOT (SOUTH FACING) OF LAND AREA MEASURING 735 SQ. YARDS OUT OF KHET NO. 599 (OLD) AND KHET NO. 507 (NEW AS PER AAKAR PATRA-45) SITUATED IN MOHALLA TULSI NAGAR, KASBA DANKAUR, PARGANA DANKAUR, TEHSIL SADAR, DISTRICT GAUTAM BUDH NAGAR, U.P." I.E. 1. ORIGINAL SALE DEED DT. 10.02.2003 EXECUTED BY MR. GYANI SINGH AND OTHERS IN FAVOUR OF MRS. SARASWATI DEVI AND MRS. INDRA DEVI IN RESPECT OF LAND AREA MEASURING ½ PART OF 0-13-18-7/8TH OUT OF GATA NO. 599 OF CHAK NO. 21. DOC. NO. 885 & 2. ORIGINAL SALE DEED DT. 26.07.2006 EXECUTED BY MRS. SARASWATI DEVI AND MRS. INDRA DEVI IN FAVOUR OF MRS. SUSHILA BANSAL IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY OUT OF KHASRA NO. 599 OF CHAK NO. 21. DOC. NO. 9770 HAVE BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MR. KRISHAN KUMAR AND IN THIS REGARD MR. KRISHAN KUMAR HAD LODGED ONLINE LOST REPORT VIDE LAR NO. 20260000612389 ON DT. 22.06.2026 AND SAID OWNER MR. KRISHAN KUMAR PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE ORIGINAL SALE DEED DT. 04.02.2023 EXECUTED BY MRS. SUSHILA BANSAL ALIAS SUSHILA DEVI AS DOC. NO. 3526. NOW MR. KRISHAN KUMAR WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM TRU HOME FINANCE LIMITED. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEEDS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 : हरियाणा की बेटियों ने मुक्केबाजी में दिलाई भारत को डबल गोल्ड की सौगात

एजेंसी

चंडीगढ़। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में हरियाणा की बेटियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए भारत का गौरव बढ़ाया है। भिवानी की मुक्केबाज प्रीति पंवार ने महिला 54 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया, जबकि भिवानी की ही जैस्मिन लांबोरिया ने महिला 57 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर देश को दूसरी स्वर्णिम सफलता दिलाई। दोनों खिलाड़ियों की इस शानदार उपलब्धि पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भिवानी की इन बेटियों ने अपने अदम्य साहस, कड़ी मेहनत और अनुशासन के बल पर पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की बेटियां लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारत का तिरंगा विश्व मंच पर लहरा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रीति पंवार द्वारा 54 किलोग्राम भार वर्ग और जैस्मिन लांबोरिया द्वारा 57 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतना हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। इन दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि से प्रदेश के लाखों युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं, आधुनिक खेल अवसंरचना, बेहतर प्रशिक्षण तथा पारदर्शी खेल नीति उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

बूथ स्तर का कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत : विधायक योगेंद्र राणा

कैथल। भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक बैठक में कैथल विधानसभा क्षेत्र के बीएलए-2, बूथ अध्यक्ष और शक्ति प्रमुखों ने भाग लिया। बैठक में असंध के विधायक योगेंद्र राणा ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। विधायक योगेंद्र राणा ने कहा कि भाजपा का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है और बूथ स्तर का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की सफलता की नींव है। उन्होंने कहा कि संगठन को सशक्त बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी निष्ठा, सक्रियता और समर्पण के साथ कार्य करना होगा। साथ ही केंद्र और हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना भी कार्यकर्ताओं की अहम जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को अनुशासन, टीम भावना और पूरी जिम्मेदारी के साथ सफल बनाया जाए। कार्यकर्ताओं से जनता के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखने और सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का भी आह्वान किया। बैठक में संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया।

डीएचबीवीएन में एचकेआरएन व आउटसोर्स कर्मचारियों के सेवा रिकॉर्ड की होगी गहन जांच

हिसार। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) ने हरियाणा संविदा कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) अधिनियम-2024 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) एवं अन्य आउटसोर्स कर्मचारियों के सेवा अभिलेखों के सत्यापन के लिए विशेष अभियान शुरू कर दिया है। अभियान को पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए निगम के सभी 11 ऑपरेशन सर्किलों, चार गैर-ऑपरेशन कार्यालयों तथा मुख्यालय स्तर पर स्क्रूटनी कमेटियों का गठन किया गया है। डीएचबीवीएन के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने कहा कि निगम में कार्यरत प्रत्येक एचकेआरएन एवं आउटसोर्स कर्मचारी के सेवा अभिलेखों की जांच पूरी पारदर्शिता और निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तय समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि दस्तावेजों के सत्यापन में किसी भी प्रकार की लापरवाही, त्रुटि या अनावश्यक देरी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जारी आदेशों के अनुसार प्रत्येक ऑपरेशन सर्किल में संबंधित अधीक्षण अभियंता को स्क्रूटनी समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में संबंधित कार्यकारी अभियंता एवं डीडीओ, मंडलीय लेखाकार, अधीक्षक तथा सहायक को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

कृषि में नया आइडिया है तो यही है सुनहरा मौका, हकृवि देगा स्टार्टअप को नई पहचान

हिसार। खेती-किसानी से जुड़े नए विचारों को सफल व्यवसाय में बदलने की दिशा में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) का एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) एक बार फिर नवाचारकर्ताओं के लिए बड़ा अवसर लेकर आया है। एबिक ने कोहोर्ट-8 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस कार्यक्रम के तहत चयनित स्टार्टअप्स को 25 लाख रुपये तक की अनुदान सहायता, अनुभवी विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, तकनीकी सहयोग और बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि उनके अभिनव विचार व्यावसायिक सफलता में बदल सकें। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि एबिक केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने वाला केंद्र नहीं, बल्कि नवाचारों को उद्योग का स्वरूप देने वाला सशक्त प्लेटफॉर्म है। यहां स्टार्टअप्स को विचार की प्रारंभिक अवधारणा से लेकर उत्पाद के व्यावसायीकरण तक हर चरण में सहयोग दिया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किए जाएंगे 150 राजकीय विद्यालयों के नए भवन- सीएम नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार राजकीय स्कूलों में शिक्षा का स्तर सुधारने और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में राज्य में 150 राजकीय विद्यालयों के नए भवन विकसित किए जाएंगे, जो पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होंगे। इन विद्यालयों के डिजाइन एवं निर्माण के लिए देश के अग्रणी राज्यों एवं प्रतिष्ठित संस्थानों के श्रेष्ठ मॉडल और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन का सहयोग लिया जाएगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार देर शाम चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी निवास 'संत कबीर कुटीर' में स्कूल शिक्षा विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में प्रदेश के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

719 उत्कृष्ट विद्यालयों के समग्र विकास पर मंथन

बैठक के दौरान राज्य में गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। विशेष रूप से प्रदेश के 719 उत्कृष्ट विद्यालयों–जिनमें संस्कृति मॉडल स्कूल, मुख्यमंत्री अर्ली इंग्लिश एंड एक्सीलेंस स्कूल तथा पीएम श्री विद्यालय शामिल हैं–के समग्र विकास और सुदृढ़ीकरण पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन सभी विद्यालयों में आवश्यक आधारभूत ढांचा और सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध

कराई जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नए भवनों का निर्माण, अतिरिक्त कक्षाएं, पृथक शौचालय, मजबूत चारदीवारी, खेल के मैदान, विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, डिजिटल लैब, स्मार्ट कक्षाएं, पुस्तकालय, नया फर्नीचर, टैबलेट तथा अन्य आधुनिक शिक्षण संसाधन समय पर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन विकास कार्यों के लिए बजट की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और सभी निर्माण कार्य शीघ्र पूरे किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकीय विद्यालयों का कायाकल्प करते हुए उनमें उच्च गुणवत्ता का फर्नीचर, डिजिटल एवं स्मार्ट क्लासरूम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित शिक्षण सुविधाएं, व्यावसायिक शिक्षा, अत्याधुनिक विज्ञान-कंप्यूटर प्रयोगशालाएं और डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को बेहतरीन शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि ये विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्र बनें। ये 150 नए और 719 उत्कृष्ट विद्यालय राज्य के अन्य सभी स्कूलों के लिए प्रेरणास्रोत और रोल मॉडल के रूप में स्थापित होंगे। उन्होंने अधिकारियों को इस महत्वाकांक्षी योजना को समयबद्ध तरीके से क्रियान्वित कर हरियाणा को विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने भी अधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में पठन-पाठन का माहौल बेहतर बनाने के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित और सम्मानित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने सभी सरकारी स्कूलों में स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था और सफाई के स्तर को और अधिक बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

हार्ट अटैक, स्ट्रोक और सड़क हादसों के मरीजों को मिलेगा त्वरित जीवनरक्षक उपचार - आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का लक्ष्य हर नागरिक तक समय पर और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से महेंद्रगढ़ जिले को चार नई एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई हैं। इन एंबुलेंसों के शामिल होने के बाद जिले में सरकारी एंबुलेंसों की संख्या 26 से बढ़कर 30 हो गई है, जिससे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सशक्त होंगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटना, हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, गंभीर चोट तथा प्रसव संबंधी जटिल मामलों में शुरुआती एक घंटे का समय सबसे महत्वपूर्ण होता है। चिकित्सा विशेषज्ञ इसे 'गोल्डन ऑवर' कहते हैं। इस दौरान उचित उपचार मिलने से मरीज की जान बचाने की संभावना काफी बढ़ जाती है। नई एएलएस एंबुलेंसों के माध्यम से मरीजों को अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्नत चिकित्सा सुविधा

उपलब्ध कराई जा सकेगी।

उन्होंने बताया कि नई एंबुलेंस आईसीयू जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। इनमें वेंटिलेटर, डिफिब्रिलेटर, मल्टी-पैरामीटर मॉनिटर, ऑक्सीजन सपोर्ट और अन्य अत्याधुनिक जीवनरक्षक उपकरण उपलब्ध हैं। प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ रास्ते में ही मरीज की हृदय गति, रक्तचाप, ऑक्सीजन स्तर और अन्य महत्वपूर्ण संकेतों की निगरानी करेगा तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल जीवनरक्षक उपचार भी उपलब्ध कराएगा। मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार निवेश कर रही है।

नए अस्पतालों के निर्माण, स्वास्थ्य संस्थानों के उन्नयन, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता, विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति और एंबुलेंस नेटवर्क को मजबूत बनाने जैसे कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी व्यक्ति आपात स्थिति में समय पर उपचार से वंचित न रहे।

पुलिस आयुक्त गुरुग्राम के निर्देशन में विभिन्न थाना क्षेत्रों में नशा मुक्ति जागरूकता एवं वेलनेस सत्र आयोजित, युवाओं व समाज को नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए किया प्रेरित

एजेंसी

गुरुग्राम। श्री शिवास कविराज, आईपीएस, पुलिस आयुक्त, गुरुग्राम के मार्गदर्शन में गुरुग्राम पुलिस द्वारा दिनांक 01.08.2026 को नशा मुक्त एवं अपराध मुक्त गुरुग्राम के उद्देश्य को साकार करने के लिए मानेसर ज़ोन के थाना खेड़की दौला क्षेत्र में कंपनी कर्मचारियों के लिए तथा पुलिस थाना खेड़की दौला,पुलिस चौकी बार गुर्जर, महिला थाना मानेसर, गुरुग्राम में पुलिस कर्मचारियों के लिए नारकोटिक्स ड्रग डी-एडिक्शन अवेयरनेस एवं वेलनेस सत्र का आयोजन किया गया। इस जागरूकता एवं वेलनेस सत्र को आचार्य करमवीर द्वारा संबोधित किया गया। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि जीवन की चुनौतियों, तनाव एवं प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ या अन्य व्यसनों का सहारा लिए बिना भी सकारात्मक, स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाकर किया जा सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों को शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाए रखने के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक उपायों की विस्तृत जानकारी दी। सत्र के दौरान अष्टांग योग, स्वर योग (श्वास का विज्ञान), नाद योग (आंतरिक ध्वनि), कर्म योग, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वस्थ जीवनशैली, जीवन मूल्यों तथा हार्मोन संतुलन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। साथ ही नशीले पदार्थों एवं अन्य प्रकार की व्यसनकारी आदतों के दुष्प्रभावों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया तथा उन्हें नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने जीवनभर किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने एवं दूसरों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने की शपथ ली। इस अवसर पर युवाओं से विशेष रूप से

आह्वान किया गया कि वे नशा मुक्त एवं अपराध मुक्त अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के बीच नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाएं तथा एक स्वस्थ, सुरक्षित एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में सहयोग करें सभी नागरिक : डीसी वर्षा खांगवाल

एजेंसी

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत झज्जर जिले की प्रारंभिक (ड्राफ्ट) मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है।

उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से अपील की कि वे अपने नाम एवं विवरण का सावधानीपूर्वक मिलान करें और यदि किसी प्रकार की त्रुटि अथवा नाम छूटने की स्थिति हो तो निर्धारित अवधि के भीतर दावा एवं आपत्ति अवश्य दर्ज कराएं। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि त्रुटिरहित मतदाता सूची स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया की आधारशिला है। प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रकाशन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है, इसलिए सभी राजनीतिक दल, बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) तथा आम नागरिक सक्रिय सहयोग करते हुए मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं का नाम प्रारंभिक सूची में शामिल है, उन्हें किसी प्रकार की कार्रवाई करने की

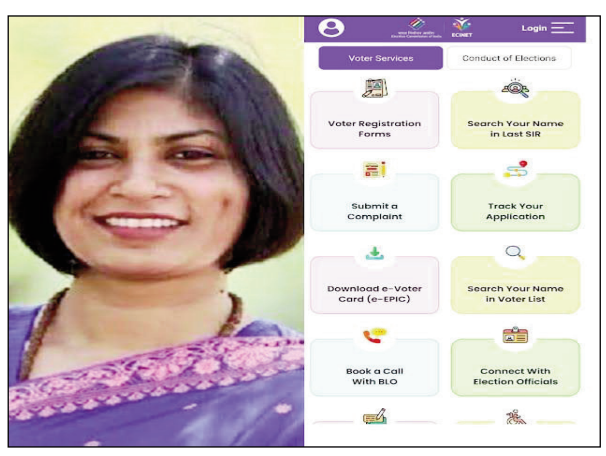

आवश्यकता नहीं है। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची में नहीं है तो वह आवश्यक दस्तावेजों सहित फॉर्म-6 भरकर दावा प्रस्तुत कर सकता है। वहीं, नाम, पता, आयु अथवा अन्य विवरण में त्रुटि होने पर फॉर्म-8 के माध्यम से संशोधन कराया जा सकता है। डीसी ने बताया कि दावा एवं आपत्तियां 30 अगस्त 2026 तक संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ), बीएलओ अथवा श्ष्टद्धह्वश्चञ्.श्चश्च के माध्यम से भी दर्ज कराई जा सकती हैं। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए मतदाता हेल्पलाइन 1950 पर संपर्क कर सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मतदान अधिकार को सुरक्षित रखने के लिए समय रहते मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें और आवश्यक होने पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दावा अथवा संशोधन करवाएं।

इससे जिले की मतदाता सूची अधिक सटीक, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बन सकेगी। उन्होंने कहा कि अधिक विवरण के लिए नागरिक अपने नजदीकी बीएलओ, निर्वाचन पंजीयन अधिकारी या जिला निर्वाचन कार्यालय में बने हेल्प डेस्क पर कार्य दिवस के दौरान संपर्क कर सकते हैं। एक-एक वोट लोकतंत्र की नींव को मजबूत बनाता है। हमारा लक्ष्य जिला के हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना है। कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए। सभी नागरिक समय रहते अपना नाम चेक करें और अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

युवा संवाद में कैबिनेट मंत्री की भूमिका निभाकर माही ने जीता सबका दिल

गुरुग्राम की बेटी माही वशिष्ठ पिछले साल भी युवा संवाद में छायी थीं

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा विधानसभा में आयोजित युवा संवाद-महिला सशक्तिकरण विषयक डिबेट प्रतियोगिता में गुरुग्राम की बेटी माही वशिष्ठ ने अपनी बुलंद आवाज और सशक्त तर्कों से सभी को प्रभावित किया। माही ने इस प्रतिष्ठित लोकतांत्रिक मंच पर विकास एवं पंचायत विभाग की कैबिनेट मंत्री भूमिका का प्रतिनिधित्व किया।

विधानसभा में डिबेट के दौरान माही ने महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, शिक्षा, समान अवसर, युवा नेतृत्व, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार स्पष्टता, गंभीरता और ओजपूर्ण शैली में रखे। उनकी प्रभावशाली अभिव्यक्ति ने यह संदेश दिया कि सशक्त विचार ही सशक्त समाज और सशक्त भारत की नींव होते हैं। हरियाणा विधानसभा जैसे मंच पर तथ्यों और तर्कों के साथ अपना पक्ष रखना माही की प्रतिभा, तैयारी और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण बना। यह उपलब्धि केवल एक डिबेट प्रतियोगिता में भागीदारी नहीं, बल्कि उस नई पीढ़ी के आत्मविश्वास की पहचान है जो अपने ज्ञान, संस्कार और विचारों के बल पर देश के

भविष्य को नई दिशा देने का संकल्प रखती है। माही ने कहा कि कुछ आवाजें केवल सुनाई नहीं देतीं, वे इतिहास के पन्नों पर अपनी पहचान छोड़ जाती हैं। बुलंद आवाज केवल ऊंची नहीं होती, वह सच्चे विचारों, गहन तैयारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण से जन्म लेती है। माही वशिष्ठ को उनकी शानदार प्रस्तुति के लिए हार्दिक बधाई दी गई।

9.75 करोड़ रुपए की लागत से मजबूत होगी अम्बाला छावनी की 10 सड़केंः अनिल विज

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी में सड़कों को अधिक मजबूत और आधुनिक बनाने के लिए करोड़ों रुपए की लागत से 10 महत्वपूर्ण सड़कों की मरम्मत होगी जिससे लाखों वाहन चालकों को लाभ मिलेगा। सड़कें मजबूत होने से अम्बाला छावनी के विज ने बताया कि 9.75 करोड़ रुपए की लागत से छावनी के विभिन्न क्षेत्रों में 10 सड़कों की मरम्मत के लिए राज्य सरकार से मंजूरी प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि बहुत जल्द सड़कों की मरम्मत के लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा टेंडर लगाए जाएंगे जिससे आगे कार्य शुरू हो सके। विकास को गति मिलेगी, साथ ही नागरिकों का जीवन स्तर और सुधरेगा। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों की इन सड़कों के बनने से वाहन चालकों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी व यातायात व्यवस्था सुगम होगी। उन्होंने यह भी बताया कि यह सड़कें ग्रामीण, सैन्य व शहरी क्षेत्रों की कई कालोनियों को जुड़ती है जिससे लाखों वाहन चालकों को लाभ मिलेगा। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि नन्हेड़ा, रंगिया मंडी, मच्छौंडा, चंद्रपुरी, रामगढ़ माजरा, दलीपगढ़, पंजोखरा साहिब, मंडौर, धूलकोट, मुनरहेड़ी आदि इलाकों में सड़कों की मरम्मत की जाएगी। ऊर्जा

मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अम्बाला छावनी महानगर बनने की ओर अग्रसर है। सड़कों के मजबूत होते जाल के साथ-साथ अम्बाला छावनी में शहरी विस्तार को गति देने के लिए रिंग रोड के किनारे लगभग 1000 एकड़ क्षेत्र में नए सेक्टरों को विकसित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। मंत्री अनिल विज का विजन अम्बाला छावनी को एक आधुनिक महानगर के रूप में स्थापित करना है, जहां बेहतर सड़कें और बेहतरीन नागरिक सुविधाएं उपलब्ध हों। जीटी रोड से नन्हेड़ा व रंगिया मंडी तक लिंक रोड, मच्छौंडा से चंद्रपुरी तक लिंक रोड, एमईएस रोड से गांव रामगढ़ माजरा तक लिंक रोड, राजकीय हाई स्कूल दलीपगढ़ से एमईएस रोड तक लिंक रोड, जगाधरी रोड से मुनरहेड़ी तक लिंक रोड, गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब मुख्य एप्रोच रोड, पंजोखरा साहिब गांव से फिरनी तक रोड, पंजोखरा साहिब गांव से तिसिम्बली पंजाब बॉर्डर तक लिंक रोड, अम्बाला-नारायणगढ़ रोड से गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब तक लिंक रोड, गांव मंडौर से धूलकोट पॉवर हाउस तक रोड।

अपने और परिवार की तरह ही देश को भी दें सर्वोच्च प्राथमिकता : हरविन्द्र कल्याण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में महिला सशक्तीकरण विषय पर केंद्रित युवा संवाद का आयोजन किया गया। शहीद ऊधम सिंह के शहीदी दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में देश के 14 से अधिक राज्यों से आए करीब 90 युवा प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हरियाणा विधान सभा और स्वयंसेवी संस्था 'राजधानी युवा संसद', नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित इस संवाद का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, राष्ट्र निर्माण और महिला सशक्तीकरण के प्रति जागरूकता विकसित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने युवाओं का आह्वान किया कि वे अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक हितों के साथ-साथ देशहित को भी समान प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति अपने और अपने परिवार के भविष्य के लिए योजनाएं बनाता है, उसी प्रकार राष्ट्र के विकास और प्रगति के बारे में भी गंभीरता से सोचना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण का संकल्प तभी साकार होगा, जब युवा अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता को राष्ट्रहित में समर्पित करेंगे। विधान सभा अध्यक्ष ने प्रतिभागियों को कैपिटल कॉम्पलेक्स और हरियाणा विधान सभा के इतिहास से परिचित करवाते हुए संसदीय लोकतंत्र में विधायिका की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि देश विभाजन के बाद पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश की संयुक्त राजधानी शिमला रही। बाद में चंडीगढ़ को पंजाब और हरियाणा की राजधानी बनाया गया तथा 6 मार्च, 1961 को पहली बार कैपिटल कॉम्पलेक्स स्थित इस ऐतिहासिक विधान भवन में सदन की बैठक आयोजित हुई। उन्होंने कहा कि यह भवन अनेक ऐतिहासिक निर्णयों, दूरदर्शी नीतियों और महान नेताओं के विचार-विमर्श का साक्षी रहा है। शहीद ऊधम सिंह के बलिदान को नमन करते हुए विस अध्यक्ष ने कहा कि उनका अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

किसी राज्य का विकास नारों से नहीं, बल्कि इरादे और प्रतिबद्धता से होता है : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा 2022 के पंजाब विधानसभा चुनावों में किए गए 56 वादों को पूरा करने के बारे में सवाल किया। उन्होंने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में अब बस चार महीने ही बचे हैं, ऐसे में पंजाब की जनता को यह जानने का हक है कि उनमें से कितने वादे पूरे किए गए हैं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या पंजाब सरकार बचे हुए समय में बाकी सभी वादे पूरे कर पाएगी। सनाउर शहर में शहीद सरदार उधम सिंह के 87वें शहादत दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने महान स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि दी और कहा कि पंजाब में केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ही युवाओं के विकास के लिए शहीद उधम सिंह के सपनों को पूरा कर सकती है। आप सरकार पर निशाना साधते हुए हरियाणा के सीएम ने कहा कि किसी राज्य का विकास नारों से नहीं, बल्कि इरादे और प्रतिबद्धता से होता है।मुख्यमंत्री सैनी ने एक्साइज इंस्पेक्टरों की भर्ती में कथित गड़बड़ियों को लेकर पंजाब सरकार पर भी निशाना साधा और इसे प्रतिभाशाली युवाओं के साथ घोर अन्याय बताया।हरियाणा सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए

सीएम सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी समृद्ध विरासत पर गर्व करते हुए विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है।उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार भी इसी सोच के साथ काम कर रही है और उसने किसानों, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिए कई पहल की हैं। हरियाणा में भाजपा के चुनावी घोषणापत्र का जिक्र करते हुए सीएम सैनी ने कहा कि पार्टी ने 217 'संकल्प' (वादे) किए थे, जिनमें से 70 को सिर्फ डेढ़ साल में ही पूरा कर लिया गया है, जबकि बाकी 147 को भी जल्द ही लागू किया जाएगा।

पंजाब के लोगों से शहीद सरदार उधम सिंह के आदर्शों का पालन करने का आग्रह करते हुए हरियाणा के सीएम ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो महान राष्ट्रीय हस्तियों का सम्मान करने के साथ-साथ एक विकसित और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध भारत बनाने की दिशा में काम कर रही है।सनौर को देशभक्ति की पवित्र भूमि बताते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि कुछ जगहें सिर्फ इतिहास का हिस्सा बन जाती हैं, जबकि दूसरी जगहें इतिहास बनाती हैं, और सनौर दूसरी कैटेगरी में आता है। उन्होंने आगे कहा कि इस मिट्टी का हर इंच देश को याद दिलाता है कि भारत को आजादी विरासत में नहीं मिली, बल्कि गुरुओं की तपस्या, बहादुर योद्धाओं की बहादुरी और अनगिनत शहीदों के सर्वोच्च बलिदान से मिली है।

नशे के खिलाफ हर युवा बने बदलाव का वाहक, दस लोगों को नशामुक्ति अभियान से जोड़ेः असीम कुमार घोष

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने युवाओं से नशे के खिलाफ संकल्प लेने तथा समाज से इस बुराई को जड़ से समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि प्रत्येक युवा युद्ध नशे विरुद्ध अभियान से जुड़ने के लिए दस अन्य लोगों को प्रेरित करे तो यह संकल्प एक सशक्त जनआंदोलन का रूप ले सकता है। राज्यपाल पंजाब के पटियाला स्थित राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में आयोजित नशे के खिलाफ जंग विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और हरियाणा की प्रथम महिला मित्रा घोष भी मौजूद रही। सम्मेलन को युवाओं के लिए आशा और निराशा के बीच सही मार्ग चुनने का संदेश बताते हुए प्रो. घोष ने कहा कि एक रास्ता स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और सफलता की ओर ले जाता है, जबकि दूसरा रास्ता नशे की लत, बिखरते परिवारों और टूटते सपनों की ओर। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि देश का युवा जीवन, उद्देश्य और प्रगति का मार्ग अपनाएगा तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का अग्रदूत बनेगा। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन जन-जागरूकता के एक व्यापक अभियान की शुरुआत है, जिसका संदेश पंजाब से कहीं आगे तक जायेगा। राज्यपाल ने युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि जब युवा बड़े सपने देखते हैं, कड़ी मेहनत करते हैं और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं, तो देश की प्रगति को कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या युवाओं की ऊर्जा और सपनों पर सीधा प्रहार कर कमजोर बनाती है, परिवारों को तोड़ती है और समाज की बुनियाद को खोखला करती है।

डॉलर जमा पर एचडीएफसी बैंक ने बढ़ाई ब्याज दरें

विदेशी पूंजी जुटाने में 2013 का रिकॉर्ड टूटा

मुंबई ।

देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपनी फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट (एफसीएनआर(बी)) जमा योजनाओं पर ब्याज दर में 25 बेसिस पॉइंट्स (0.25 फीसदी) की बढ़ोतरी की है। 1 अगस्त से लागू नई दरों के बाद, इन डॉलर जमाओं पर अब 6.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक की रियायती स्वैप स्कीम का लाभ उठाने और अधिक विदेशी मुद्रा जुटाने के लिए बैंकों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है। आरबीआई की विशेष स्वैप विंडो सितंबर के अंत में बंद होने वाली है, जिसके चलते बैंक एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट के जरिए विदेशी फंड जुटाने की कोशिशें तेज कर रहे हैं। एचडीएफसी के इस कदम के बाद, अन्य बड़े निजी बैंक जैसे आईसीआईसीआई बैंक और ऐ क्सिस बैंक अभी भी तीन से पांच साल की डॉलर एफसीएनआर (बी) जमा पर 6 फीसदी ब्याज दे रहे हैं, जबकि एसबीआई में 1 मिलियन डॉलर से अधिक की पांच साल की जमा पर भी 6 फीसदी ब्याज मिल रहा है। छोटे वित्तीय संस्थान भी आकर्षक दरें पेश कर रहे हैं। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपनी (एफसीएनआ (बी)) डिपॉजिट पर उच्चतम ब्याज दर को 7.1 फीसदी से बढ़ाकर 7.4 फीसदी कर दिया है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 31 जुलाई तक बैंकों ने इस योजना के तहत कुल 41 अरब डॉलर का विदेशी फंड जुटाया है, जिसमें एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट का 36.7 अरब डॉलर सबसे बड़ा हिस्सा है। यह आंकड़ा 2013 के 34 अरब डॉलर के रिकॉर्ड को पार कर चुका है। सितंबर में विंडो बंद होने से पहले बैंक अधिकतम फंड जुटाने के लिए आने वाले हफ्तों में ब्याज दरें और बढ़ा सकते हैं।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने आवास ऋण पर ब्याज दर घटाकर सात प्रतिशत किया

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए अपने आवास ऋण पर ब्याज दरों में कटौती की है। बैंक ने एक सीमित अवधि की विशेष पेशकश मानसून धमाका के तहत होम लोन की ब्याज दर को 7.1 प्रतिशत से घटाकर अब मात्र 7 प्रतिशत कर दिया है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा जारी बयान के अनुसार, इस योजना में केवल कम ब्याज दर ही नहीं, बल्कि ग्राहकों को प्रसंस्करण शुल्क और दस्तावेजीकरण शुल्क से भी पूरी छूट दी जाएगी। बैंक ने कहा कि इस विशेष पेशकश का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराना और उन्हें अपने घर के सपने को पूरा करने में सहायता देना है। बैंक का दावा है कि आवास ऋण पर 7 प्रतिशत और वाहन कर्ज पर 7.45 प्रतिशत की उनकी ब्याज दरें उद्योग में सबसे प्रतिस्पर्धी दरों में शामिल हैं। इन सुविधाओं से ग्राहकों पर मासिक किस्त का बोझ काफी कम होगा। यह नई दरें एक सीमित अवधि के लिए लागू रहेंगी।

कोल इंडिया का उत्पादन जुलाई में 8.4 फीसदी बढ़कर 5.036 करोड़ टन हुआ

आपूर्ति 18.38 फीसदी बढ़कर ऐतिहासिक उच्च स्तर पर

नई दिल्ली।

सरकारी खनन कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने जुलाई में परिचालन मोर्चे पर रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। कंपनी ने बारिश की चुनौतियों के बावजूद कोयला उत्पादन में 8.4 फीसदी और आपूर्ति में 18.38 फीसदी की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की, जिससे देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हुई। जुलाई में सीआईएल का कोयला उत्पादन 8.4 प्रतिशत बढ़कर 5.036 करोड़ टन पर पहुंच गया। देश के कुल उत्पादन में 80त्न से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली सीआईएल ने बारिश के बावजूद यह वृद्धि दर्ज की। मांग के अनुरूप भंडार प्रबंधन के चलते कोयले की आपूर्ति भी मजबूत रही। जुलाई में कुल आपूर्ति 18.38 प्रतिशत बढ़कर 6.419 करोड़ टन रही, जो किसी भी वित्त वर्ष के जुलाई महीने में अब तक की सर्वाधिक है। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में कुल कोयला आपूर्ति 6.9 प्रतिशत बढ़कर 26.204 करोड़ टन हो गई, जो इस अवधि का सर्वाधिक स्तर है। बिजली क्षेत्र को जुलाई में सीआईएल की आपूर्ति 18 प्रतिशत बढ़कर 4.977 करोड़ टन रही, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में यह 4.235 करोड़ टन थी। बिजली क्षेत्र, कंपनी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, और यह रिकॉर्ड आपूर्ति उसकी बढ़ती मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण रही है।

आरबीआई, कच्चे तेल और कंपनियों के नतीजों पर रहेगी बाजार की नजर

इस सप्ताह बाजार का सबसे बड़ा फोकस आरबीआई की एमपीसी बैठक पर रहेगा

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में करीब 3 फीसदी की मजबूत बढ़त दर्ज करने के बाद, निवेशकों की निगाहें अब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर टिकी हैं, जिसके फैसले 5 अगस्त को आने वाले हैं। इसके साथ ही अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की कीमतें, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और कॉर्पोरेट नतीजों का नया दौर इस सप्ताह बाजार की अगली दिशा तय करेगा। इस सप्ताह बाजार का सबसे बड़ा फोकस आरबीआई की एमपीसी बैठक पर रहेगा। केंद्रीय बैंक के सतर्क रुख से बैंकिंग और ब्याज दर से जुड़े सेक्टर प्रभावित हो सकते हैं। मध्य-पूर्व के भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के खिलाफ सैन्य हमले रोकने के संकेत से तनाव कम हो सकता है, लेकिन स्ट्रैट ऑफ होर्मुज में जहाजों पर हमले की खबरों ने वैश्विक बाजारों की चिंता बढ़ाई है। इसी वजह से कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार की पैनी नजर रहेगी। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड में तेजी दर्ज हुई थी और जुलाई में इसने मार्च के बाद सबसे बड़ी मासिक बढ़त दर्ज की। कच्चे तेल

की बढ़ती कीमतें महंगाई की आशंका बढ़ा सकती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) की गतिविधियां भी बाजार के लिए अहम रहेंगी। लगातार बिकवाली के बाद एफआईआई पिछले तीन सत्रों में शुद्ध खरीदार बने हैं, खासकर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में उनकी दिलचस्पी बढ़ी है। वैश्विक तकनीकी शेयरों का रुझान भी भारतीय बाजार को प्रभावित कर सकता है, जहां माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन के मजबूत नतीजों ने भरोसा बढ़ाया है।

यूपीआई ने जुलाई में रचा नया कीर्तिमान, लेनदेन 23.66 बिलियन पार

दैनिक उपयोग बना वृद्धि का मुख्य कारण; छोटे शहरों में भी पहुंचा डिजिटल भुगतान का विस्तार

मुंबई ।

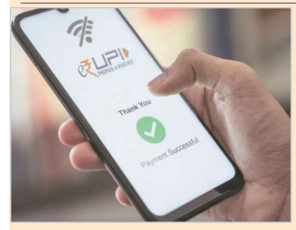

भारत में डिजिटल पेमेंट की लहर लगातार मजबूत हो रही है। जुलाई 2026 में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने लेनदेन के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए, जब इसके माध्यम से कुल 23.66 बिलियन ट्रांजैक्शन हुए जिनकी कुल वैल्यू 29.88 ट्रिलियन रुपये दर्ज की गई। यह आंकड़ा अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है और जून महीने की तुलना में वॉल्यूम में 4.1 फीसदी और वैल्यू में 3.3 फीसदी की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है। पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले लेनदेन की संख्या में 22 फीसदी और मूल्य में 19 फीसदी का उछाल आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि किसी खास मौसमी या बाहरी कारण से नहीं, बल्कि लोगों के रोजमर्रा के इस्तेमाल और डिजिटल भुगतान की बढ़ती स्वाभाविक आदत का परिणाम है। अब यूपीआई का दायरा सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि टियर-2, टियर-3 शहरों और ग्रामीण इलाकों में भी यह स्थानीय खरीदारी, बिल भुगतान और पैसे ट्रांसफर के लिए एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। अन्य डिजिटल भुगतान माध्यमों की बात करें तो इमीडिएट पेमेंट सर्विस और आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम ने भी जुलाई में बेहतर प्रदर्शन किया।

डॉलर ने फीकी की सोने-चांदी की चमक, एक हफ्ते में 1600 से ज्यादा टूटा सोना

हफ्तेभर में सोना 1,672 रुपए तो चांदी 6,476 रुपए सस्ती हुई

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर की बढ़ती ताकत और ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड में आए उछाल के चलते पिछले हफ्ते सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई इस सुस्ती का असर भारत के सर्राफा और वायदा बाजार पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जहां 24 कैरेट सोना 1672 रुपए प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ, जबकि चांदी 6476 रुपए प्रति किलोग्राम टूट गई। सोने-चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड गिरावट पिछले कारोबारी हफ्ते में 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने का भाव सोमवार को 1,44,532 रुपए से गिरकर शुक्रवार तक 1,42,860 रुपए पर आ गया, जो कि महज पांच दिनों में 1.15 फीसदी की गिरावट है। इसी तरह, चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट दिखी; सोमवार को 2,24,771 रुपए प्रति किलो बिकने वाली चांदी हफ्ते के अंत तक 2,18,295 रुपए पर आ गई। इस तेज गिरावट ने निवेशकों को हैरान कर दिया है। डॉलर की मजबूती और फेड के रुख ने बढ़ाया दबाव बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सोने-चांदी की कीमतों में यह गिरावट मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर की बढ़ती ताकत और ट्रेजरी यील्ड में आए उछाल के कारण हुई है। डॉलर के मजबूत होने से अन्य मुद्राओं वाले निवेशकों के लिए सोना महंगा हो जाता है, जबकि ऊंची ट्रेजरी यील्ड बिना ब्याज वाले सोने में निवेश को कम आकर्षक बनाती है। इसके अलावा, फेडरल रिजर्व के अपेक्षाकृत सख्त रुख और मजबूत श्रम बाजार ने निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को कमजोर कर दिया है। बाजार अब सितंबर में ब्याज दर बढ़ने की संभावना लगभग 63 प्रतिशत मान रहा है, जिससे कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा है। भू-राजनीतिक तनाव और भविष्य का परिदृश्य वैश्विक स्तर पर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के साथ-साथ होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल ने भी कमोडिटी बाजारों में सतर्कता का माहौल बनाए रखा।

त्योहारी मांग के बीच किसानों की कम आवक से तेल-तिलहनों के दाम मजबूत

सरकार को एमआरपी और आयातकों की दुर्दशा पर ध्यान देने की जरूरत

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह सभी खाद्य तेलों और तिलहनों के दाम में मजबूती दर्ज की गई। आगामी त्योहारों की मांग में तेजी और किसानों द्वारा फसल की आवक घटने से कीमतों में उछाल आया है। फिलहाल घरेलू बिनौला, सरसों और मूंगफली तेल आयातित तेलों की तुलना में महंगे बिक रहे हैं। बाजार सूत्रों के अनुसार, किसान पहले ही ऊंचे दाम का लाभ ले चुके हैं और अब मौजूदा, हालांकि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ऊपर, कीमतों पर अपनी उपज (बिनौला, सोयाबीन, सरसों) बेचने से कतरा रहे हैं, जिससे आवक प्रभावित हुई है। त्योहारों की बढ़ती मांग ने भी इस स्थिति को और मजबूत किया है। सूत्रों ने सरकार से खाद्य तेलों के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को नियंत्रित और व्यवस्थित करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि इसमें मनमाने ढंग से हेरफेर होता है। उदाहरण के लिए, थोक में सरसों और मूंगफली तेल का दाम लगभग 170 रुपये प्रति किलोग्राम है, लेकिन खुदरा में मूंगफली तेल काफी महंगा मिलता है। सूत्रों के अनुसार, सरसों तेल का एमआरपी 180-185 रुपये प्रति लीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, आयातकों की वित्तीय तंगी के कारण लागत से नीचे दामों पर बिकवाली भी एक बड़ी समस्या है। विशेषज्ञों ने सरसों की बढ़ती मांग के मद्देनजर सरकार को अक्टूबर में आने वाली सोयाबीन और मूंगफली का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने की सलाह दी है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये के सुधार के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों तेल दादरी 100 रुपये के सुधार के साथ 16,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ओर सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,720-2,820 रुपये और 2,720-2,870 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,525-7,575 रुपये और 7,375-7,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 12,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 7,400-7,975 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 50 रुपये के सुधार के साथ 17,150 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 20 रुपये के सुधार के साथ 2,700-3,000 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 75 रुपये के सुधार के साथ 15,775 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 14,575 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बिनौला तेल का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 16,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

रोल्टा इंडिया समाधान योजना को एनसीएलएटी से हरी झंडी, दूरसंचार विभाग की चुनौती खारिज

न्यायाधिकरण ने कहा- योजना लागू हो चुकी, इस स्तर पर हस्तक्षेप अनुचित

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने कर्ज में डूबी रोल्टा इंडिया लिमिटेड की समाधान योजना को चुनौती देने वाली दूरसंचार विभाग (डीओटी) की याचिका खारिज कर दी है। न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया कि समाधान योजना को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है और उसका क्रियान्वयन भी पूरा हो चुका है, ऐसे में इस स्तर पर इसमें हस्तक्षेप करना उचित नहीं होगा। डीओटी ने रोल्टा इंडिया पर समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) से संबंधित 469.09 करोड़ रुपए के बकाया लाइसेंस शुल्क का दावा करते हुए एनसीएलटी द्वारा मंजूर समाधान योजना को चुनौती दी थी। यह योजना एशडन प्रॉपर्टीज ने 900 करोड़ रुपए में पेश की थी। डीओटी का तर्क था कि समाधान योजना में सरकारी और वैधानिक संस्थाओं के साथ उचित व्यवहार नहीं किया गया। एनसीएलएटी की पीठ ने एनसीएलटी के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि समाधान योजना अंतिम चरण में है और लागू हो चुकी है। न्यायाधिकरण ने पाया कि डीओटी ने समाधान पेशेवर द्वारा 469.09 करोड़ रुपए के दावे को अस्वीकार्य लेकिन आकस्मिक श्रेणी में रखे जाने को समय पर चुनौती नहीं दी, बल्कि एनसीएलटी के बजाय दूरसंचार विवाद निपटान एवं अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीसैट) चला गया, जिससे उसका दावा कमजोर पड़ गया। एनसीएलएटी ने जोर दिया कि एक बार समाधान योजना को मंजूरी और सफल क्रियान्वयन के बाद, पुराने मुद्दों को फिर नहीं उठाया जा सकता। पीठ ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि सफल आवेदक को अघोषित देनदारियों का बोझ नहीं दिया जा सकता, जिनकी जानकारी समाधान प्रक्रिया के दौरान नहीं थी।

आरबीआई ब्याज दरों पर बनाए रख सकता है यथास्थिति

महंगाई और वैश्विक अनिश्चितता के बीच केंद्रीय बैंक का अहम फैसला

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक (3-5 अगस्त) में ब्याज दरों पर अहम फैसला होगा। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्रीय बैंक इस बार रेपो दर में कोई बदलाव नहीं करेगा, जिससे घर और कार लोन धारकों को ईएमआई में तुरंत राहत मिलने की संभावना क्षीण है। फैसलों का ऐलान 5 अगस्त को किया जाएगा। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि आरबीआई रेपो रेट में बदलाव नहीं करेगा। इसका मुख्य कारण खुदरा महंगाई (सीपीआई) का अगले दो तिमाहियों तक 5त्न से ऊपर बने रहने का अनुमान है। महंगाई पर नियंत्रण हेतु आरबीआई दरों को स्थिर रखेगा। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7 फीसदी से अधिक आर्थिक वृद्धि का अनुमान है। जुलाई में 35 अरब डॉलर के पूंजी प्रवाह से 24 जुलाई तक विदेशी मुद्रा भंडार में 12.5 अरब डॉलर की वृद्धि हुई। फॉरवर्ड पोजीशन में कमी से विदेशी मुद्रा बाजार का दबाव कम हुआ। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, रुपये पर दबाव और वैश्विक पूंजी प्रवाह की अनिश्चितता के मद्देनजर आरबीआई के लिए मौजूदा दरों को बनाए रखना ही उपयुक्त होगा। वैश्विक मुद्रा बाजार में असंतुलन बना हुआ है, जिसका मार्च में रुपये पर असर दिखा।

मारुति ने जुलाई में रिकॉर्ड वाहन उत्पादन दर्ज किया, 2.48 इकाई के पार पहुंचा आंकड़ा

जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का उत्पादन किया, जो इसी महीने के आंकड़े से 33 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने जुलाई में अपना रिकॉर्ड मासिक उत्पादन दर्ज किया है। जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का उत्पादन किया, जो पिछले साल के इसी महीने के आंकड़े 1,87,073 इकाई के मुकाबले 33 प्रतिशत अधिक है।कंपनी का इससे पहले का सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन रिकॉर्ड मार्च, 2026 में बना था, जब उसने 2,31,933 वाहनों का विनिर्माण किया था।मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने बताया कि रिकॉर्ड उत्पादन के बावजूद डीलर नेटवर्क में वाहन का स्टॉक सामान्य स्तर से काफी कम है। जुलाई में कंपनी की खुदरा बिक्री 1.78 लाख इकाई रही। उन्होंने कहा कि डीलर नेटवर्क में मौजूदा स्टॉक करीब 16 दिन का है, जबकि उद्योग का औसत लगभग 30 दिन का रहता है। कंपनी के पास करीब 1.6 लाख वाहनों की बुकिंग लंबित है। कंपनी ने जुलाई में घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की अब तक की सबसे अधिक थोक बिक्री दर्ज की। इस दौरान कंपनी ने 1,96,203 यात्री वाहन बेचे, जो जुलाई, 2025 के 1,37,776 वाहन की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है। हल्के वाणिज्यिक वाहनों को शामिल करने पर कुल घरेलू बिक्री 2,00,123 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई

होर्मुज जलडमरूमध्य में एलएनजी टैंकर पर हमला, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराया खतरा

कतर से चला गैसलॉग शंघाई टैंकर बना निशाना; मध्य-पूर्व के तनाव से वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता

नई दिल्ली ।

मध्य-पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव ने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा पर एक और गहरा प्रभाव डाला है। दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक धमनियों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य में कतर से लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) लेकर जा रहे एक टैंकर पर हमला हुआ है। सिक्योरिटी इंटेलिजेंस फर्मों और शिप ट्रैकिंग डेटा से पता चला है कि इस हमले के कारण टैंकर फंस गया है, जिससे सुपर-चिल्ड फ्यूल की वैश्विक डिलीवरी में और रुकावट आने का खतरा पैदा हो गया है।

सिक्योरिटी कंसल्टेंसी वैनगार्ड टेक और मारिस्क ने इस जहाज़ की पहचान गैसलॉग शंघाई एलएनजी टैंकर के तौर पर की है। ओमान तट के पास स्ट्रेट से गुजरते समय इस पर एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ।

हमले के कारण जहाज की बिजली चली गई और हल्की आग भी लगी, जिसे तुरंत बुझा दिया गया। गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और अब तक पर्यावरण पर भी कोई गंभीर असर नहीं पड़ा है। यह टैंकर 27 जुलाई को कतर से एनएनजी लेकर चला था और 31 जुलाई को होर्मुज के पश्चिमी प्रवेश द्वार के पास इसके सिग्नल आने बंद हो गए थे। यह घटना मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक टकरावों का सीधा परिणाम है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनियाभर में कुल एलएनजी आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा ले जाने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है।

भारत-चीन सीमा पर गुलजार हुआ कारोबार

14 हजार फुट की ऊंचाई पर फिर शुरू हुआ लेन-देन, 38 व्यापारियों को मिला परमिट

नई दिल्ली ।

भारत और चीन के बीच छह साल से बंद पड़ा सीमा व्यापार एक बार फिर शुरू हो गया है। सिक्किम में नाथू ला और हिमाचल प्रदेश में शिपकी ला दर्रे के रास्ते यह व्यापार फिर से बहाल हुआ। कोविड-19 महामारी और सीमा संबंधों में आए तनाव के कारण साल 2020 से यह व्यापार बंद था। समुद्र तल से 14,000 फुट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित इन रणनीतिक दर्रों से व्यापार की वापसी दोनों देशों के बीच संबंधों में एक नई सुबह का संकेत है। सिक्किम के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की सचिव कर्मा डी. युत्सो ने बताया कि पूर्वी सिक्किम स्थित नाथू ला में औपचारिक उद्घाटन समारोह में दोनों देशों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। यह मौसमी व्यापार नवंबर तक प्रत्येक सप्ताह सोमवार से गुरुवार के बीच चलेगा। इस साल 38 पंजीकृत व्यापारियों को व्यापार पास जारी किए गए हैं। इस मार्ग से हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, पारंपरिक धार्मिक सामग्री और रेडीमेड परिधान सहित 36 अधिसूचित वस्तुओं का व्यापार होगा। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं, जिसमें भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के साथ-साथ पहली बार महिला आईटीबीपी प्लाटून भी नाथू ला में तैनात की गई है। गौरतलब है कि 1962 के युद्ध के बाद बंद हुआ यह दर्रा 2006 में चार दशक से अधिक समय बाद फिर से खोला गया था, लेकिन 2020 में कोविड-19 महामारी और उसके बाद सीमा पर उपजे तनाव के कारण इसे बंद कर दिया गया था।

पीएनबी की अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण की तत्काल योजना नहीं: बैंक अधिकारी

पूंजी पर्याप्तता अनुपात मजबूत, 20,000 करोड़ से अधिक शुद्ध लाभ का अनुमान

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का अपनी अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण का तत्काल कोई इरादा नहीं है। बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि मजबूत पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) के साथ बैंक का जोर इन कंपनियों की कार्यक्षमता और कारोबार को मजबूत कर उनका मूल्य बढ़ाने पर है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 18 प्रतिशत है, जो नियामक आवश्यकता (11.5 प्रतिशत) से काफी अधिक है और 30 जून, 2026 तक 18.13 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। इस मजबूत स्थिति के कारण, बैंक बाजार से अतिरिक्त धन जुटाने की तत्काल योजना नहीं बना रहा है। पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस और पीएनबी गिल्ट्स जैसी सभी प्रमुख अनुषंगी कंपनियों की पूंजी की स्थिति अच्छी है और उन्हें फिलहाल अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता नहीं है। बैंक इन कंपनियों को और मजबूत कर भविष्य में अधिकतम मूल्य हासिल करने की दिशा में काम कर रहा है।

सावनः शिव भक्ति, श्रद्धा और साधना का पावन पर्व

सुनील कुमार महला

शिव पुराण के अनुसार-शिव परब्रह्म हैं।वे अनादि (जिनका आदि नहीं), अनंत (जिनका अंत नहीं) हैं।सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार–तीनों का मूल कारण वही हैं। कुछ प्रसंगों में तो ब्रह्मा और विष्णु भी शिव से प्रकट हुए बताए गए हैं। शिव निराकार भी हैं और भक्तों के लिए साकार रूप भी धारण करते हैं।शिवलिंग उनके अनंत, निराकार स्वरूप(सगुण और निर्गुण दोनों) का प्रतीक माना गया है। सरल शब्दों में कहें तो शिव ही सृष्टि हैं, शिव ही पालनकर्ता हैं और शिव ही संहारकर्ता हैं।

तीन अगस्त को श्रावण मास का पहला सोमवार है। श्रावण मास भगवान शिव की उपासना/आराधना और व्रत के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।श्रद्धालु व्रत-उपवास, पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, जलाभिषेक तथा कांवड़ यात्रा के माध्यम से भगवान भोलेनाथ के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि सावन/श्रावण मास भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और प्रकृति के अद्भुत समन्वय का प्रतीक है।सावन का महीना प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देता है। वर्षा ऋतु में धरती हर तरफ हरियाली से आच्छादित हो जाती है, नदियाँ और जलस्त्रोत भर जाते हैं तथा कृषि कार्य अपने चरम पर होता है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में इस समय वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्रकृति के सम्मान को विशेष महत्व दिया गया है। यह वह महीना है जब हमारे देश में स्थान-स्थान पर अनेक धार्मिक उत्सवों और मेलों का आयोजन होता है। ये उत्सव, मेले व सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, सहयोग और सांस्कृतिक समरसता को बढ़ावा देते हैं। संयम, सात्विक आहार, आत्मानुशासन और सेवा-भाव जैसे जीवन-मूल्य भी इसी मास की विशेष पहचान है।शिव परम चेतना हैं। संस्कृत में शिव शब्द का अर्थ है- जो कल्याणकारी हैं, मंगलकारी हैं, शुभ हैं, और हितकारी हैं। वास्तव में, शिव शांति और अद्वैत (एकत्व) का स्वरूप हैं। इसीलिए संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है-शिवं शान्तमद्वैतम्।

शिव पुराण के अनुसार-शिव परब्रह्म हैं।वे अनादि (जिनका आदि नहीं), अनंत (जिनका अंत नहीं) हैं।सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार–तीनों का मूल कारण वही हैं। कुछ प्रसंगों में तो ब्रह्मा और विष्णु भी शिव से प्रकट हुए बताए गए हैं। शिव निराकार भी हैं और भक्तों के लिए साकार रूप भी धारण करते हैं।शिवलिंग उनके अनंत, निराकार स्वरूप(सगुण और निर्गुण दोनों) का प्रतीक माना गया है। सरल शब्दों में कहें तो शिव ही सृष्टि हैं, शिव ही पालनकर्ता हैं और शिव ही संहारकर्ता हैं। शिव योग विज्ञान के प्रथम गुरु हैं। ये शिव ही हैं, जिन्होंने सप्तऋषियों को योग का ज्ञान दिया।मान्यता है कि कांतिसरोवर (केदारनाथ के

पास) तट पर शिव ने अपना ज्ञान सप्तऋषियों (सात ऋषियों) को दिया था। सरल शब्दों में कहें तो वे योगेश्वर या यूं कहें कि प्रथम योगी (आदियोगी) हैं, जिन्होंने मानव सभ्यता को योग, ध्यान और आत्म-ज्ञान का मार्ग दिखाया। शिव का अर्थ है-जो नहीं है। अर्थात वह शून्यता जिससे समस्त सृष्टि उत्पन्न होती है। सच तो यह है कि शिव असीम संभावनाओं और पूर्ण चेतना का प्रतीक हैं। शिव पूर्ण मौन, ध्यान और साक्षीभाव के प्रतीक हैं। उनका तांडव जीवन की ऊर्जा और परिवर्तन का प्रतीक है। वे संसार से भागने वाले नहीं, बल्कि संसार में रहते हुए पूर्ण जागरूकता का संदेश देते हैं।शिव केवल एक देवता नहीं, बल्कि चेतना, कल्याण, मौन, योग और आत्मबोध के सर्वोच्च प्रतीक हैं। वे देवों के देव- महादेव हैं।भक्ति परंपरा उन्हें महादेव और परमेश्वर मानती है। वहीं पर योग परंपरा उन्हें आदियोगी मानती है। दार्शनिक परंपरा उन्हें परम चेतना या ब्रह्म का प्रतीक मानती है। शिव स्वयंभू (जो स्वयं प्रकट हुए हों) हैं।

हम सभी यह जानते हैं कि सावन में शिवलिंग पर जल और बेलपत्र चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं, लेकिन यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर सावन मास में ही भगवान शिव का जलाभिषेक क्यों होता है ? तो यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि सावन के महीने में ही समुद्र मंथन हुआ था, जिसमें से महाविनाशकारी हलाहल विष निकला था। कहते हैं कि जब महादेव ने सृष्टि की रक्षा के लिए इस विष को अपने कंठ में धारण किया, तो उनके शरीर का तापमान अत्यधिक बढ़ गया और कंठ नीला पड़ गया और वे नीलकंठ कहलाए। विष की ज्वाला और ताप को शांत करने के लिए सभी देवताओं ने भगवान शिव को जल और औषधियां अर्पित कीं। वास्तव में,सावन की वर्षा और जल चढ़ाने की परंपरा इसी घटना से जुड़ी है ताकि महादेव के शरीर को शीतलता मिले। सावन का महीना रुद्र रूप के उस पक्ष को दशार्ता है जो संहार के बाद पुनर्गठन और नवजीवन लाता है। शास्त्रों के अनुसार, भीषण गर्मी से जब हमारी पृथ्वी तप रही होती है,तो सावन में जब शिवजी जल ग्रहण करते हैं, तो वे प्रसन्न होकर पृथ्वी पर वर्षा के रूप में अपनी कृपा बरसाते हैं।वायु पुराण के अनुसार, सावन के दौरान जल की हर बूंद में रुद्र का अंश माना जाता है, जो प्रकृति का पुनर्जन्म करता है।यह भी मान्यता है कि सावन में भगवान शिव ही सृष्टि का भार संभालते हैं, जैसा कि आषाढ़ शुक्ल एकादशी (देवशयनी एकादशी) को भगवान विष्णु चार महीने के लिए योगनिद्रा (क्षीरसागर) में चले जाते हैं। सावन के महीने में महादेव पृथ्वी लोक के सबसे करीब होते हैं और अपने भक्तों की पुकार तुरंत सुनते हैं। सावन मास में भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित किया जाता है। दरअसल ,बेलपत्र का त्रिकोण और वैज्ञानिक पहलू है। बेलपत्र के तीन पत्ते शिवजी के तीन नेत्रों, तीन गुणों (सत्व, रज, तम) और त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) का प्रतीक हैं। बेलपत्र में प्राकृतिक रूप से विषैले तत्वों को सोखने और शीतलता प्रदान करने के गुण होते हैं। यही कारण है कि विष के प्रभाव को कम करने के लिए जल के साथ-साथ बेलपत्र भी अर्पित किया गया था। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि लोग सावन के सोमवार को केवल एक वार मानकर व्रत रखते हैं, लेकिन सोम का अर्थ इससे कहीं अधिक व्यापक है। सोम का मतलब है चन्द्रमा और हम सभी जानते हैं कि भगवान शिव के मस्तक पर चंद्रमा विराजमान हैं, जो मन की शांति और शीतलता का प्रतीक हैं।सावन मास में कांवड़ यात्रा का भी विशेष महत्व माना गया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि पहली कांवड़ यात्रा भगवान परशुराम जी ने की थी। उन्होंने पहली बार कांवड़ में गंगाजल लाकर भगवान शिवजी का अभिषेक किया था। एक अन्य कथा के अनुसार, लंकापति रावण (जो शिवजी का महान भक्त था) ने समुद्र मंथन के विष से पीड़ित शिवजी को राहत देने के लिए पुरा महादेव (गढ़मुक्तेश्वर/बागपत) में कांवड़ से गंगाजल लाकर चढ़ाया था।

अंत में यही कहूंगा कि सावन केवल धार्मिक रीती-रिवाजों का महीना नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, भक्ति और स्वयं के भीतर की ऊर्जा को संतुलित करने का एक सूक्ष्म आध्यात्मिक विज्ञान है।सावन का महीना आत्मशुद्धि, संयम, प्रकृति-प्रेम और लोककल्याण का भी संदेश देता है। सावन हमें सिखाता है कि शिव की भक्ति का वास्तविक अर्थ सत्य, करुणा, सेवा, धैर्य और आत्मसंयम को जीवन में अपनाना है। यदि हम इन मूल्यों को अपने आचरण का हिस्सा बना लें, तो यही सावन का सबसे बड़ा फल और भगवान शिव के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी।

संपादकीय

टूट रहीं संसदीय मर्यादाएं

भारी हंगामे और तीखी नोंकझोंक के बीच लोकसभा में एंटी पेपरलीक संशोधन बिल ध्वनि-मत से पारित करना पड़ा। इस बिल पर 45 सांसदों ने, 10 से ज्यादा घंटे की बहस के दौरान, अपनी बात रखी और संशोधन भी पेश किए, लेकिन बिल पर मत-विभाजन तक नहीं कराया गया। यह लोकतंत्र की सूक्ष्म एवं महत्वपूर्ण अनिवार्यता है। बिल ह्यहांह्ल अथवा ह्यनाह्ल के शोर में पारित नहीं कराया जाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य और विडंबना है कि आज भी यही संसदीय व्यवस्था है। उम्मीद थी कि संसद का मानसून सत्र हंगामाखेज होगा, क्योंकि पेपरलीक के अलावा, राम मंदिर में चंदा-चढ़ावा चोरी, ई-20 एथेनॉल विवाद, परिसीमन, दलबदल सरीखे मुद्दे जन-सरोकार, लोकतांत्रिक शुचिता और आम आदमी की आस्था से जुड़े थे। यह भी अपेक्षा की जा रही थी कि जन-सरोकार के इन मुद्दों पर संसद में सार्थक, संरचनात्मक चर्चा होगी, लेकिन पेपरलीक से जुड़े बिल पर ही हमारे सांसदों की क्षुद्र और विरोधाभासी राजनीति बेनकाब हो गई। इसमें सत्ता-पक्ष के सांसद भी दूध के धुले हुए नहीं हैं। ऐसे एक सांसद ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री दिवंगत जवाहर लाल नेहरू पर ऐसी अभद्र और अश्लील टिप्पणी की, जिसे हम नैतिक रूप से लिखने के भी पक्षधर नहीं हैं। यह न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि संसदीय आचरण और बहस को गर्त में ले जाने वाला भी है। दूसरी ओर, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने, साक्ष्य और प्रमाणित किए बिना ही, बोल दिया कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन और बर्बर लाठीचार्ज का आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया था। देश के ह्यतथाकथितह्ल गृहमंत्री युवा, छात्र आंदोलन के बाद कांप रहे थे और वह डरे हुए हैं, लिहाजा सदन में मौजूद नहीं हैं। नेता प्रतिपक्ष को ऐसे आरोपों और शब्दों का प्रयोग करने की जरूरत ही क्या थी? यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन और प्रदर्शन के वक्त गोलीबारी और घातक लाठीचार्ज का अंतिम निर्णय गृहमंत्री या प्रधानमंत्री लेते हैं। ऐसी संसदीय अज्ञानता पर हम क्या टिप्पणी करें? ऐसे आदेश मौके पर मौजूद मजिस्ट्रेट (डीएम या एसडीएम) ही दे सकते हैं। आपात स्थितियों में पुलिस के डीसीपी या एसीपी को भी मजिस्ट्रेट की शक्तियां प्रदान की जाती हैं। अब यह कैसी संसदीय मयार्दा और विरोधाभास है कि विपक्ष मानता है कि आंदोलित युवाओं पर कीलदार लाठियों से हमले किए गए और पैलेट गन भी चलाई गई, लेकिन बिल पर बहस का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री दफ्तर में राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पैलेट गोलीबारी से साफ इंकार किया है। अलबत्ता आंसू गैस के गोले दागने को जरूर स्वीकार किया है।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें।

कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना।

लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

जेन-जी आंदोलन का असर न्यायपालिका पर?

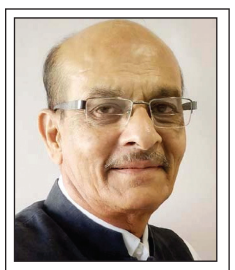

सनत जैन

जंतर मंतर पर हुए जेन-जी आंदोलन का असर पहले जेन-अल्फा पर देखने को मिला है। इसके बाद बाद जिस तरह से न्यायपालिका के बारे में युवा मुखर होकर अपनी बात सोशल मीडिया पर कहने लगे हैं, उससे अंदेशा है कि न्यायपालिका भी निशाने पर आ गई है। कॉकरोच शब्द पहली बार सुप्रीम कोर्ट के अंदर से ही निकला था। यह मामला इतना बड़ा हो जाएगा, इसे ना तो सरकार ने सोचा था ना ही न्यायपालिका ने सोचा था, लेकिन जिस तरह से बिना किसी डर और भय के सोशल मीडिया के माध्यम से युवा अपनी बात कह रहे हैं। इसका असर देश के सभी वर्गों पर पढ़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जवल भुइयां द्वारा न्यायपालिका में कॉलेजियम की कार्यप्रणाली को लेकर तीखे सवाल किए गए हैं। उसके बाद से यह मामला भी तूल पकड़ने लगा है। सुप्रीम कोर्ट अथवा न्यायपालिका में कॉलेजियम द्वारा पहले जजों की नियुक्ति के समय जो अनुशंसा की जाती थीं, उसके कारण भी कॉलेजियम में बताए जाते थे। लेकिन पिछले कुछ समय से कॉलेजियम में जो अनुशंसा की जा रही है उनमें चयन का आधार और उसके कारणों की स्पष्टता नहीं होने से सरकार और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा जो निर्णय जजों की नियुक्ति के लिए लिए जा रहे हैं उनकी पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सुप्रीम कोर्ट में ही सवाल उठने शुरू हो गए हैं। पिछले कुछ समय से सरकार कॉलेजियम की अनुशंसा को दरकिनार करते हुए मनमाने तरीके से जजों की नियुक्ति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कर रही है। कई जजों की वरिष्ठता को नजर अंदाज करते हुए तथा ट्रांसफर पोस्टिंग के माध्यम से जजों को सीनियर से जूनियर बनाने और अपने इच्छित व्यक्ति को जज बनाने के लिए कॉलेजियम और सरकार के बीच में जो सांठ-गांठ हो रही है उसके बारे में अब सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जज भी खुलकर बोलने लगे हैं। कॉलेजियम में शामिल जजों द्वारा जो डीसेंट नोट दिया जाता था उसे भी सार्वजनिक नहीं किए जाने पर जस्टिस नागरत्ना द्वारा आपत्ति जताई गई थी, लेकिन उनकी आपत्ति को दरकिनार करते हुए जजों की नियुक्ति मनमाने तरीके से हो रही है। इसको लेकर अब सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जजों के बीच में जिस तरह की मुखरता के साथ अपनी बात कही जा रही है न्यायपालिका में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर अब खुद न्यायपालिका के अंदर से आवाज उठ रही है।

न्यायपालिका का जो डर और भय था लगता है जेन-जी और जेन-अल्फा द्वारा बिना किसी डर और भय के जिस तरह से सड़कों पर आकर अपनी बात कही जा रही है उसने सभी वर्गों का डर और भय निकालने का काम किया है। देशभर में चारों ओर से निष्पक्षता की बात होने लगी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में दो तरह के फैसले और दो तरह के कानून को लेकर जो धारणा बनी है उसको लेकर अब देश भर में न्यायपालिका के प्रति भी आक्रोश देखने को मिलने लगा है। न्यायपालिका के प्रति पहले जो विश्वास राजनीतिक दलों और आम जनता के बीच में देखने को मिलता था अब वह देखने को नहीं मिल रहा है। सरकार भी बार-बार कहती है, यदि सरकार का फैसला पसंद नहीं है तो कोर्ट चले जाओ, कोर्ट से वही फैसला आता है जो सरकार का बचाव करता है। कई राज्य सरकारों को केवल इसलिए गिरा दिया गया कि उनका फैसला समय पर नहीं हुआ। कई मामले आज भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित पड़े हुए हैं। जो मौलिक अधिकारों और संविधान से जुड़े हुए थे, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर भी मामला पिछले 2 साल से लंबित पड़ा हुआ है। एसआईआर के मामले में भी चुनाव आयोग को न्यायपालिका का जो सर्वेक्षण मिला है, उसको लेकर तरह-तरह की धारणा न्यायपालिका के प्रति आमजनों के बीच भी बनने लगी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह कहना की लाखों मतदाताओं के नाम यदि मतदाता सूची में नहीं है वह इस बार वोट नहीं दे पा रहे हैं, तो ट्रिब्यूनल से फैसला होने के बाद अगली बार वोट दे देंगे। अभी तक एसआईआर के माध्यम से लोकसभा चुनाव के समय जो मतदाता सूची थी उसमें से करीब 6 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा चुके हैं। लंबे समय तक सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चलने के बाद संवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अधिकार नागरिकों को मिला हुआ था, उससे वह वंचित कर दिए गए। बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर जिस तरह की गड़बड़ी के आरोप चुनाव आयोग के ऊपर लगे, पूर्व की चुनाव व्यवस्था को बदलते हुए मनमाने तरीके से चुनाव आयोग ने नए-नए नियम बनाए, नए-नए सॉफ्टवेयर का उपयोग किया। इस सब की जानकारी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से छुपाई गई। इस सारी गड़बड़ी में कहीं ना कहीं न्यायपालिका की भी अप्रत्यक्ष रूप से सहायता चुनाव आयोग को मिलती रही है। लेकिन चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर जो

याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित थे उसमें अभी तक कोई फैसला नहीं आया। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव के बाद जिस तरह की गड़बड़ी के आरोप नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगाए थे उनमें से किसी एक का जवाब भी चुनाव आयोग ने नहीं दिया। चुनाव आयोग की मनमानी को लेकर लगातार राजनीतिक दल आवाज उठाते रहे हैं। बहरहाल जिस तरह से न्यायपालिका के पूर्व जजों और न्यायपालिका के वर्तमान जजों द्वारा कॉलेजियम और सरकार को आईना दिखाया जा रहा है, तुरंत इस पर पारिदर्शिता के साथ कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। यही कहा जा सकता है।

चंदा चोरी पर घिर रही थी भाजपा, विपक्ष ने भगवा लाकर खुद के पैर पर मार ली कुल्हाड़ी

दिलीप कुमार पाठक

राजनीति में एक बहुत पुरानी कहावत है कि जब आपका विरोधी खुद गलती कर रहा हो, तो उसके रास्ते में कभी नहीं आना चाहिए। लेकिन विपक्ष के सलाहकारों को शायद यह बुनियादी बात समझ नहीं आती। वे अक्सर विरोधी के पैर पर कुल्हाड़ी मारने का इंतजार नहीं करते, बल्कि खुद ही कुल्हाड़ी उठाकर अपने पैर पर मार लेते हैं। शुक्रवार की घटना को ही देख लीजिए। एक तरफ चंदा चोरी के मुद्दे पर सत्ता पक्ष पूरी तरह बैकफुट पर था। जनता के बीच गंभीर सवाल तैर रहे थे और सरकार के पास कोई साफ जवाब नहीं था। यह एक ऐसा बना-बनाया मुद्दा था, जिसे विपक्ष आसानी से अपने पक्ष में भुना सकता था। लेकिन ठीक इसी मोड़ पर विपक्ष के किसी परम ज्ञानी रणनीतिकार ने अपना दिमाग चलाया। उन्होंने चंदा चोरी के एक ड्रामे में भगवा कपड़े पहने एक संत को चोर के रूप में पेश कर दिया। नतीजा क्या हुआ? जो मुद्दा भ्रष्टाचार, पारदर्शिता और जनता की गाढ़ी कमाई की लूट का था, वह पलक झपकते ही बदल गया। अब वह सनातन के अपमान का नैरेटिव बन गया । अब उल्टा विपक्ष हाथ जोड़कर यह सफाई दे रहा है कि उनका उद्देश्य किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाना नहीं था।

यह पहली बार नहीं है जब विपक्ष ने अपनी ही टीम के खिलाफ आत्मघाती गोल किया हो। असल समस्या यह है कि विपक्ष के रणनीतिकारों को जमीन का कोई ज्ञान ही नहीं है। वे वातानुकूलित कमरों में बैठकर सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को ही पूरे देश का मूड मान लेते हैं। उन्हें लगता है कि आम जनता उनके बारीक कटाक्ष और प्रतीकों को उसी तरह समझेगी जैसे कोई बुद्धिजीवी समझता है। सच तो यह है कि आज देश के लोग इस तरह के व्यंग्य समझने के मूड में बिलकुल नहीं हैं। राजनीति हमेशा एक नैरेटिव से चलती है। लेकिन विपक्ष हर बार उसी पिच पर खेलने चला जाता है जिसे भाजपा ने उनके लिए तैयार किया है। विपक्ष को यह बात गाँठ बाँध लेनी चाहिए कि वे हिंदुत्व की पिच पर भाजपा का मुकाबला कभी नहीं कर सकते। वह उनकी अपनी पिच है और वहां उनका मुकाबला करने का मतलब है सीधे क्लीन बोल्ड होना। विपक्ष के पास मुद्दों की कभी कोई कमी नहीं रही, लेकिन अपनी रणनीतिक कमियों के कारण उन्होंने हमेशा बड़े मौके गँवाए हैं। जब भी देश में बेरोजगारी, महंगाई या पेपर लीक जैसे युवा और आम जनता से जुड़े मुद्दे गर्म होते हैं, विपक्ष सरकार को घेरने के बजाय किसी सांस्कृतिक या धार्मिक विवाद में कूद पड़ता है। जब जनता महंगाई से त्रस्त होती है, तब विपक्ष के कुछ नेता संसद से लेकर सड़क तक भगवान, धर्मग्रंथों या आस्था से जुड़ी चीजों पर ऐसी टिप्पणियां कर देते हैं जिससे पूरी बहस का रुख ही मुड़ जाता है। नतीजा यह होता है कि जो जनता सुबह सरकार की आर्थिक नीतियों से नाराज थी, वह शाम तक अपनी आस्था के बचाव में खड़ी हो जाती है। जहां आपको सरकार की जवाबदेही तय करनी थी, वहां आपने पूरी बहुसंख्यक आबादी को ही रक्षात्मक मुद्रा में लाकर अपने खिलाफ खड़ा कर लिया।

विपक्ष को अब यह तय करना होगा कि उन्हें राजनीति करनी है या समाज सुधारक बनना है। आप एक साथ दोनों नावों पर सवारी नहीं कर सकते। जनता आज नौकरी, सड़क, पानी, अस्पताल और अपने बच्चों के भविष्य पर बात करना चाहती है। जब आप इन असली मुद्दों को छोड़कर धर्म या प्रतीकों की लड़ाई में उलझते हैं, तो आप सीधे तौर पर अपने विरोधी की मदद कर रहे होते हैं। राजनीति में टाइमिंग और लहजा ही सब कुछ होता है। यदि आपके पास सही मुद्दा है लेकिन आपका लहजा गलत है, तो वह मुद्दा पूरी तरह बेकार हो जाता है। अब समय आ गया है कि विपक्ष उन सलाहकारों को बाहर का रास्ता दिखाए जो जमीन से पूरी तरह कटे हुए हैं। राजनीति में जीतने के लिए जनता की नब्ज को पहचानना पड़ता है। अगर इतनी सी भी समझ नहीं है, तो बेहतर होगा कि वे आम जनता या अपने जमीनी कार्यकताओं से ही सलाह ले लें, जो उन्हें सही रास्ता दिखा सकें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन पर रूस का भीषण हमला : कीव पर बरसाई मिसाइलें और ड्रोन, तीन की मौत

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शुक्रवार रात से शनिवार तड़के तक बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से बड़ा हमला किया। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने टेलीग्राम पर बताया कि सोलोमियान्स्की जिले में पांच मंजिला एक रिहायशी इमारत मलबा गिरने से क्षतिग्रस्त हो गई। इमारत के भीतर कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। वहीं, इमारत के आंगन में आग भी लग गई। क्लिचको ने बताया कि शेवचेंकिव्स्की जिले की एक अन्य रिहायशी इमारत की पहली और दूसरी मंजिल का हिस्सा ढह गया। यहां भी लोगों के फंसे होने की सूचना है। उन्होंने बताया कि राजधानी के डारनित्स्की जिले में गोदामों में भी आग लग गई है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब दो दिन पहले ही रूस ने पूरे यूक्रेन में बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से बड़े पैमाने पर हमला किया था। उस हमले में 10 नागरिकों की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग घायल हुए थे। वहीं, रूस की एक मिसाइल पड़ोसी पोलैंड के हवाई क्षेत्र में भी प्रवेश कर गई थी।

एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए पीएम मोदी को न्योता देगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा है कि वह 2027 में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए भारत को न्योता भेजेगा। पाकिस्तान का कहना है कि शिखर सम्मेलन के मेजबान के तौर पर सभी सदस्य देशों को न्योता देना उसकी जिम्मेदारी है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने बृहस्पतिवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि क्या 2027 के एससीओ समिट के मेजबान के नाते पाकिस्तान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समिट के लिए न्योता दिया जाएगा। अंद्राबी ने कहा, हां, शंघाई सहयोग संगठन के सभी सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष या सरकार प्रमुख को न्योता दिया जाएगा, अगर वे सरकार प्रमुख के स्तर पर शामिल होना चाहें। न्योता भेजा जाएगा क्योंकि मेजबान के तौर पर यह पाकिस्तान की जिम्मेदारी है। हम समिट मीटिंग के लिए सभी राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों को न्योता देंगे। एससीओ की शिखर बैठकराष्ट्रपति स्तर पर होती है। एससीओ समिट और सरकार के प्रमुखों की बैठकों में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री बारी-बारी से हिस्सा लेते हैं।

10 मेंबर्स के साथ ब्रॉड पीक पर चढ़ाई कर रहे थे ; 4 शव बरामद, रेस्क्यू जारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा पाकिस्तान में हिमस्खलन यानी एवलांच की चपेट में आने के बाद लापता हो गए हैं। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान के अनुसार, काराकोरम इलाके में 8,051 मीटर ऊंचे ब्रॉड पीक पर चढ़ाई के दौरान करीब 7,000 मीटर की ऊंचाई पर यह हादसा हुआ। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, पुर्जा के साथ 9 मेंबर थे। शिखर पर चढ़ने की कोशिश के दौरान बर्फीले तूफान ने 10 सदस्यीय टीम को अपनी चपेट में ले लिया। लापता होने वालों में नेपाल के 6, पाकिस्तान, ओमान, अमेरिका और चीन का एक-एक पर्वतारोही शामिल है। इनमें से 4 के शव बरामद कर लिए गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, लेकिन खराब मौसम के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है। एवरेस्ट क्रॉनिकल की रिपोर्ट के मुताबिक निर्मल पुर्जा के जीपीएस ट्रैकर में हल्की हलचल देखी गई है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि यह तकनीकी खराबी भी हो सकती है। ट्रैकिंग डेटा के अनुसार गुरुवार सुबह 9:38 बजे पुर्जा 6,659 मीटर की ऊंचाई पर थे। इसके बाद सुबह 10:18 बजे 800 मीटर की तेजी से गिरावट दर्ज की गई, जो एवलांच के समय से मेल खाती है। नेपाल पर्वतारोहण संघ के पूर्व अध्यक्ष आंग शेरिंग शेरपा ने बताया कि खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर पहाड़ी इलाके में उतर नहीं पा रहे हैं, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित हुआ है। नेपाल के संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि वे पाकिस्तान में स्थित नेपाली दूतावास के जरिए पाकिस्तानी सरकार के साथ लगातार संपर्क में हैं। और पर्वतारोहियों की सुरक्षित वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान के उपाध्यक्ष करार हैदरी ने बताया कि हिमस्खलन के बाद से पूरी टीम से संपर्क टूट गया है। क्लब ने कहा कि वे सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर हर संभव संसाधन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश में 3 महीनों में 74 लोगों की हत्या, कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अप्रैल से जून 2026 के बीच हिंसा और कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर मानवाधिकार संगठन अधिकार की ताजा रिपोर्ट ने गंभीर चिंताएं जताई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस तीन महीने की अवधि में भीड़ हिंसा और राजनीतिक संघर्षों में कुल 74 लोगों की मौत हुई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए। संगठन का कहना है कि भीड़ द्वारा की गई अधिकांश हत्याएं चोरी, डकैती या धार्मिक भावनाएं आहत करने के संदेह में की गईं, जो न्याय व्यवस्था पर लोगों के घटते भरोसे की ओर संकेत करती हैं।

रिपोर्ट में राजनीतिक दलों के भीतर गुटबाजी, जबरन वसूली और क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर बढ़ते संघर्षों का भी उल्लेख किया गया है। इसके अलावा महिलाओं के खिलाफ अपराध, कथित न्यायेतर हत्याएं, जेलों में क्षमता से दोगुने कैदियों की मौजूदगी और पत्रकारों पर हमलों को भी प्रमुख मुद्दों के रूप में सामने रखा गया है। मानवाधिकार संगठन ने सरकार से स्वतंत्र जांच, जवाबदेही तय करने और कानून के शासन को मजबूत करने की मांग की है ताकि हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघनों की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

भीड़ हिंसा पर गंभीर चिंता : रिपोर्ट के मुताबिक, भीड़ द्वारा मारे गए अधिकांश लोगों पर चोरी या डकैती का संदेह था। कुछ लोगों की हत्या गांवों में होने वाली अनौपचारिक पंचायतों (सलिश) के दौरान या धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में की गई। संगठन ने कहा कि यह स्थिति कानून व्यवस्था और न्याय प्रणाली पर लोगों के घटते भरोसे को दर्शाती है, जिसके कारण लोग खुद कानून हाथ में ले रहे हैं।

राजनीतिक गुटबाजी बनी वजह : वहीं रिपोर्ट में आगे बताया गया कि इस अवधि में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के भीतर आपसी संघर्ष की 57 घटनाएं दर्ज हुईं, जबकि नेशनल सिटिज़न पार्टी (एनसीपी) में दो घटनाएं सामने आईं। बीएनपी की अंदरूनी गुटबाजी में चार लोगों की मौत हुई और 400 लोग घायल हुए, जबकि एनसीपी के आंतरिक संघर्ष में 16 लोग घायल हुए। बीएनपी के भीतर विवाद जबरन वसूली, क्षेत्रीय वर्चस्व, खुदाई की मिट्टी की बिक्री, स्थानीय चुनाव टिकट, पार्टी सम्मेलन और राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर थे। कई घटनाओं में आग्नेयास्त्र और अन्य घातक हथियारों का इस्तेमाल भी किया गया।

तीन महीने में 74 मौतें : मानवाधिकार संगठन ने आरोप लगाया कि बीएनपी के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं पर जबरन वसूली, जमीन कब्जाने, अपहरण, दुष्कर्म, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी कार्यालयों पर हमले, पुलिस के काम में बाधा डालने और राजनीतिक विरोधियों पर हमले जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। बांग्लादेश के मानवाधिकार संगठन 'अधिकार' की तिमाही रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल-जून 2026 के दौरान भीड़ हिंसा और राजनीतिक संघर्षों में 74 लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट में महिलाओं के खिलाफ अपराध, जेलों में भीड़भाड़ और पत्रकारों पर हमलों को भी गंभीर चिंता का विषय बताया गया। रिपोर्ट में महिलाओं के खिलाफ अपराध पर भी चिंता जताई गई है। अप्रैल-जून के दौरान 255 दुष्कर्म पीड़ितों का रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जिनमें 93 महिलाएं और 161 लड़कियां शामिल थीं। संगठन ने कहा कि डीएनए जांच की सीमित सुविधा, मेडिकल रिपोर्ट में देरी, पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा का अभाव तथा अदालतों में लंबित मामलों के कारण दुष्कर्म पीड़ितों को समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा है। बता दें कि रिपोर्ट में सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कथित तीन न्यायेतर हत्याओं (एक्स्ट्रा ज्यूडिशियल किलिंग) का भी उल्लेख किया गया है। इनमें एक व्यक्ति की कथित तौर पर डिटेक्टिव ब्रांच की हिरासत में यातना से मौत, एक व्यक्ति की मादक पदार्थ नियंत्रण विभाग की कार्रवाई के दौरान पिटाई से मौत और एक मछुआरे की वन विभाग की गश्ती टीम द्वारा गोली मारकर हत्या शामिल है। रिपोर्ट में दी गई जानकारी के अनुसार, 17 मई तक बांग्लादेश की 75 जेलों में उनकी क्षमता 43,157 के मुकाबले 85,000 से अधिक कैदी बंद थे। इस दौरान बीमारी के कारण 16 कैदियों की मौत हुई। संगठन ने जेलों में भीड़भाड़, अपर्याप्त भोजन और डॉक्टरों की कमी को गंभीर समस्या बताया। मानवाधिकार संगठन ने यह भी कहा कि इस अवधि में पत्रकारों पर हमलों की कई घटनाएं हुईं। 17 पत्रकार घायल, पांच के साथ मारपीट, चार पर हमले और सात को धमकियां दी गईं।

स्यूटा माइग्रेशन संकट: इटली के बाद फ्रांस ने भी स्पेन के साथ बॉर्डर कंट्रोल किया सख्त

पेरिस , एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि मोरक्को के उत्तर में स्थित स्पेनिश इलाके स्यूटा में बड़ी संख्या में माइग्रेंट्स आने के बाद फ्रांस ने स्पेन के साथ सीमा नियंत्रण बढ़ा दिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सेउटा में शेंगेन क्षेत्र की तरह मुक्त आवागमन की सुविधा नहीं है। हालांकि, मैंने कल गृह मंत्री से कहा था कि यदि जरूरत पड़ी तो स्पेन से लगी हमारी सीमा पर नियंत्रण और कड़ा किया जाए। इसके लिए चार मोबाइल पुलिस इकाइयां, एक विमान और ड्रोन तैनात किए गए हैं।' स्यूटा के स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, हाल के दिनों में करीब 60,000 माइग्रेंट्स जमीन और समुद्र के रास्ते से गैर-कानूनी तरीके से स्यूटा में घुसे हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने स्पैनिश डेली एल पेस के हवाले से बताया कि तैरकर इलाके में पहुंचने की कोशिश करते समय 57 माइग्रेंट्स की मौत हो गई।

स्पेनिश सरकार ने बताया कि शुक्रवार दोपहर तक, करीब 48,000 माइग्रेंट्स मोरक्को लौटने के लिए स्पैनिश इलाके को छोड़ चुके थे।

इस बीच, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शुक्रवार शाम को कहा कि रोम इटली की सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के लिए असाधारण कदम उठाने के लिए तैयार है। पीएम मेलोनी के इस फैसले में स्पेन के साथ शेंगेन एरिया को सस्पेंड करना भी शामिल है।

पीएम मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा बयान में जोर देकर कहा, 'स्यूटा से आ रही तस्वीरें हैरान करने वाली हैं और एक बार फिर दिखाती हैं कि बिना कंट्रोल वाला गैर-कानूनी इमिग्रेशन यूरोप के बॉर्डर की सुरक्षा के लिए एक पक्का खतरा है। मैंने गृह मंत्री माटेओ पियांटेडोसी से बात की है। इटली चुपचाप खड़ा होकर नहीं देखेगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम संबंधित विभाग को बुला रहे हैं, और इन बैठकों के बाद हम सीमा की रक्षा और नागरिकों की सुरक्षा के लिए खास कदम उठाने के लिए तैयार हैं, जिसमें स्पेन के साथ शेंगेन एरिया को सस्पेंड करना भी शामिल है। गैर-कानूनी इमिग्रेशन पर हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे। सीमा की रक्षा करना, मानव तस्करी को रोकना और प्रभावी तरीके से लोगों को वापस लाना इस सरकार की लाइन बनी रहेगी।

इटली के डिप्टी पीएम एंटोनियो तजानी ने भी ऐसी ही अपील की। तजानी ने स्पेन सरकार के 500,000 से ज्यादा अनियमित इमिग्रेंट्स को स्पैनिश और यूरोपीय नागरिकता देने के फैसले को बहुत गलत बताया और स्पेन के लिए शेंगेन एरिया बंद करने का सपोर्ट किया।

उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मैं स्पेन के लिए शेंगेन एरिया बंद करने के पक्ष में हूं, और मुझे मंत्री पियांटेडोसी पर पूरा भरोसा है। अनियमित और अनियंत्रित इमिग्रेशन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। सेउटा से आ रही तस्वीरें दिखाती हैं कि मैड्रिड सरकार का 500,000 से ज्यादा अनियमित इमिग्रेंट्स को स्पेनिश और, इसलिए यूरोपीय नागरिकता देने का फैसला कितना गलत है और मानव तस्करी को बढ़ावा देता है।

मॉस्को के रेस्टोरेंट के बाहर बम धमाका, 3 की मौत, 21 घायल

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को में शनिवार शाम एक निजी कार्यक्रम के दौरान हुए बम धमाके ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। शहर के व्यस्त इलाके में स्थित बाल्जी रसोई रेस्टोरेंट के बाहर हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 अन्य घायल हुए हैं। मृतकों में वह महिला भी शामिल बताई जा रही है, जो कथित तौर पर एक गिफ्ट बॉक्स लेकर रेस्टोरेंट पहुंची थी। यह धमाका मॉस्को के कुद्रिन्स्काया स्क्वायर स्थित रेस्टोरेंट के प्रवेश द्वार के पास हुआ। घटना के समय रेस्टोरेंट आम ग्राहकों के लिए बंद था और वहां एक निजी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा था। यह इलाका मॉस्को के प्रमुख और संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल है। शुरुआती जांच के अनुसार, महिला एक कूरियर की तरह गिफ्ट बॉक्स लेकर वहां पहुंची थी। सुरक्षा गार्ड को पैकेट पर शक हुआ और वह उसकी जांच करने लगा। इसी दौरान अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। जांचकर्ताओं का मानना है कि धमाका रिमोट कंट्रोल से कराया गया हो सकता है। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक विस्फोटक में करीब एक किलोग्राम टीएनटी के बराबर सामग्री थी। इसमें धातु की छोटी-छोटी गोलियां भी शामिल थीं, ताकि विस्फोट के दौरान ज्यादा नुकसान हो सके। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि हमले के पीछे कौन है और इसका उद्देश्य क्या था। जांच एजेंसियां महिला की भूमिका की भी जांच कर रही हैं। आशंका जताई जा रही है कि संभव है कि महिला को खुद इस बात की जानकारी न हो कि जिस पैकेट को वह पहुंचाने आई थी, उसमें विस्फोटक मौजूद था। अधिकारियों का मानना है कि असली निशाना रेस्टोरेंट में चल रहा निजी कार्यक्रम हो सकता है, जिसमें कई विशेष मेहमान शामिल थे। विस्फोट के बाद पूरे इलाके को तुरंत घेर लिया गया। पुलिस, फोरेंसिक विशेषज्ञ और आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचीं। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। अधिकारियों ने मामले की जांच तेज कर दी है। फिलहाल किसी आतंकी संगठन या संदिग्ध व्यक्ति का नाम सामने नहीं आया है। सुरक्षा एजेंसियां घटनास्थल से मिले सबूतों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर धमाके की पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी हैं।

रूस के हमले में 9 की मौत, जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से पैट्रियट मिसाइलें मांगी, बोले- यूक्रेन भेजो, गोदामों में न रखो

कीव (एजेंसी)। रूस के ताजा मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से तुरंत पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के इंटरसेप्टर मिसाइल भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें लोगों की जान बचाने के लिए हैं, इसलिए इन्हें गोदामों में रखने के बजाय यूक्रेन भेजा जाना चाहिए। रूस ने शनिवार रात कीव समेत कई शहरों पर बड़े पैमाने पर हमला किया था। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक हमले में 9 लोगों की मौत हुई, जबकि करीब 40 लोग घायल हुए हैं।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि रूस ने रातभर में 35 मिसाइलें, जिनमें 27 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं, और करीब 185-190 ड्रोन दागे। इनमें से यूक्रेन केवल एक बैलिस्टिक मिसाइल को ही रोक सका, क्योंकि पैट्रियट सिस्टम के लिए इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार लगभग खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोप जानते हैं कि हमें क्या चाहिए। अब केवल राजनीतिक फैसला लेने की जरूरत है। बैलिस्टिक रोधी मिसाइलें लोगों की रक्षा करें, गोदामों में न पड़ी रहें। हर दिन की देरी रूस को हमारे लोगों की जान लेने का एक और मौका देती है।

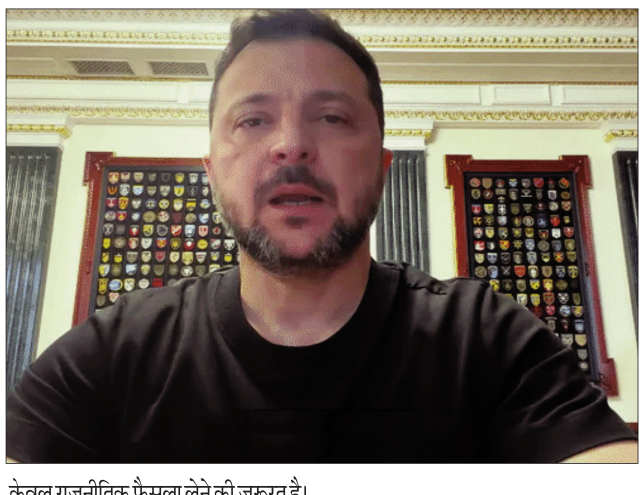

रूस नई रणनीति अपना रहा, नए प्रतिबंध लगाएं

जेलेंस्की ने दावा किया कि रूस अब जेट इंजन से लैस शाहेद ड्रोन का अधिक इस्तेमाल कर रहा है और युद्ध लंबा खिंचने का फायदा उठाकर नई हमलावर रणनीतियां विकसित कर रहा है। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों से रूस के मिसाइल, लॉन्चर और हथियार उद्योग से जुड़े लोगों और कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाने की भी अपील की। साथ ही कहा कि रूस के तेल शोधन और ईंधन क्षेत्र को मिलने वाली मदद रोकना भी जरूरी है, ताकि उसकी युद्ध क्षमता कमजोर हो सके।

सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि हमले में कीव स्थित यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक प्रतिष्ठानों और लॉजिस्टिक्स केंद्रों को निशाना बनाया गया। वहीं यूक्रेन का कहना है कि हमले में रिहायशी इलाके और नागरिक भी प्रभावित हुए। जेलेंस्की ने रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अमेरिका के साथ होने वाली आगामी कूटनीतिक बातचीत की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यूक्रेन को हथियारों और वायु रक्षा प्रणाली को लेकर सहयोगी देशों से ठोस समर्थन मिलेगा।

घरों में लूटपाट, सड़कों पर आगजनी... कैसे सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला पड़ा भारी? प्रवासी हिंसा से दहल उठा स्पेन

मैड्रिड, एजेंसी। यूरोप के देश स्पेन में इस समय युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। उत्तरी अफ्रीका में स्थित स्पेन के स्वायत्त क्षेत्र सेउटा में मोरक्को से लगभग 60,000 अवैध प्रवासियों की भारी भीड़ ने अचानक घुसपैठ कर दी है। समुद्र के रास्ते तैरकर और छोटी नावों के जरिए आए इन प्रवासियों ने सेउटा की सड़कों पर जमकर उत्पाद मचाया है, जिससे समूचे यूरोप में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इस दौरान हुई हिंसा, भगदड़ और समुद्र में डूबने की घटनाओं में अब तक कम से कम 18 लोगों की मौत हो चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने खोली घुसपैठ की राह : इस संकट के पीछे स्पेन की सुप्रीम कोर्ट का एक हालिया कानूनी फैसला मुख्य कारण बताया जा रहा है। दरअसल, कोर्ट ने व्यवस्था दी थी कि समुद्र के रास्ते स्पेन की सीमा में प्रवेश करने वाले प्रवासियों को बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के तुरंत वापस नहीं भेजा जा सकता। इस कानूनी खामी का फायदा उठाकर हजारों की संख्या में युवा और बच्चे समुद्र के रास्ते सेउटा और मेलिला के तटों पर पहुंच गए। सेउटा के राष्ट्रपति जुआन जीसस विवास ने इसे एक बड़ा 'मानवीय और सामाजिक आपातकाल' घोषित किया है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, सेउटा की सड़कों पर अराजकता का माहौल है। भूख से बेहाल प्रवासियों की भीड़ जबरन लोगों के घरों और दुकानों में घुस रही है। कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया और इमारतों की खिड़कियां तोड़कर अंदर दाखिल होने की कोशिश की। स्थिति को संभालने के लिए स्पेन सरकार ने सेना और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए हैं, लेकिन भीड़ इतनी अधिक है कि सुरक्षाकर्मी खुद को बेबस महसूस कर रहे हैं। स्पेन के इस संकट ने पड़ोसी यूरोपीय देशों की भी नींद उड़ा दी है। चूंकि स्पेन यूरोपीय संघ का हिस्सा है, इसलिए वहां से प्रवासियों के अन्य देशों में फैलने का खतरा बढ़ गया है। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने इसे यूरोप की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा बताया है और संकेत दिए हैं।

श्रीलंका ईस्टर धमाकों पर बड़ा फैसला, अदालत ने कौन से बड़े अधिकारियों को ठहराया दोषी?

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका में 2019 के ईस्टर संडे बम धमाकों के मामले में हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने पूर्व पुलिस प्रमुख पुजित जयसुंदरा और रक्षा मंत्रालय के पूर्व शीर्ष अधिकारी हेमासिरी फर्नांडो को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने उन्हें पहले से मिली खुफिया चेतावनियों पर कार्रवाई नहीं करने का दोषी माना। अदालत ने अपने फैसले में क्या कहा और यह मामला फिर कैसे खुला? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं... श्रीलंका के 2019 ईस्टर संडे बम धमाकों के मामले में हाई कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए देश के पूर्व पुलिस प्रमुख पुजित जयसुंदरा और रक्षा मंत्रालय के तत्कालीन शीर्ष नौकरशाह हेमासिरी फर्नांडो को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों को पहले से मिली खुफिया जानकारी पर कार्रवाई नहीं करने और अपने कर्तव्य में आपराधिक लापरवाही बरतने का दोषी ठहराया। अदालत ने कहा कि समय रहते कार्रवाई होती तो इस बड़े हमले को रोका जा सकता था।

ईस्टर संडे हमले में क्या हुआ था : 21 अप्रैल 2019 को ईस्टर संडे के दिन श्रीलंका में चर्चों और लग्जरी होटलों को निशाना बनाकर सिलसिलेवार आत्मघाती बम धमाके किए गए थे। इन हमलों में 279 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 45 विदेशी नागरिक भी शामिल थे। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। यह श्रीलंका के इतिहास के सबसे भीषण आतंकी हमलों में से एक माना जाता है। जांच में सामने आया था कि हमले से पहले भारत की एजेंसियों ने संभावित हमले को लेकर खुफिया सूचना दी थी।

अदालत ने दोनों अधिकारियों को किस आधार पर दोषी माना : हाई कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ में न्यायमूर्ति प्रियंथा लियानागे और न्यायमूर्ति थिलकरत्ने बंडारा ने बहुमत के फैसले में कहा कि खुफिया जानकारी पर लापरवाही बरतने के कारण 268 लोगों की जान गई और 586 लोग घायल हुए। अदालत ने कहा कि तत्कालीन पुलिस प्रमुख पुजित जयसुंदरा नागरिकों की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे। अदालत ने दोनों अधिकारियों को आपराधिक लापरवाही का दोषी मानते हुए मौत की सजा सुनाई। हालांकि, पीठ के तीसरे सदस्य न्यायमूर्ति विराज वीरसूर्या ने असहमति जताते हुए दोनों को बरी करने का मत दिया।

यह मामला दोबारा अदालत तक कैसे पहुंचा : पुजित जयसुंदरा और हेमासिरी फर्नांडो को 2019 में गिरफ्तार किया गया था। दोनों चार महीने तक हिरासत में रहे और बाद में जमानत पर रिहा हुए। नवंबर 2021 में उन पर भारतीय एजेंसियों से मिली खुफिया चेतावनी के बावजूद कार्रवाई नहीं करने के आरोप में अभियोग तय किए गए। हालांकि फरवरी 2022 में हाई कोर्ट ने दोनों को बरी कर दिया था और उनके खिलाफ लगाए गए सभी 855 आरोप खारिज कर दिए थे। बाद में अटॉर्नी जनरल ने इस फैसले को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि पिछली सुनवाई में बचाव पक्ष का कोई गवाह पेश नहीं हुआ था। इसके बाद नवंबर 2024 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मामले की फिर से सुनवाई शुरू हुई।

तत्कालीन सरकार पर क्या आरोप लगे : हमलों के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना की सरकार पर भी गंभीर सवाल उठे थे। आरोप था कि भारत से पहले ही हमले की चेतावनी मिलने के बावजूद सरकार ने समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए। अदालत के फैसले के बाद पुजित जयसुंदरा श्रीलंका पुलिस के 150 से अधिक वर्षों के इतिहास में ऐसे सबसे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बन गए हैं, जिन्हें मुकदमे के बाद मौत की सजा सुनाई गई है।

भारत की नकल कर पाकिस्तान ने बनाई 'कॉकरोच पार्टी'

इस्लामाबाद, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन का असर अब पाकिस्तान में भी दिखने लगा है। भारत के युवाओं के आइडिया को चुराते हुए सोशल मीडिया पर 'कॉकरोच पार्टी पाकिस्तान' नाम से खाता बनाया गया है। यह सोशल मीडिया खाता भ्रष्टाचार, खराब शासन और आर्थिक संकट के मुद्दों को उठा रहा है।

क्या है इस समूह का एजेंडा: इस समूह का कहना है कि उसका एजेंडा आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता, अच्छी शिक्षा, देश के ऊर्जा संकट को हल करना और पानी की कमी की समस्या दूर करना है। इंस्टाग्राम पर इस समूह के खाते पर 1.12 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। आंदोलन का नारा है - पाकिस्तान इसके लोगों का है, भ्रष्ट माफियाओं का नहीं। समूह खुद को युवाओं की ओर से चलाया जा रहा एक ऐसा अभियान बताता है, जो एकता और बदलाव की बात करता है। इंस्टाग्राम पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस खाते को मई में बनाया गया था और इसे कनाडा से चलाया जा रहा है। इसी महीने इसे सत्यापित (वेरिफाइड) भी किया गया है।

क्या राजनीति में उतरने की तैयारी है : कॉकरोच पार्टी पाकिस्तान ने पार्टी के अलग-अलग पदों के लिए आवेदन भी मांगे हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह समूह सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि अपना संगठन खड़ा करने की कोशिश कर रहा है।

घोषणापत्र में समूह ने क्या कहा : हाल ही में जारी किए गए अपने घोषणापत्र में समूह ने कहा कि यह आम पाकिस्तानियों खासकर युवाओं की आवाज है। ये लोग भ्रष्टाचार, परिवारवाद वाली राजनीति और ऐसी व्यवस्था से परेशान हैं, जहां कुछ खास लोगों को ज्यादा लाभ मिलता है। समूह ने पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक सुधारों को बढ़ावा देने का वादा किया है। साथ ही रोजगार बढ़ाने, शिक्षा, शासन व्यवस्था में सुधार और पाकिस्तान के ऊर्जा संकट के समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया है।

क्या राजनीतिक बदलाव ला पाएगा समूह : हालांकि, सोशल मीडिया पर इसकी बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद इस आंदोलन के वास्तविक जनसमर्थन, संगठन की ताकत और ऑनलाइन समर्थन को एक बड़े राजनीतिक प्रभाव में बदलने की क्षमता पर सवाल बने हुए हैं।

पाकिस्तान में क्यों बढ़ रही ऐसी नाराजगी : ऐसे समूहों का सामने आना पाकिस्तान में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और शासन से जुड़ी परेशानियों के प्रति लोगों की नाराजगी को भी दिखाता है। पाकिस्तान की सैन्य-राजनीतिक व्यवस्था के आलोचकों का कहना है कि नागरिक मामलों में बार-बार सैन्य दखल से लोकतांत्रिक संस्थाएं और जवाबदेही कमजोर हुई है।

आलोचकों ने सेना प्रमुख असीम मुनीर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और व्यापक नागरिक-सैन्य व्यवस्था पर आरोप लगाया है कि वे महंगाई, बेरोजगारी, शासन की कमियों और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकाल पाए हैं। उनका कहना है कि इससे सत्ता कुछ मजबूत राजनीतिक और संस्थागत समूहों के हाथों में बनी हुई है। इस समूह के सामने आने के बाद पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी का एक बयान वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहते सुनाई दे रहे हैं- अब एक नौजवान को आप कुछ भी कह सकते हैं, सिर्फ एक नौजवान या फिर कॉकरोच या फिर कुछ और। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर ये कॉकरोच एकजुट हो गए तो ये सबकुछ उलट-पुलट कर देंगे। नवकी ने पाकिस्तान आर्थिक सम्मेलन में कहा, हम वर्तमान में जिस व्यवस्था में रह रहे हैं, वो पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

अब इस व्यवस्था में रहते हुए समाधान की उम्मीद नहीं की जा सकती है। अब जब तक बड़े सुधार नहीं होंगे, पाकिस्तान उन्हीं मुद्दों पर चर्चा करता रह जाएगा, जिस पर वो एक दशक पहले भी चर्चा करता था। उन्होंने आगे कहा, पाकिस्तान के लोग भी ऐसी न्याय व्यवस्था चाहते हैं, जहां उन्हें समान अवसर मिले, जहां उनकी मेहनत का सम्मान हो। नकवी के मुताबिक, पाकिस्तान को अब ऐसी व्यवस्था चाहिए, जहां पर स्थानीय सरकारों को ज्यादा ताकत दी जाए।

शरीर के 7 चक्र क्या हैं और सेहत पर उनका क्या असर पड़ता है?

ऐसा माना जाता है कि अगर ये चक्र सुसुप्त यानी सो रहे हैं तो आपका जीवन भी नीरस है। इसलिए परम आनंद के साथ मोक्ष प्राप्ति के लिए इनको जागृत करना बहुत जरूरी है। जागृत होने के बाद ये चक्र शरीर के साथ मन और आत्मा को किस तरह प्रभावित करते हैं, इसके बारे में इस लेख में हम विस्तार से बात करते हैं।

क्या हैं चक्र

चक्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ पहिया होता है। ये शरीर के अंदर स्थित वे बिंदु हैं, जिनसे शरीर को ऊर्जा मिलती है, ये सात प्रकार के होते हैं। ये विभिन्न अंगों तथा मन एवं बुद्धि के कार्य को सूक्ष्म-ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये व्यक्ति की सूक्ष्मदेह से संबंधित होते हैं। इनको कुंडलिनी चक्र भी कहा जाता है।

मूलाधार चक्र

यह गुदा और लिंग के बीच चार पंखुड़ियों वाला आधार चक्र है। प्राणायाम करके, अपना ध्यान मूलाधार चक्र पर केंद्रित करके मंत्र का उच्चारण करने से यह जागृत होता है। इसका मूल मंत्र 'लं' है। धीरे-धीरे जब यह चक्र जागृत होता है तो व्यक्ति में लालच खत्म हो जाता है और व्यक्ति को आत्मीय ज्ञान प्राप्त होने लगता है। यह लालच को समाप्त करता है।

स्वाधिष्ठान चक्र

मूलाधार चक्र के ऊपर और नाभि के नीचे स्थित होता है, स्वाधिष्ठान चक्र, इसका संबंध जल तत्व से होता है। इस चक्र के जागृत हो जाने पर शारीरिक समस्या और विकार, क्रूरता, आलस्य, अविश्वास आदि दुर्गुणों का नाश होता है। शरीर में कोई भी विकार जल तत्व के ठीक न होने से होता है। इसका मूल मंत्र 'वं' है।

मणिपूर चक्र

यह नाभि से ऊपर होता है। यौगिक क्रियाओं से कुंडलिनी जागरण करने वाले साधक जब ऊर्जा मणिपूर चक्र में जुटा लेते हैं, तो वो कर्मयोगी बन जाते हैं। यह प्रसुप्त पड़ा रहे तो लालच, ईर्ष्या, चुगली, लज्जा, भय से मन प्रभावित होता है। इसके जागृत होने से ये विकृतियां समाप्त हो जाती हैं।

अनाहत चक्र

यह चक्र व्यक्ति के सीने में रहता है। इसको जागृत करने हृदय पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'यं' का उच्चारण करना चाहिए। यह जागृत होते ही बहुत सिद्धियां प्राप्त होती है। यह सोता रहे तो कपट, तनाव, अहं यानी मोह और अहंकार से मनुष्य भरा रहता है।

विशुद्ध चक्र

यह चक्र गले में रहता है। इसे जागृत करने के लिए व्यक्ति को कंठ पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'हं' का उच्चारण करना चाहिए। इसके जागृत होने से व्यक्ति अपनी वाणी को सिद्ध कर सकता है। इस चक्र के जागृत होने से संगीत विद्या सिद्ध होती है, मस्तिष्क अधिक क्रियाशील हो जाता है और सोचने समझने की शक्ति बेहतर हो जाती है।

सहस्त्रार चक्र

सहस्त्रार चक्र व्यक्ति के मष्तिष्क के मध्य भाग में होता है। बहुत कम लोग होते हैं जो इसको जागृत कर पाते हैं, चूंकि इसे जाग्रत करना बहुत मुश्किल काम है। इसको जाग्रत कर व्यक्ति परमानंद प्राप्त करता है और सुख-दुःख का उस पर असर नहीं होता है।

आज्ञा चक्र

आज्ञा चक्र भ्रू मध्य अर्थात दोनों आंखों के बीच में केंद्रित होता है। इस चक्र को जागृत करने के लिए व्यक्ति को मंत्र '' का जाप करना चाहिए। इसके जाग्रत होने से इंसान को आत्म ज्ञान प्राप्त होता है।

रेसिपी

ब्लैक करंट शीर

सामग्री

- बटर/मक्खन: 2 टेबलस्पून
- 1/4 कप सेवईं: 2 टेबलस्पून
- चीनी: 1/2 कप ■ दूध: 3 कप
- किशमिश: 2 टेबलस्पून
- खजूर कटे हुए: 2 टेबलस्पून
- चिरौंजी: 1 टीस्पून ■ इलायची पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ गुलाब जल: 2 टेबलस्पून
- ब्लैककरंट छोटे टुकड़ों कटें (फालसेब) : 1/4 कप
- इलायची पाउडर: एक चुटकी

विधि

सबसे पहले नॉनस्टिक तवे में बटर डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद सेवई डालें और सुनहरा होने तक भून लें। सेवई के सुनहरी होने के बाद दूध डालकर एक से दो उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद चीनी डाल दें, साथ ही साथ ड्राई फ्रूट्स और किशमिश डालकर अच्छे से मिला लें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय बाद खजूर, चिरौंजी, इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर 1 से 2 मिनट तक ढककर पकाएं। अगर शीर खुरमा ज्यादा गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा गर्म पानी मिला लें। तय समय बाद आंच बंद कर लें। तैयार शीर खुरमा को कटोरी में डाल लें। इसमें चुटकीभर इलायची पाउडर और ब्लैककरेंट/फालसेब डालकर अच्छे से मिलाएं और सर्व करें।

दही पराठा

सामग्री

- आटा: 2 कप ■ दही: 1 कप
- पुदीना: एक मुट्ठी ■ हल्दी: 1/4 टीस्पून
- धनियापत्ती: 1/2 मुट्ठी ■ घी: 1/2 कटोरी
- 1 प्याज, बारीक कटा ■ अजवाइन: 1/4 टीस्पून ■ 3 हरी मिर्च बारीक काटी ■ 1/2 छोटी कटोरी दाल ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ पराठा सेंकने के लिए तेल ■ जरूरत के अनुसार पानी

विधि

सबसे पहले पुदीना-धनियापत्ती का धोकर बारीक काट लें। एक बर्तन में आटा लेकर प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और 3-4 चम्मच घी डालकर मिक्स करें। इसमें पुदीना-धनियापत्ती, दही और दाल डालकर आटा तैयार करें। तैयार आटे पर तेल लगाकर 10 मिनट रख दें। फिर से आटे को गूंद लें। एक प्लेट पर पलथन/सूखा आटा रख लें। आटे की बराबर लोइयां काट लें। एक लोई लेकर रोटी जैसे बेल लें। इस पर घी लगाएं और सूखा आटा लगाकर आधा मोड़ दें। इस हिस्से पर भी घी और सूखा आटा छिड़ककर मोड़ दें। इसे पराठे को बेलकर चौड़ा कर लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। इस पर पराठा डालकर दोनों तरफ सेंक लें। तैयार दही पराठा चटनी-अचार के साथ खिलाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 1795

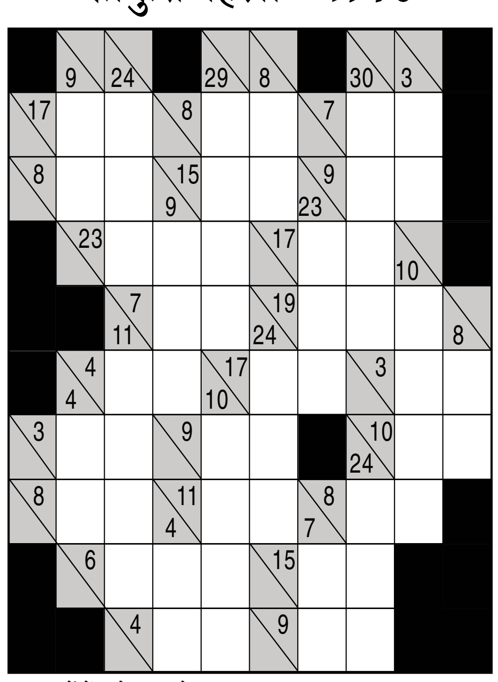

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

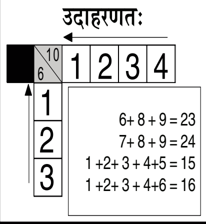

काकुरो - 1794 का हल

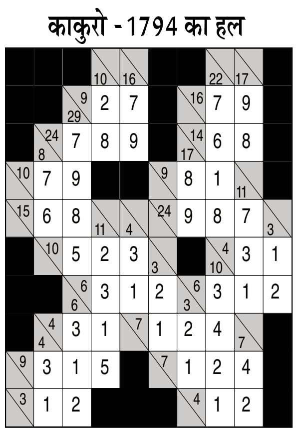

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर ने रमन के सिर पर ड्रेसिंग करने के बाद पट्टी बाँध दी और पूछा कि चोट कैसे लगी है?

रमन- छोड़ो डॉक्टर! लंबी कहानी है।

डॉक्टर- फिर भी सुनना चाहता हूँ।

रमन- बात यह है कि पिछले हफ्ते पत्नी मायके गई हुई थी। मैं भी हवा बदलने रविवार को होटल में जा टिका। मेरे बगल के कमरे में एक खूबसूरत औरत थी। रात ग्यारह बजे उसने दरवाजा खटखटाया और माफी माँगते हुए कहा कि उसे ठंड लग रही है अगर मैं कुछ मदद कर सकूँ तो वह आभारी रहेगी। मैंने एक कम्बल दे दिया। थोड़ी देर बाद वह फिर आ गई और वही शिकायत करने लगी। मैंने उसे अपना ओवरकोट दे दिया।

आज जब मैं हथौड़ी से कील ठोंक रहा था तो अचानक मुझे समझ में आया कि उस दिन वह क्या चाह रही थी और बस, मैंने हथौड़ी अपने सिर पर दे मारी।

□ □ □

अफरीदी (शोएब से)- हम सचिन को सेंचुरी नहीं बनाने देंगे।

शोएब- मगर हम उसे रोकेंगे कैसे? वो तो फॉर्म में है।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1795

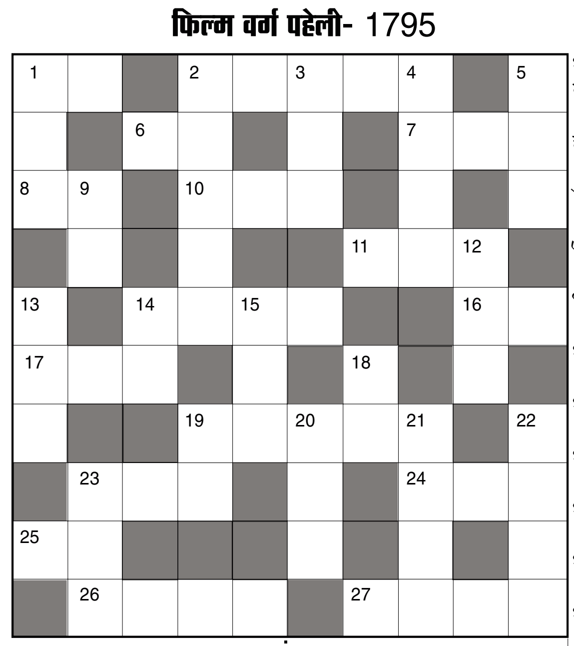

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 1794

सूडोकु -1795

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में १ से ९ तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1794 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 1795

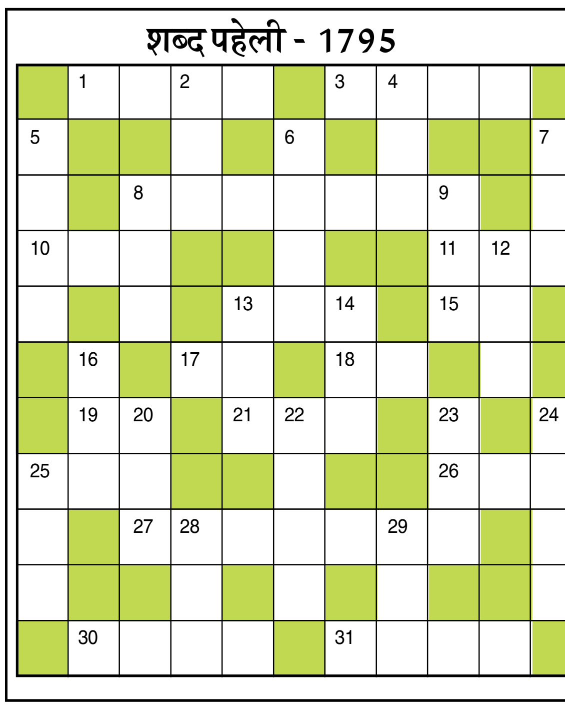

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली - 1794 का हल

भारत की आध्यात्मिक परम्परा से अनेक राष्ट्र प्रभावित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक परम्परा और ज्ञान परम्परा एक ऐसी शक्ति है, जिससे विश्व में अनेक राष्ट्र प्रभावित हैं। यही वजह है कि उत्तराखंड के कैची धाम में बाबा नीब करौरी महाराज के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए अनेक देशों के लोग आते रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात शनिवार देर शाम भोपाल के रवीन्द्र भवन परिसर में बाबा नीब करौरी महाराज की हस्तकला से निर्मित कलात्मक चित्र के अनावरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भी विश्व के विद्वानों के समक्ष भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रमाण प्रस्तुत किए थे। उस दौर में जब भौतिक प्रगति के पैमाने नहीं थे भारत की आध्यात्मिक शक्ति का महत्व रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आध्यात्मिक विभूति बाबा नीब करौरी के संपर्क में जो भी व्यक्ति आए, उनका जीवन परिवर्तित हो गया। वर्ष 1964 में नैनीताल के निकट स्थापित आश्रम में हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान हनुमान के अनन्य उपासक पूज्य नीब करौरी महाराज का जीवन प्रेम, करूणा और निःस्वार्थ सेवा का अद्भुत उदाहरण है। वे मानते थे कि सच्ची श्रद्धा और निष्काम सेवा से जीवन के सभी संकट दूर हो सकते हैं।

एंटीलिया बम मामले में एनआईए कोर्ट ने सचिन वाज़े समेत 10 आरोपितों पर आरोप तय किया

मुंबई। मुंबई की विशेष एनआईए अदालत ने चर्चित एंटीलिया विस्फोटक प्रकरण और व्यवसायी मनसुख हिरेन हत्याकांड में पूर्व मुंबई पुलिस अधिकारी सचिन वाज़े, पूर्व एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा समेत 10 आरोपितों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। सभी आरोपितों ने अदालत में खुद को निर्दोष बताते हुए आरोपों से इनकार किया है। विशेष एनआईए न्यायाधीश चकोर बाविस्कर की अदालत ने आरोप तय करने के बाद मामले की सुनवाई आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। आरोपितों पर भारतीय दंड संहिता (भादंस) की विभिन्न धाराओं, जिनमें हत्या से संबंधित धाराएं भी शामिल हैं, तथा गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मुकदमा चलेगा। उल्लेखनीय है कि यह मामला 25 फरवरी 2021 का है, जब उद्योगपति मुकेश अंबानी के दक्षिण मुंबई स्थित आवास 'एंटीलिया' के बाहर जिलेटिन की छड़ों से भरी एक स्कॉर्पियो कार बरामद हुई थी। इस घटना ने देशभर में सनसनी फैला दी थी। कुछ दिनों बाद वाहन के मालिक व्यवसायी मनसुख हिरेन ने दावा किया कि उनकी गाड़ी चोरी हो गई थी। इसके बाद 5 मार्च 2021 को ठाणे की एक खाड़ी से उनका शव बरामद हुआ, जिसके बाद जांच हत्या के मामले में बदल गई।

आरएमएल अस्पताल में स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से ग्रस्त मरीजों के लिए व्हीलचेयर वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

नई दिल्ली। अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान (एबीवीआईएमएस) एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के शारीरिक आयुर्विज्ञान एवं पुनर्वास विभाग द्वारा सक्षम एक अभियान (गैरसरकारी संस्थान) के सहयोग से शनिवार को स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से ग्रस्त मरीजों के लिए व्हीलचेयर वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से प्रभावित मरीजों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप उपयुक्त गतिशीलता सहायक उपकरण (व्हीलचेयर) उपलब्ध कराकर उनकी गतिशीलता, आत्मनिर्भरता तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना था। इस अवसर पर निदेशक डॉ. (प्रो.) अखिलेश्वरी प्रसाद ने मरीजों के साथ संवाद किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने ऐसे पीयर काउंसलिंग (सहकर्मी परामर्श) सत्रों के नियमित आयोजन पर बल देते हुए कहा कि इससे मरीजों की कार्यात्मक क्षमता में वृद्धि होगी तथा उनके समाज में सफल पुनर्समावेशन को प्रोत्साहन मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के लिए पीयर काउंसलिंग (सहकर्मी परामर्श) सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें अनुभवी प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा कर अन्य मरीजों का मार्गदर्शन एवं मनोबल बढ़ाया। साथ ही, विशेषज्ञों द्वारा व्हीलचेयर के सुरक्षित एवं प्रभावी संचालन तथा उचित उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

19 साल बाद कोलकाता पहुंचीं तसलीमा नसरीन से बोले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी - बार-बार आइए, आपकी सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी

कोलकाता। करीब दो दशक बाद कोलकाता पहुंचीं बांग्लादेश की चर्चित लेखिका तसलीमा नसरीन का रवींद्र सदन में आयोजित एक कविता पाठ कार्यक्रम में स्वागत किया गया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें राज्य में पूर्ण सुरक्षा का भरोसा देते हुए कहा कि वह जब चाहें पश्चिम बंगाल आ सकती हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अब पश्चिम बंगाल संविधान, लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करने वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि यहां सभी को आने और अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि तसलीमा नसरीन का पश्चिम बंगाल आना इस बात का प्रमाण है कि राज्य में लोकतांत्रिक मूल्यों और मौलिक अधिकारों की रक्षा की जा रही है। गौरतलब है कि वर्ष 2007 में तसलीमा नसरीन की आत्मकथात्मक पुस्तक 'द्विखंडित' के प्रकाशन के बाद पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। उस समय वाम मोर्चा सरकार ने पुस्तक पर प्रतिबंध लगा दिया था और कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने के कारण तसलीमा को पश्चिम बंगाल छोड़ना पड़ा था। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भी उनकी वापसी नहीं हो सकी।

तिरंगे को स्वरूप देने वाले पिंगली वेंकैया की जयंती पर सीएम योगी समेत कई मुख्यमंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि

'तिरंगा आज 140 करोड़ देशवासियों के संकल्प, संस्कार और मातृभूमि के प्रति समर्पण का जीवंत प्रतीक है।'

एजेंसी

नई दिल्ली। तिरंगे को स्वरूप देने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया की जयंती है। 2 अगस्त 1876 को आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में जन्मे वेंकैया को उनकी जयंती पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'भारत की आन, बान और शान 'तिरंगे' को स्वरूप देने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पिंगली वेंकैया की जयंती पर

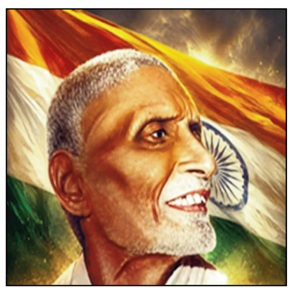

विनम्र श्रद्धांजलि। आपकी दूरदृष्टि और राष्ट्रनिष्ठा का प्रतीक हमारा तिरंगा प्रत्येक भारतीय के हृदय में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना का संचार करता रहेगा।' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट कर लिखा, 'राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के प्रतीक तिरंगे के अभिकल्पक, महान स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। उनकी अनुपम कृति ने भारत की विविधता को एक राष्ट्रभाव में बांधा। तिरंगा आज 140 करोड़ देशवासियों के संकल्प, संस्कार और मातृभूमि के प्रति समर्पण का जीवंत प्रतीक है। '

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'देशभक्त और विद्वान पिंगली वेंकैया को उनकी जयंती पर याद करते हैं। एक जाने-माने स्वतंत्रता सेनानी के तौर पर, उन्होंने हमारे राष्ट्रीय ध्वज के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया और अपना जीवन देश की सेवा में लगा दिया। उनकी विरासत हमें हमेशा देशभक्ति और निस्वार्थ समर्पण की इसी भावना के साथ देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करे। ' उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' के अभिकल्पक पिंगली वेंकैया जी की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन! उनका योगदान हर भारतीय के गर्व और सम्मान का प्रतीक है। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारी राष्ट्रभक्ति, एकता और स्वाभिमान की पहचान है। '

जम्मू से अमरनाथ यात्रा फिर शुरू, 3,886 तीर्थयात्री बालटाल रवाना

एजेंसी

जम्मू। भारी बारिश के कारण रोकी गई अमरनाथ यात्रा मौसम में सुधार होने के बाद जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रविवार को फिलहाल बहाल कर दी गई ह बारिश और मलबा आने से बंद हुए 250 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) को मरम्मत के बाद यातायात के लिए खोल दिया गया है। यात्रियों का नया जत्था कड़े सुरक्षा पहरे और एस्कॉर्ट गाड़ियों के साथ आधार शिविर से रवाना किया गया है। इस बीच यात्रियों की सुविधा के लिए श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने पंजीकरण और टोकन वितरण से जुड़ी ऑफलाइन सेवाएं भगवती नगर बेस कैंप में स्थानांतरित कर दी हैं। अधिकारियों के अनुसार, 3,886 तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ड़के 2:52 बजे 177 वाहनों के साथ भगवती नगर से कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए। इस जत्थे में 3,098 पुरुष, 673 महिलाएं, पांच बच्चे, 87 साधु, 22 साध्वियां और एक बाल साधु शामिल हैं। यह जत्था 78 बसों, 42 मीडियम मोटर वाहनों, 53 हल्के मोटर वाहनों और चार दोपहिया वाहनों के माध्यम से रवाना हुआ है। इससे पहले भूस्खलन प्रभावित हिस्सों की मरम्मत के लिए उधमपुर और बनिहाल के बीच एनएच-44 को बंद करने के बाद शनिवार को तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई थी। मरम्मत के बाद शनिवार शाम हाइवे को फिर से खोल दिया गया। खराब मौसम व मरमत कार्य के चलते बालटाल से एक दिन के लिए यात्रा रोकी गई थी। यह यात्रा शनिवार को दोबारा शुरू हुई।

सीएम मोहन चरण माझी ने आईएफएस अधिकारी संग्राम केशरी बेहरा को सस्पेंड करने का निर्देश दिया

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी ने आईएफएस अधिकारी संग्राम केशरी बेहरा को सस्पेंड करने का निर्देश दिया है। संग्राम केशरी बेहरा इस वक्त ओएफडीसी में डायरेक्टर (कमर्शियल) के पद पर तैनात हैं। आईएफएस अधिकारी संग्राम केशरी बेहरा पहले गजपति में डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (डीएफओ) के पद पर कार्यरत थे, तो उन पर 2021 में परलाखेमुंडी फॉरेस्ट डिवीजन के पूर्व एसीएफ सौम्य रंजन महापात्रा की मौत के मामले में आरोप लगे थे। इस मामले में उनको न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। हाल ही में बेहरा ने असिस्टेंट कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट (एसीएफ) सौम्यरंजन महापात्रा की मौत के मामले में सरेंडर कर दिया था। कोर्ट ने संग्राम केशरी बेहरा की बेल अर्जी खारिज कर दी थी। आईएएनएस से बातचीत करते हुए सरकारी वकील राजेश कुमार ने कहा था, 'पूरा मामला यह था कि 2021 में यहां एक एसीएफ की हत्या कर दी गई थी। 2021 में जिस समय हत्या हुई थी, उस समय यह सनसनीखेज मामला बन गया था। इस मामले में जानकारी सामने आई थी कि तत्कालीन डीएफओ संग्राम केशरी बेहरा के अलावा एसीएफ की पत्नी का भी हाथ है, लेकिन उस वक्त पुलिस को जांच में कोई सबूत हाथ नहीं लगा था। ' सरकारी वकील राजेश कुमार ने बताया था, 'बाद में इस मामले में वकील रजत पात्रा की ओर से प्रोटेस्ट पिटीशन

फाइल किया गया था। फिर पता चला कि इस मामले में कुछ न कुछ सबूत हैं। इसके बाद संग्राम केशरी बेहरा की ओर से कभी हाईकोर्ट तो कभी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में भी एसएलपी खारिज हो गया था। हाईकोर्ट की ओर से एसडीजेएम कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया गया था और संग्राम केशरी बेहरा की बेल खारिज हो गई। वहीं, वकील रजत कुमार पात्रो ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा था, 'संग्राम केशरी बेहरा, जो परलाखेमुंडी के डीएफओ थे, उनके खिलाफ लोअर कोर्ट, एसडीजेएम कोर्ट में सेक्शन 302 और 120बी (मर्डर और क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी) के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोपियों के खिलाफ एनबीडब्ल्यू (नॉन-बेलेबल वारंट) जारी किया गया था और वह पेंडिंग था। '

कालकाजी मंदिर में भोलेनाथ के जलाभिषेक की तैयारियां पूरी, सावन के पहले सोमवार पर विशेष आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पवित्र माना जाता है। इस बार सावन का पहला सोमवार 3 अगस्त को पड़ रहा है। इसे लेकर दिल्ली के प्रसिद्ध कालकाजी मंदिर में विशेष तैयारियां की गई हैं। मंदिर प्रशासन को उम्मीद है कि पहले सोमवार पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक करने पहुंचेंगे। कालकाजी मंदिर के पीठाधीश्वर सुरेंद्रनाथ अवधूत ने बातचीत में बताया कि सावन के पहले सोमवार पर भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूजा की शुरुआत सबसे पहले भगवान गणेश, माता अंबिका, भगवान कार्तिकेय और नंदी महाराज की पूजा से होगी। इसके बाद वैदिक मंत्रों के साथ भगवान शिव का ध्यान कर उनका जलाभिषेक और रुद्राभिषेक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सावन का महीना भगवान शिव को बेहद प्रिय माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान निकले विष को भगवान शिव ने संसार की रक्षा

के लिए अपने कंठ में धारण किया था। विष के प्रभाव से उनके शरीर का ताप बढ़ गया था। तब सभी देवी-देवताओं ने मिलकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया, जिससे उन्हें शीतलता मिली। तभी से सावन में शिवलिंग पर जल चढ़ाने और जलाभिषेक करने की परंपरा चली आ रही है। सुरेंद्रनाथ अवधूत ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता पार्वती ने भी सावन मास में कठोर तप और पूजा करके भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया था। इसी वजह से सावन का महीना शिव-पार्वती की आराधना के लिए बेहद शुभ माना जाता है। इस दौरान सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य की कामना से व्रत रखती हैं, जबकि अविवाहित लड़कियां मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए भगवान शिव की पूजा करती हैं। उन्होंने कहा कि सावन केवल शिव भक्ति का ही नहीं, बल्कि कई प्रमुख त्योहारों का भी महीना है। इसी माह में हरियाली तीज, मंगला गौरी व्रत और रक्षाबंधन जैसे पर्व मनाए जाते हैं। इसके अलावा देशभर से कांवड़िए पवित्र नदियों से गंगाजल लाकर अपने-अपने क्षेत्रों के शिव मंदिरों में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं।

ट्रक ने कांवड़ियों के ट्रैक्टर को मारी टक्कर, 7 घायल, एक गंभीर

ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मारी, जिसके कारण सात लोग घायल हो गए।

एजेंसी

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में सावन के दौरान कांवड़ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं के साथ बड़ा सड़क हादसा हो गया। कोतवाली देहात क्षेत्र में हाईवे पर कांवड़ियों से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 7 कांवड़िए घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल श्रद्धालु को बेहतर इलाज के लिए सैफई रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, सभी श्रद्धालु मैनपुरी जिले के कुरावली थाना क्षेत्र के किशनपुर गांव के रहने वाले हैं। वे ट्रैक्टर-ट्रॉली से सोरों गंगा घाट जा रहे

थे, जहां से गंगाजल लेकर अपने क्षेत्र के शिव मंदिरों में जलाभिषेक करना था। ट्रैक्टर में करीब 17 कांवड़िए सवार थे। रास्ते में बारिश होने के कारण वाहन धीरे-धीरे चल रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आए ट्रक ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी, जिससे ट्रैक्टर पलट गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों की पहचान रागिनी, निशा, गीतम, सत्यपाल, रघुवीर, संध्या और मुस्कान के रूप में हुई है। इनमें सत्यपाल की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जबकि बाकी छह घायलों का इलाज जिला मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। जिला अस्पताल के डॉक्टर श्रीजीत ने बताया कि 108 एंबुलेंस के जरिए सात घायल अस्पताल लाए गए थे। इनमें एक मरीज की हालत गंभीर थी, इसलिए उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर भेजा गया है। बाकी छह मरीजों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है। हादसे में घायल रागिनी ने बताया कि वे सभी कांवड़ यात्रा पर गंगाजल लेने जा रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। वहीं घायल श्रद्धालुओं की रिश्तेदार काजल ने कहा कि बारिश की वजह से ट्रैक्टर धीमी गति से चल रहा था, लेकिन पीछे से आए ट्रक ने तेज रफ्तार में टक्कर मार दी, जिससे ट्रैक्टर पलट गया। घायल के परिजन विकास कुमार ने बताया कि हादसे के बाद एंबुलेंस तो समय पर पहुंच गई, लेकिन उस वक्त तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची थी।

गुजरात पुलिस ने अहमदाबाद में 59.23 लाख रुपए की शराब जब्त की, मामला दर्ज

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस की राज्य निगरानी प्रकोष्ठ (एसएमसी) ने अहमदाबाद में निषेधाज्ञा अभियान के दौरान 59.23 लाख रुपए की भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) और बीयर जब्त की है। अन्य वस्तुओं सहित जब्त की गई संपत्ति का कुल मूल्य 79.26 लाख रुपए आंका गया है। राज्य निगरानी प्रकोष्ठ के अनुसार, यह अभियान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीएस मलिक द्वारा गुजरात भर में अवैध शराब और जुआ गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के निर्देशों के तहत चलाया गया था। छापेमारी का नेतृत्व पुलिस निरीक्षक एसएम जडेजा ने किया। उन्होंने अहमदाबाद शहर के रामोल पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में सरदार पटेल रिंग रोड के पास अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे नंबर 1 पर प्रवेश टोल प्लाजा से सटे एक पार्किंग क्षेत्र की तलाशी ली। इस अभियान के दौरान पुलिस ने भारतीय निर्मित विदेशी शराब और बीयर के लगभग 600 कार्टन बरामद किए, जिनमें 12,843 बोतलें थीं। इनकी कीमत 59,23,014 रुपए है।

शराब के साथ-साथ अन्य संपत्ति भी जब्त की गई, जिससे जब्त की गई वस्तुओं का कुल मूल्य 79,26,014 रुपए हो गया। 31 जुलाई को रामोल पुलिस स्टेशन में निषेधाज्ञा का मामला दर्ज किया गया। यह मामला गुजरात निषेध अधिनियम की धारा 65(ए)(ई), 81, 83, 98(2) और 116(बी) के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस ने इस मामले में पांच वांछित आरोपियों के नाम जारी किए हैं। इनमें बोटाद जिले के रेफदा गांव का निवासी शिवकु करपाड़ा शामिल है, जिस पर शराब की खेप मंगवाने का आरोप है। इस मामले में सुरेंद्रनगर के मूली तालुका के रामपर्दा गांव का निवासी धीरू करपाड़ा भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि शेष तीन आरोपियों में वह व्यक्ति शामिल है जिसने खेप भेजी और उसका परिवहन किया। हाल के महीनों में राज्य निगरानी प्रकोष्ठ द्वारा चलाए गए कई बड़े निषेध अभियानों के बाद यह नई जब्ती हुई है।

महाराष्ट्र के कई जिलों में अगले पांच दिन भारी बारिश और आंधी-तूफान का अलर्ट

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में अगले पांच दिनों तक कई जिलों में गरज-चमक, बिजली गिरने और भारी बारिश की संभावना को देखते हुए मुंबई क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) ने विभिन्न जिलों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान विशेष सतर्कता बरतने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, 1 अगस्त को पुणे, सतारा और कोल्हापुर के घाट क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं नंदुरबार, नासिक घाट क्षेत्र, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी, बुलढाणा, अकोला, वाशिम, अमरावती, यवतमाल, वर्धा, नागपुर, भंडारा, चंद्रपुर, गोंदिया और गढ़चिरौली जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। 2 अगस्त को रायगढ़, पुणे घाट क्षेत्र, सतारा घाट क्षेत्र, रत्नागिरी, कोल्हापुर, अकोला, वाशिम, अमरावती, गोंदिया, चंद्रपुर और गढ़चिरौली जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है।

3 अगस्त को रत्नागिरी, सतारा घाट क्षेत्र, बुलढाणा, अकोला, अमरावती और नागपुर जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी रहेगा।

उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष और गृह मंत्री ने राष्ट्रीय ध्वज के निर्माता पिंगली वेंकैया की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई नेताओं ने रविवार को स्वतंत्रता सेनानी एवं राष्ट्रीय ध्वज के निर्माता पिंगली वेंकैयाकी जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पर लिखा, पिंगली वेंकैया को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि! एक महान स्वतंत्रता सेनानी, सच्चे गांधीवादी और भारत के राष्ट्रीय ध्वज के निर्माता के तौर पर उन्होंने देश के इतिहास में अमिट छाप छोड़ी।

तिरंगा आज भी हर भारतीय को गर्व के साथ एकजुट करता है; ऐसे में हम उनकी निस्वार्थ सेवा और उनकी अमूल्य विरासत को गहरे सम्मान के साथ याद करते हैं। ओम बिरला ने कहा कि पिंगली वेंकैया भारत की राष्ट्रीय पहचान, आत्म-सम्मान, एकता के प्रतीक 'तिरंगे' (राष्ट्रीय ध्वज) के डिज़ाइनर, स्वतंत्रता सेनानी और सच्चे देशभक्त थे जो देश की एकता, अखंडता,

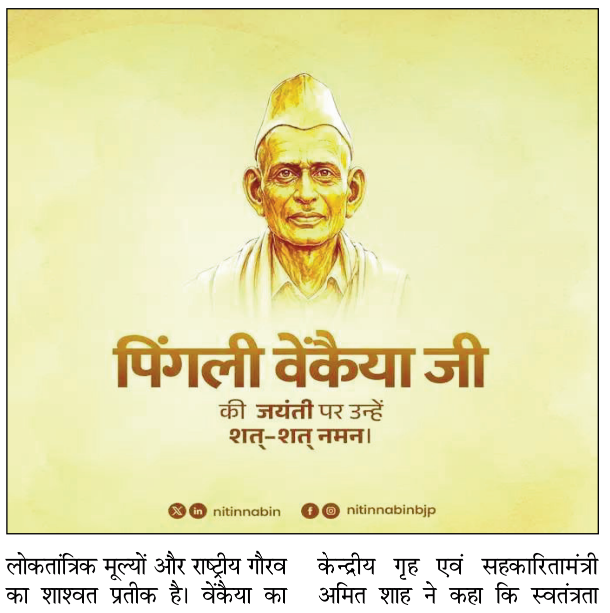

लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय गौरव का शाश्वत प्रतीक है। वेंकैया का जीवन सभी को देशभक्ति, समर्पण और कर्तव्य-बोध की प्रेरणा देता है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम और ज्ञान की विभिन्न धाराओं के विकास में पिंगली वेंकैया की भूमिका भारतीयों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। केन्द्रीय स्वास्थ्यमंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आजादी की लड़ाई के समर्पित योद्धा, आदरणीय पिंगली वेंकैया ने राष्ट्रीय ध्वज को स्वरूप दिया और इस तरह भारत की राष्ट्रीय पहचान को एक नई मान्यता दिलाई। उनका अमूल्य योगदान आज भी हर भारतीय के दिल में देशभक्ति, एकता और आत्म-सम्मान की भावना जगाता है। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याणमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश को एकता के सूत्र में बांधने वाली आपकी बेमिसाल रचना के ज़रिए, आप हमेशा देशवासियों के दिलों में अमर रहेंगे। केन्द्रीय कपड़ामंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण में उनका अमूल्य योगदान सदैव यादगार और प्रेरणादायक रहेगा।

पीएम मोदी ने जारी किए वाल्मीकि रामायण और 1 वेदांत भिक्षुओं की कहानियों के कन्नड़ अनुवाद

एजेंसी

मैसूर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मैसूर में रामकृष्ण आश्रम द्वारा बनाए गए स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र (विवेक स्मारक) का उद्घाटन किया। इसी दौरान उन्होंने वाल्मीकि रामायण और 'स्टोरीज ऑफ वेदांत मंक्स' के कन्नड़ अनुवाद भी जारी किए। प्रकाशनों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इन अनुवादों से भारत की कालातीत आध्यात्मिक और साहित्यिक विरासत कन्नड़ पाठकों, खासकर युवा पीढ़ी के करीब पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से युवा अपनी मातृभाषा के जरिए देश की सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपराओं से जुड़ने के लिए प्रेरित होंगे।

कार्यक्रम के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर रामकृष्ण आश्रम की अपनी यात्रा और साधुओं से बातचीत की तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने लिखा, 'मैसूर में श्री रामकृष्ण आश्रम गया। समाज की सेवा और हमारी युवा शक्ति को सशक्त बनाने में उनके प्रयास सराहनीय हैं। ' अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने आश्रम के साधुओं से भी बातचीत की और

समाज सेवा के लिए संस्था के निरंतर काम की सराहना की। खासकर स्वामी विवेकानंद और श्री रामकृष्ण की शिक्षाओं के जरिए मूल्यों, शिक्षा और युवा सशक्तिकरण में संस्था की भूमिका की तारीफ की।

इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बेंगलुरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या ने पीएम मोदी द्वारा विवेक स्मारक के उद्घाटन का स्वागत किया। उन्होंने इसे कर्नाटक के लिए ऐतिहासिक पल और स्वामी विवेकानंद की विरासत को श्रद्धांजलि बताया।

एक बयान में सूर्या ने कहा कि सांस्कृतिक नगरी मैसूर ने एक और ऐतिहासिक अवसर देखा है। पीएम मोदी ने विवेक स्मारक का उद्घाटन किया, जो 1892 में स्वामी विवेकानंद की मैसूर यात्रा की याद में बनाया गया है।

सूर्या ने कहा कि यह अवसर कर्नाटक के लिए गर्व की बात है। यह कार्यक्रम परम पूज्य श्री गौतम आनंद जी महाराज की उपस्थिति में हुआ और रामकृष्ण आश्रम की स्थायी विरासत को दर्शाता है। स्वामी विवेकानंद के प्रसिद्ध संदेश 'उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्त होने तक मत रुको' का जिक्र करते हुए सूर्या ने उम्मीद जताई कि यह स्मारक देश भर के लाखों युवा मन को प्रेरित करेगा।

उन्होंने कहा कि विवेक स्मारक सिर्फ एक स्मारक नहीं है, बल्कि यह देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। इससे युवा भविष्य के भारत का निर्माण करने और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित होंगे।

विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने श्री कृष्ण जन्म भूमि मथुरा मामले में दायर वाद के वादी अधिवक्ता से की विस्तृत चर्चा

एजेंसी

आगरा। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार शनिवार को अपने अधिवक्ता साथियों के साथ आगरा में पूर्व डीजीसी (सिविल) अधिवक्ता सुरेंद्र गुप्ता के आवास पर पहुंचे और श्री कृष्ण जन्मभूमि एवं शाही ईदगाह मस्जिद मथुरा के मामले में उच्च न्यायालय इलाहाबाद में लंबित मामले पर गहन चर्चा की।

उनके साथ सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता भक्तिवर्धन तथा वरुण माहेश्वरी भी साथ थे। आलोक कुमार ने सुरेन्द्र गुप्ता एडवोकेट के साथ श्रीकृष्ण जन्मभूमि, मथुरा के इलाहाबाद उच्च न्यायालय में विचाराधीन मुकदमे के संबंध में विस्तार से चर्चा की। यह भी चर्चा हुई कि न्यायालय विवाद में वर्तमान स्थिति तथा उसके शीघ्र निस्तारण हेतु किन-किन बिंदुओं पर प्रभावी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। सुरेन्द्र गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि उच्च न्यायालय इलाहाबाद में विचाराधीन श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा से संबंधित केस के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। आलोक कुमार ने मुझसे अपेक्षा की कि उक्त केस के शीघ्र ही निस्तारण हेतु प्रयास किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि काशी विश्वनाथ मंदिर से संबंधित केस से पूर्व ही मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि के केस का निस्तारण हो सकता है। सुरेन्द्र गुप्ता एडवोकेट द्वारा जानकारी दी गई कि मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि के संबंध में दायर किया गया वाद संख्या 17/2023 को उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने आदेश दिनांक 18 जुलाई 2025 पारित करते हुए इस केस को ही सम्पूर्ण हिन्दू समाज की ओर से दायर किया गया माना है। कहने का आशय यह है कि उच्च न्यायालय इलाहाबाद में विचाराधीन उन्नीस वादों में से केवल इसी वाद को प्रतिनिधित्व वाद के रूप में मान्यता प्रदान की है अतएव अब यह केस सम्पूर्ण हिन्दू समाज की ओर से हो गया है। विश्व हिंदू परिषद से जो भी अपेक्षा होगी वह सलाह व सहयोग प्रदान किया जाएगा। हर हिंदू संगठन तथा हिन्दू का यह दायित्व है की वह इस केस मेंअपना भावनात्मक सहयोग व आशीर्वाद प्रदान करें। सुरेन्द्र गुप्ता एडवोकेट ने यह भी जानकारी दी कि संबंधित प्रकरण में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को वक्फ अधिनियम की धारा 89 के अंतर्गत नोटिस तामील किया जा चुका है, लेकिन सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड द्वारा इसका कोई भी जबाव नहीं दिया गया है अब इस वाद में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को भी पक्षकार बनाया जाएगा।

तेज बुखार के बाद भी अरुंधति ने रिंग में उतरकर स्वर्ण जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लासगो (ईएमएस)। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में जारी राष्ट्रमण्डल खेलों में भारतीय महिला मुक्केबाज 70 किलोग्राम वर्ग के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की शेंटेले रीड को 5-0 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। अरुंधति ने इस मैच में बुखार के बाद भी मुकाबला लड़ा। इस सफलता के बाद से ही

अरुंधति के घर में जश्न जैसा माहौल है पर जिस प्रकार से तेज बुखार में अरुंधति इस मैच में उतरी उसके लिए वह प्रशंसा की पात्र हैं। फाइनल मुकाबले से पहले अरुंधति को करीब 102 डिग्री बुखार था लेकिन उनके कदम नहीं डगमगाए और उन्होंने देश के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। उनकी बहन चारू ने अपनी खुशी और बहन के प्रति गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि अरुंधति की यह स्वर्णिम यात्रा आसान नहीं थी। उनका सपना भारत के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का है।

शुरुआत में वह बास्केटबॉल खेला करती थीं, लेकिन जल्द ही उन्होंने मुक्केबाजी को अपना लिया। कोटा जैसे शहर में मुक्केबाजी के लिए उचित प्रशिक्षण और कोच की कमी एक बड़ी चुनौती थी। उन्हें अपनी ट्रेनिंग के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा पर अरुंधति ने कभी हार नहीं मानी। कॉमनवेल्थ में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपने को साबित किया है।

राष्ट्रमण्डल खेलो में कुल सात स्वर्ण पदक में से छह विजेता हरियाणा के हैं। ऐसे में, अरुंधति एकमात्र ऐसी मुक्केबाज रहीं जिन्होंने हरियाणा से बाहर रहते हुए भी यह स्वर्ण जीता।

अमेरिकी ओपन के मिश्रित युगल में पहली बार उतरेगी जोकोविच-साबालेंका की जोड़ी

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिका में इस माह के अंत में शुरु होने वाली यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट की मिश्रित युगल स्पर्धा इस साल और भी रोमांचक होगी। इसमें दुनिया के कई दिग्गज टेनिस सितारे एक साथ कोर्ट पर उतरने जा रहे हैं। इमसें सर्बिया के नोवाक जोकोविच और बेलारुस की महिला टेनिस स्टार आर्यना साबालेंका की जोड़ी है, जो पहली बार इस स्पर्धा में एक साथ खेलती नजर आएगी।

जोकोविच और साबालेंका 25 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होने वाली इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। टेनिस जगत इस जोड़ी को प्रतियोगिता की सबसे मजबूत जोड़ियों में से एक मान रहा है। पिछले वर्ष यूएस ओपन के मिश्रित युगल प्रारूप में बड़े बदलाव किए गए थे, जिसका उद्देश्य इसे अधिक आकर्षक बनाने और दुनिया के नामी एकल खिलाड़ियों को एक साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित करना था। हालांकि इस बदलाव को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, पर इसका असर इस साल की स्टार-स्टडेड लाइनअप में साफ दिख रहा है।

इस बार भी कई चर्चित जोड़ियां मैदान में उतरने को तैयार हैं। ब्रिटेन के जैक ड्रेपर और अमेरिका की जेसिका पेगुला, जो पिछले वर्ष सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, एक बार फिर साथ खेलेंगे। पोलैंड की इगा स्वियातेक और नॉर्वे के कैस्पर रूड, जो पिछले साल उपविजेता रहे थे, भी अपनी साझेदारी को दोहरा रहे हैं। इनके अलावा, जापान की नाओमी ओसाका और केई निशिकोरी, अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना, तथा रूस की मिर्रा आंद्रेयेवा और आंद्रेई रुबलेव ने भी साथ खेलने की इच्छा जताई है। इन जोड़ियों के मैदान में उतरने से प्रतियोगिता का स्तर और भी ऊंचा होने की उम्मीद है।

हालांकि, कुछ बड़े नाम इस बार प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं होंगे। स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज अपनी कलाई की चोट से उबर रहे हैं, और उनकी वापसी की तारीख अभी तय नहीं हुई है। वहीं, हाल ही में विंबलडन का खिताब जीतने वाले यानिक सिनर ने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए पहले कनाडाई ओपन से नाम वापस लिया था और अब उन्होंने यूएस ओपन मिश्रित युगल में भी भाग नहीं लेने का फैसला किया है।

महिला टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का नाम भी शुरुआती सूची में शामिल नहीं है। पिछले महीने विंबलडन में वापसी के बावजूद, घुटने की चोट के कारण वह अपनी बहन वीनस विलियम्स के साथ प्रस्तावित युगल मुकाबला नहीं खेल सकी थीं। प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 17 अगस्त तक पूरी होगी। इसके बाद सर्वश्रेष्ठ संयुक्त एकल रैंकिंग वाली छह जोड़ियों को सीधे मुख्य दौर में जगह मिलेगी, आठ जोड़ियों को विशेष आमंत्रण मिलेगा, जबकि अंतिम दो स्थानों का फैसला 24 अगस्त को होने वाले क्वालीफिकेशन मुकाबलों से होगा।

भारत की तन्वी ने ताइपे ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट जीता

ग्लास्गो (एजेंसी)। ताइपे सिटी (ईएमएस)। भारत की 17 साल की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने रविवार को यहां ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। तन्वी ने महिला एकल फाइनल में वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त थुई लिन्ह एनगुएन को सीधे गेम में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता। 17 साल की तन्वी ने फाइनल में थुई लिन्ह को केवल 36 मिनट में ही 21-16, 21-16 से हरा दिया। इस शानदार जीत के साथ ही तन्वी ताइपे ओपन में सबसे कम उम्र की चैंपियन बन गई हैं, उन्होंने ताइवान की महान खिलाड़ी ताई जू यिंग का रिकॉर्ड तोड़ा। खिताब जीतने के बाद तन्वी ने अपनी खुशी जताते हुए कहा कि उसका लक्ष्य केवल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था।

पूरे टूर्नामेंट में केवल एक गेम खोने वाली तन्वी ने फाइनल मुकाबले में भी जबरदस्त खेल दिखाया। उन्होंने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और अपने प्रभावी ड्रॉप शॉट और क्रॉस कोर्ट स्मैश से थुई लिन्ह पर 10-2 की बड़ी बढ़त बना ली। वियतनाम की खिलाड़ी तन्वी के सामने टिक नहीं पायी। इस भारती खिलाड़ी ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया।

वहीं दूसरे गेम में वियतनामी खिलाड़ ने तेज शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बनाई पर तन्वी ने धैर्य बनाए रखते हुए शानदार नेट शॉट्स और सटीक बैक कोर्ट प्ले के दम पर स्कोर 3-3 से बराबर किया और फिर 8-4 की बढ़त बना ली। मध्यांतर तक 11-8 की बढ़त बनाए रखने के बाद, तन्वी ने धीरे-धीरे अपनी बढ़त को 18-12 तक पहुंचाया। कुछ मैच अंक खोने के बावजूद, तन्वी ने चौथे अवसर का फायदा उठाते हुए ये मुकाबला जीत लिया। पूर्व विश्व जूनियर नंबर एक और विश्व जूनियर चैंपियनशिप में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय तन्वी ने 16 साल की उम्र में 2025 अमेरिकी ओपन में अपने पहले सुपर 300 फाइनल में भी जगह बनाई थी।

भारतीय टीम नौवी बार श्रीलंका में द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज खेलेगी

12 खिलाड़ी पहली बार श्रीलंकर में टेस्ट खेलेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह 15 अगस्त से श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। 9 साल के बाद भारतीय टेस्ट टीम एक बार फिर श्रीलंका में खेलती दिखेगी। भारतीय टीम को ये दौरा 9वां द्विपक्षीय टेस्ट दौरा होगा। अगर पिछले तीन दशक के इतिहास पर नजर डालें, तो साल 1985 से 2017 तक भारतीय टीम ने श्रीलंका में कुल 24 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान भारत ने 9 जीत दर्ज की हैं, 7 में उसे हार मिली और 8 मुकाबले ड्रॉ रहे। हालांकि, पिछले कुछ सालों से भारत का पलड़ा भारी रहा है और टीम ने श्रीलंकाई मैदानों पर अपने पिछले पांचों टेस्ट मैच जीते हैं। इस बार भारतीय टीम के 15 सदस्यीय दल में से 12 खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार श्रीलंका में टेस्ट मैच खेलने उतरेंगे। इसमें कप्तान शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने भले ही बाकी जगहों पर कई रिकार्ड बनाये हों पर श्रीलंका में टर्निंग विकेट पर स्पिनरों के सामने इनकी असल परीक्षा होगी।

गौरतलब है कि भारतीय टीम ने पहली बार 1985 में कपिल देव की कप्तानी में श्रीलंका का दौरा किया, जहां उसे सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। 1993 में, भारत को श्रीलंका की धरती पर अपनी पहली टेस्ट जीत मिली, लेकिन सीरीज बराबरी पर समाप्त हुई। इसके बाद 1997, 1999 और 2001 में भी भारतीय टीम को खास सफलता नहीं मिली और या तो सीरीज ड्रॉ रही या भारत को हार झेलनी पड़ी। 2008 का दौरा अजंता मेंडिस की रहस्यमी स्पिन के लिए याद किया जाता है, जिसने भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया था, और भारत को सीरीज गंवानी पड़ी। 2010 में रोमांचक सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही।

हालांकि, 2015 का श्रीलंका दौरा भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। गॉल में 63 रनों की हार श्रीलंका की धरती पर टेस्ट मैचों में भारत की आखिरी हार थी। उस हार के बाद, विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम ने वापसी की और अगले दोनों टेस्ट जीतकर 2-1 से ऐतिहासिक सीरीज अपने नाम की। 2017 में भारत ने श्रीलंकाई टीम का पूरी तरह सफाया कर दिया। 26 जुलाई को गॉल में 304 रनों की विशाल जीत, 3 अगस्त को एसएससी में पारी और 53 रनों की जीत, और 12 अगस्त को पल्लेकेले में पारी और 171 रनों की धमाकेदार जीत के साथ भारत ने सीरीज 3-0 से जीती और अपना दबदबा साबित किया।

अगर द्विपक्षीय सीरीज के नतीजों पर नजर डालें तो 1985, 1993, 2001 और 2008 की चारों सीरीज में भारत को नाकामी मिली थी (1993 ड्रॉ, अन्य में हार), जबकि 2010 की सीरीज 1-1 से बराबर रही थी। लेकिन 2015 (2-1) और 2017 (3-0) की पिछली दो सीरीज जीतकर भारत ने अपना दबदबा साबित किया है। अब 2026 में, जब भारतीय टीम 9 साल बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेलने उतर रही है, तो उनके सामने अपने पिछले 5 टेस्ट मैचों की जीत की लय को बरकरार रखने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

पंड्या बंधुओं के बीच सुलह वाला वीडियो पुराना निकला

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और उनके भाई क्रुणाल पंड्या के बीच सुलह की अटकलों की बात गलत निकली है। हार्दिक और कुणाल के बीच पिछले कुछ समय से मतभेद का दावा किया जा रहा था। इसी कारण दोनो सार्वजनिक स्थानों पर एकसाथ नहीं देखते हैं। हाल ही में टी20 विश्व कप जीतने के बाद क्रुणाल द्वारा हार्दिक के लिए कोई सोशल मीडिया पोस्ट न करने से रिश्तों में अनबन और तेज़ होने की बात कही गयी। इसी बीच ही सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेज़ी से वायरल हुआ, जिसमें दोनों भाइयों को मस्ती के मूड में एक साथ देखा गया, जिसके बाद यह दावा किया जाने लगा कि उनके बीच सब कुछ ठीक हो गया है। हालांकि, इस वायरल वीडियो की पड़ताल करने पर सामने आया कि ये फर्जी है।

मुंबई एयरपोर्ट के इस वायरल वीडियो में पंड्या बंधुओं को एक साथ हंसते-बात करते हुए दिखाया गया है। वीडियो में दोनों भाई एयरपोर्ट से निकलते हुए बेहद खुशमिजाज नज़र आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने तुरंत यह दावा करना शुरू कर दिया कि हार्दिक और क्रुणाल के बीच चल रही दूरियां अब खत्म हो गई हैं और उनके रिश्ते पहले की तरह हो गये हैं। यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया और लोगों ने मान लिया कि इनके बीच सब पहले जैसा हो गया। वहीं जब इस वीडियो की सच्चाई की जांच की गई तो पता चला कि यह क्लिप हाल का नहीं है। यह वीडियो काफी पुराना है, जिसे किसी यूजर ने मौजूदा संदर्भ में दोबारा शेयर कर दिया। परिणामस्वरूप, कई लोगों ने इसे हाल का वीडियो समझ लिया और दोनों भाइयों के रिश्ते को लेकर तरह-तरह के दावे और चर्चाएं करने लगे। ऐसे में, केवल इस पुराने वीडियो के आधार पर यह कहना सही नहीं होगा कि हार्दिक और क्रुणाल के बीच सब कुछ ठीक हो गया है या उनके रिश्तों पर पड़ी बर्फ पिघल गई है। फिलहाल, दोनों के रिश्ते की मौजूदा स्थिति को लेकर कोई आधिकारिक या नई जानकारी सामने नहीं आई है।

भारत की इशरूप ने रेपेशॉज मुकाबले में जॉर्जिका को हराया

-कांस्य की उम्मीदें बरकरार

ग्लास्गो (एजेंसी)। राष्ट्रमण्डल खेलों में रविवार का दिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास नहीं रहा। भारत की जूडो खिलाड़ी इशरूप नारंग (78 किग्रा) ने कांस्य पदक जीतने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है, वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ियों को निराशा का सामना करना पड़ा और वे प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इशरूप ने महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग के रेपेशॉज मुकाबले में कैमरून की जॉर्जिका वेस्ली जेंगुए मौने को हराया। इशरूप ने अपनी लंबी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए दो युको हासिल किए और अंततः वाजा-आरी के आधार पर मुकाबला जीता। इस जीत के साथ, इशरूप अब कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिससे भारत के लिए पदक की एक और उम्मीद बंधी है। जूडो में, युको तब दिया जाता है जब कोई खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी को सफलतापूर्वक गिराता है या उसे पांच से नौ सेकंड तक होल्ड-डाउन करता है।

वहीं स्वर्ण पदक जीतने की उनकी उम्मीदें अभियान क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही समाप्त हो गयी थीं। उन्हें इंग्लैंड की एमा रीड ने इप्पोन से मात दी। चार मिनट तक चले इस कड़े मुकाबले में इशरूप को दो पेनल्टी (शिडो) मिलीं, जबकि एमा ने दो वाजा-आरी हासिल कर अपनी जीत तय की। इशरूप ने अपने अभियान की अच्छी शुरुआत करते हुए स्कॉटलैंड की निकोल वुड को हराया था। महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग के इस शुरुआती मुकाबले में निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहा था, जिसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने एक मिनट 40 सेकंड के बाद निर्णायक युको हासिल कर पांच मिनट 40 सेकंड तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की। वहीं, इप्पोन जूडो का सर्वोच्च अंक होता है, जिसके मिलते ही मुकाबला तुरंत समाप्त हो जाता है। वहीं अन्य भारतीय जूडो खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़। पुरुषों के 100 किग्रा वर्ग में भारत के अवतार सिंह को प्री-क्वार्टर फाइनल में साइप्रस के अरिस्टोस माइकल के खिलाफ इप्पोन से हार का सामना करना पड़ा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इसके अलावा इसी तरह, यश घंगास भी पुरुषों के 100 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में हार के साथ ही बाहर हो गये पाए। उन्हें राउंड 16 में वेल्स के जोशुआ व्हाइटहाउस से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण हासिल नहीं कर पाये बेरवाल, बोले एशियाई खेलों में प्रयास करेंगे

ग्लासगो । भारतीय मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने राष्ट्रमण्डल खेलों में 90 किलो से अधिक के वर्ग में रजत पदक जीता है। नरेंद्र ने कहा कहा कि अब उनका लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना रहेगा बेरवाल ने पुरुषों के 90 किलो से अधिक वजन वर्ग में रजत पदक जीता पर वह स्वर्ण नहीं जीत पाये। उन्हें फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड केमुक्केबाज डैमर थॉमस के खिलाफ 5-0 से हार का सामना करना पड़ा। बेरवाल इससे निराश दिखे। इसके साथ ही उन्होंने भविष्य के लिए एक मजबूत संकल्प भी जताया। उन्होंने कहा, मैं बहुत कम अंतर से स्वर्ण नहीं जीत पाया। से चूक गया, मैंने अपनी पूरी ताकत लगायी थी। इंग्लैंड के खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबला काफी कठिन था। मुझे स्वर्ण पदक न जीत पाने का दुख है पर मैं इस कमी को अगले एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर पूरा करने के प्रयास करूंगा। बेरवाल की ये बातें उनकी दृढ़ता और अगले बड़े लक्ष्य के प्रति उनके समर्पण को दर्शाती हैं। बेरवाल ने भारतीय मुक्केबाजी दल के समग्र प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कई भारतीय मुक्केबाज बेहद करीबी मुकाबलों में हार गए, जो थोड़ी निराशाजनक बात थी। बेरवाल के अनुसार, सुमित कुंडू, आदित्य यादव, परवीन हुड्डा और कपिल पोखरिया जैसे खिलाड़ी 3-2 के बेहद करीबी अंतर से हारे। यदि ये मुकाबले हमारे पक्ष में जाते, तो भारत कुल 14 में से 14 पदक जीत सकता था। उन्होंने आगे कहा कि अगले बड़े आयोजनों के लिए टीम और भी बेहतर तैयारी के साथ उतरेगी।टूर्नामेंट में बेरवाल का सफर बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने सेमीफाइनल में त्रिनिदाद और टोबैगो के नाइजेल पॉल को 5-0 के एकतरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

इंटर मियामी के लिए मेसी की वापसी, कैसिमिरो ने किया 'ओन गोल'

मियामी । अर्जेंटीना के विश्व कप फ़ाइनल में हार के बाद स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी कोलंबस क्रू के साथ 2-2 से ड्रॉ रहे मैच में इंटर मियामी के लिए सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान पर उतरे। इस मैच में उनके साथी खिलाड़ी कैसिमिरो ने 'ओन गोल' '(अपनी ही टीम के गोलपोस्ट में गोल) कर दिया। 19 जुलाई को अपनी टीम की कप्तानी करते हुए 1-0 से हारने के बाद से मेसी ने कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला था। 39 साल के इस खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के दौरान आठ गोल किए और चार असिस्ट किए। मेसी शनिवार को मेजर लीग सॉकर मैच में 53वें मिनट में मैदान पर उतरे, इस दौरान इंटर मियामी के घरेलू दर्शकों ने उनका ज़ोरदार तालियों के साथ स्वागत किया। उस समय उनकी टीम 2-1 से आगे चल रही थी। उन्हें तुरंत एक मौका मिला, लेकिन मुश्किल एंगल से बाएं पैर से मारा गया उनका शॉट साइड-नेटिंग में चला गया। मेसी को जल्द ही एक और मौका मिला, लेकिन लुइस सुआरेज़ की गेंद को छाती से रोकने के बाद, उन्होंने जो शॉट मारा, वह गोलपोस्ट के थोड़ा बाहर चला गया। मियामी ने सुआरेज़ के शानदार लॉन्ग-रेंज चिप शॉट से बढ़त बनाई थी। यह चार मैचों में उनका सातवां गोल था। जुलाई में मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने के बाद मियामी से जुड़े ब्राज़ील के मिडफील्डर कैसिमिरो ने गलती से कोलंबस के लिए बराबरी का गोल कर दिया। एक क्रॉस को रोकने के प्रयास में उन्होंने गेंद को अपनी ही टीम के नेट में डाल दिया। लेकिन नोआ एलन ने हेडर से घरेलू टीम को फिर से बढ़त दिला दी। इसके बाद ब्राइस मेंडेज़ ने अपने डेब्यू मैच में 84वें मिनट में फ्री-किक से गोल करके कोलंबस क्रू को ड्रॉ दिलाया। एडेड टाइम में मेसी के पास जीत दिलाने वाले गोल के कुछ मौके थे, लेकिन उनका एक लूपिंग हेडर थोड़ा बाहर चला गया और फिर दाएं पैर से मारा गया शॉट बार के ऊपर से निकल गया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 : 'भारत के लिए तीसरा लगातार गोल्ड जीतकर गर्व महसूस हो रहा' : मीराबाई चानू

ग्लासगो (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय वेटलिफ्टिंग दल स्वदेश लौट आया। दिल्ली पहुंचने पर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने कहा कि भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक जीतकर उन्हें बेहद गर्व महसूस हो रहा है। मीराबाई ने इस बार महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड जीतते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

मीराबाई ने रचा ऐतिहासिक रिकॉर्ड

मीराबाई चानू ने ग्लासगो में गोल्ड जीतकर कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में अपना चौथा पदक हासिल किया। उन्होंने 2014 में रजत पदक जीता था, जबकि 2018, 2022 और अब 2026 में लगातार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह लगातार चार कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने वाली दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर बन गई हैं। दिल्ली पहुंचने पर उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मैंने भारत के लिए पदक जीता। मुझे मणिपुर से होने पर भी गर्व है और खुशी है कि मैं देश के लिए कुछ कर सकी।' दिल्ली एयरपोर्ट पर दिल्ली मीतेई कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ने उनका जोरदार स्वागत किया।

कोच विजय शर्मा ने की जमकर तारीफ

भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने पूरे दल के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि मीराबाई की उपलब्धि असाधारण है। उन्होंने कहा, 'मीराबाई सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया की पहली महिला हैं जिन्होंने लगातार चार कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीता है। यह उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है।' कोच ने यह भी बताया कि अब टीम का पूरा फोकस अगले महीने जापान में होने वाले एशियन गेम्स पर रहेगा।

अन्य पदक विजेताओं ने भी जताई खुशी

महिलाओं के 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतने वाली ज्ञानेश्वरी यादव ने कहा कि पदक जीतने और देशवासियों से मिले सम्मान से वह बेहद खुश हैं। पुरुष 60 किलोग्राम वर्ग के रजत पदक विजेता ऋषिकांत सिंह ने कहा कि इस सफलता से उन्हें भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए और अधिक प्रेरणा मिली है। वहीं +110 किलोग्राम वर्ग में रजत जीतने वाले लवप्रीत सिंह ने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान एशियन गेम्स में पदक जीतने पर है।

वेटलिफ्टिंग में भारत का शानदार प्रदर्शन

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम ने कुल 8 पदक जीते।

भारत के पदक विजेता

स्वर्ण (1)= मीराबाई चानू (महिला 48 किग्रा)

रजत (6)=ज्ञानेश्वरी यादव (53 किग्रा), हरजिंदर कौर (69 किग्रा), ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा), मुथुपांडी राजा (65 किग्रा), वल्लुरी अजय बाबू (79 किग्रा), लवप्रीत सिंह (+110 किग्रा)

कांस्य (1)=बिंदियारानी देवी (महिला 58 किग्रा)

भारतीय वेटलिफ्टरों के इस शानदार प्रदर्शन ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में देश की पदक तालिका को मजबूत करने में अहम योगदान दिया।

कनाडा ओपन में खेलेंगे वीनस विलियम्स और एलेक्जेंड्रा एला

टोरंटो। अमेरिका की टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स और फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला कनाडा ओपन डब्ल्यूटीए 1000 में टेनिस खेलते हुए नजर आएंगी। अमेरिका की विलियम्स रविवार को वाइल्डकार्ड एंट्री के साथ अपना अभियान शुरू करेंगी; कनाडा में यह उनका 13वां टूर्नामेंट होगा। कनाडा में उनका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन 2014 में रहा था, जब उन्होंने अपनी बहन सेरेना को हराकर फ़ाइनल में जगह बनाई थी। यह टूर्नामेंट 1 से 13 अगस्त तक चलेगा और

महिलाओं के मैच टोरंटो में होंगे। 46 साल की खिलाड़ी पहले राउंड में सेंटर कोर्ट पर उज़्बेकिस्तान की कामिला राखिमोवा का सामना करेंगी। वहीं एला को पहले राउंड में 'बाय '(सीधे अगले राउंड में जगह) मिला है, इसलिए वह दूसरे राउंड के लिए मंगलवार या बुधवार को कोर्ट पर उतरेंगी। उनका मुकाबला अमेरिका की एलिसिया पार्क्स या अंडोरा की क्वालिफ़ायर विक्टोरिया जिमेनेज़ कासिंत्सेवा से हो सकता है।

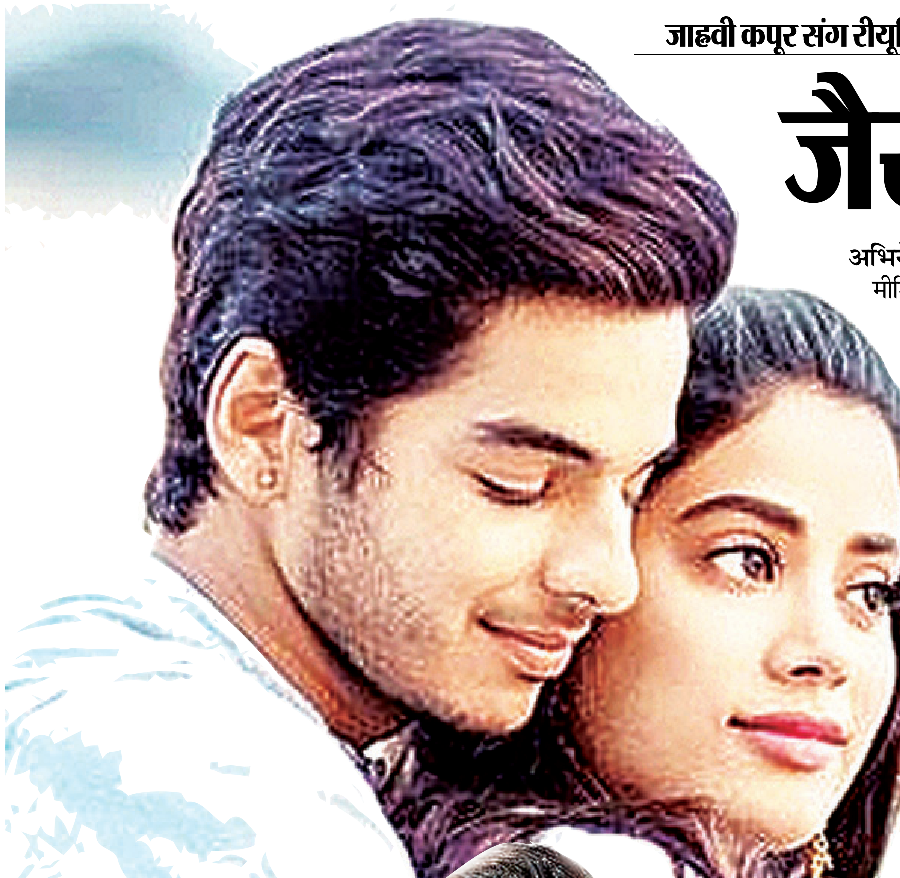

जाह्नवी कपूर संग रीयूनियन पर भावुक हुए ईशान खट्टर, बोले-

जैसे समय बीता ही नहीं

अभिनेता ईशान खट्टर ने शुक्रवार को अपनी पहली को-स्टार जाह्नवी कपूर के साथ हैप्पी मूमेंट शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर खास पोस्ट कर फैंस को पुरानी यादों से रूबरू कराया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर जाह्नवी के साथ तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'कुछ रीयूनियन ऐसा एहसास दिलाते हैं कि जैसे समय बीता ही नहीं है। जाह्नवी कपूर।' शेयर की गई तस्वीर में ईशान मैचिंग पगड़ी के साथ आइवरी शेरवानी पहने हुए दिख रहे हैं और जाह्नवी भारी कढ़ाई वाले मैरून लहंगे के साथ स्टेटमेंट ज्वेलरी में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। दोनों एक सीढ़ी पर बैठे, एक-दूसरे का हाथ पकड़े और तस्वीर के लिए पोज देते हुए दिख रहे हैं। इस रीयूनियन ने फैंस को 2018 में रिलीज हुई 'धड़क' में उनकी सफल ऑन-स्क्रीन जोड़ी की याद दिला दी, जिसमें जान्हवी कपूर ने ईशान के साथ लीड एक्ट्रेस के तौर पर बॉलीवुड डेब्यू किया था। शशांक खेतान द्वारा डायरेक्टेड और धर्मा प्रोडक्शंस, जी स्टूडियोज और क्लाउड 9 पिक्चर्स द्वारा प्रोड्यूस की गई। यह रोमांटिक ड्रामा नागराज मंजुले की मशहूर मराठी ब्लॉकबस्टर 'सैराट' का ऑफिशियल हिंदी रीमेक थी, जो 2016 में रिलीज हुई थी। जाह्नवी और ईशान के बीच की केमिस्ट्री को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था और इसने उन्हें साल की सबसे चर्चित फ्रेश ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक बना दिया था। दोनों आज भी करीबी दोस्त हैं और पिछले कुछ साल में इंडस्ट्री इवेंट्स और पब्लिक अपीयरेंस में भी साथ दिखे हैं। उन्हें आखिरी बार नीरज घायवान की 'होमबाउंड' में एक साथ देखा गया था, जिसमें जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा ने एक्टिंग की थी। फिल्म की कहानी बचपन के दो दोस्तों, चंदन (विशाल जेठवा) और शोएब (ईशान खट्टर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पुलिस सेवा परीक्षा पास करने और बेहतर जीवन जीने का सपना देखते हैं।

'रागिनी 3' में नजर आएंगी आरजे महवश

आरजे महवश को बीते दिनों 'सतरंगी-बदले का खेल' में देखा गया था। यह वेब सीरीज इस साल मई में रिलीज हुई थी। अब वे फिल्म 'रागिनी 3' में नजर आएंगी। महवश इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रागिनी 3' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का उन्होंने आज शुक्रवार को आधिकारिक एलान कर दिया है। महवश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुशी जाहिर की है। साथ ही एकता कपूर का आभार जताया है। महवश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने फिल्म 'रागिनी 3' का एलान करते हुए कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो सेट की हैं। फिल्म को लेकर तैयारी चल रही हैं। एक तस्वीर में महवश ने हाथों में क्लैपरबोर्ड थाम रखा है, जिस पर लिखा है, 'रागिनी 3'। महवश ने लिखा है, 'अपनी अगली फिल्म 'रागिनी 3' का एलान करते हुए मैं बहुत उत्साहित हूं। जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्वॉयफ्रेंड की वजह से टूटा था तापसी पन्नू का दिल

आज हैं विदेशी खिलाड़ी की दुल्हनियां

स्कूल-कॉलेज का प्यार अक्सर किसी पुरानी किताब में समिट कर रह जाते हैं। इसी उम्र में अभिनेत्री तापसी पन्नू भी किसी पर अपना दिल हार बैठी थीं। अभिनेत्री आज भले ही मनोरंजन जगत में अपना करियर स्थापित कर डेनमार्क के जाने-माने पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी और कोच मैथियास बोए के साथ शादीशुदा जीवन बिता रही हैं लेकिन उनके किशोरावस्था का प्यार किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दिल्ली के माता जय कौर पब्लिक स्कूल में अपनी पढ़ाई के समय ही अभिनेत्री को पहली बार प्यार का एहसास हुआ और वह एक लड़के पर दिल हार बैठी थीं। एक पॉडकास्ट के दौरान अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए बताया था कि स्कूल के समय उनका एक बॉयफ्रेंड था। वह 9वीं क्लास में थीं तो उनका बॉयफ्रेंड 10वीं में। तापसी ने बताया कि उनके ब्वॉयफ्रेंड ने उनसे इसलिए ब्रेकअप ले लिया था क्योंकि उसका कहना था कि वो 10वीं क्लास की बोर्ड परीक्षा पर पूरा ध्यान लगाना चाहता है, जिसके बाद मैं खूब रोई भी थी। हालांकि, उस समय आज के बच्चों के पास पर्सनल मोबाइल नहीं हुआ करते थे। अभिनेत्री ने बताया कि वो उनका पहला हार्ट ब्रेक था और वे अपने घर के पास वाले पीसीओ पर जाकर दो-दो रुपए के सिक्के डालकर अपने बॉयफ्रेंड को कॉल किया करती थीं और कहती थीं कि प्लीज बात कर लो। वो पहले तो फोन उठाता ही नहीं था और अगर उठाया, तो बुरी तरह बात करता था। अभिनेत्री ने बताया कि उस दिन उन्होंने तय किया था कि वे अपने जीवन में किसी को इतना हक नहीं देंगी, कि वो उनकी इतना बुरा हाल कर दे। अभिनेत्री ने अपनी बात में यह भी जोड़ा था कि वो उनके जीवन का सबसे बड़ा हार्ट ब्रेक था। समय बीता और यह सब पीछे चला गया। तापसी ने भी अपनी राह बदली और गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (नई दिल्ली) से कंप्यूटर साइंस में बीटेक (इंजीनियरिंग) पूरी की। यहीं से उन्होंने मॉडलिंग में हाथ आजमाया और साउथ सिनेमा की तरफ रुख किया।

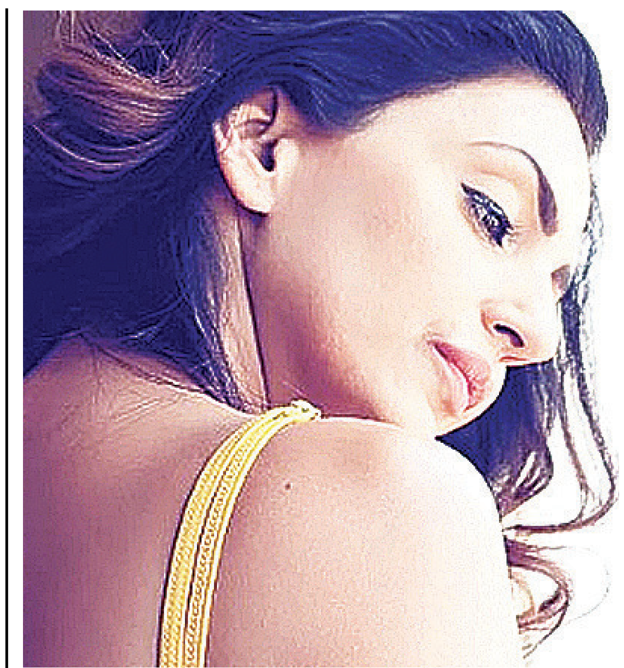

'इंटीमेट सीन्स के दौरान बहक जाना लाजमी'

इस एक्ट्रेस ने बताई पर्दे पर 'एहसास' की सच्चाई

टीवी एक्ट्रेस नवीना बोले ने इंटीमेट सीन्स पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि शूटिंग के दौरान किसी को-स्टार के प्रति अट्रैक्शन होना स्वाभाविक है। आर्टिस्ट भी इंसान हैं। हालांकि उन्होंने प्रोफेशनलिज्म बनाए रखने को सबसे अहम बताया।

टीवी एक्ट्रेस नवीना बोले ने ऑनस्क्रीन इंटीमेट सीन्स को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। बिग बॉस फेम अर्शी खान के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि रोमांटिक या इंटीमेट सीन करते समय किसी को-स्टार के प्रति अट्रैक्शन महसूस होना अनयूजवल नहीं है। उनका कहना है कि कलाकार भी आम इंसान होते हैं और ऐसी भावनाएं स्वाभाविक हैं।

क्या इंटीमेट सीन के दौरान बहक जाते हैं एक्टर्स?

पॉडकास्ट में अर्शी खान ने नवीना से पूछा कि क्या ऑनस्क्रीन रोमांस करते-करते कभी ऑफस्क्रीन भी ऐसा महसूस होता है या किसी अभिनेता की नीयत बदल सकती है? इस पर नवीना बोले ने जवाब दिया,'हो तो कुछ भी सकता है। हम नॉर्मल लोग हैं। किसी के प्रति अट्रैक्शन होना और उसे पसंद करना बिल्कुल नेचुरल है।'

'रोमांटिक सीन्स में अट्रैक्शन होना स्वाभाविक है'

नवीना ने आगे कहा कि कई बार लगातार रोमांटिक सीन शूट करने के दौरान आर्टिस्ट अपने को-स्टार को लेकर अट्रैक्ट हो सकते हैं। यह एक ह्यूमन नेचर हैं। इसमें कोई अस्वाभाविक बात नहीं हैं। हालांकि इस दौरान प्रोफेशनलिज्म बनाए रखना सबसे जरूरी होता है।

डेटिंग को लेकर भी रखी राय

बातचीत के दौरान नवीना बोले ने अपनी निजी पसंद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह उसी व्यक्ति को डेट कर सकती हैं, जिसके प्रति उन्हें फिजिकल और इमोशनल अट्रैक्शन महसूस हो। अगर ऐसा न हो तो रिश्ता निभाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है।

मानुषी छिल्लर ने बताई 2015 में पेपर लीक के बाद दोबारा एंट्रेंस देने की कहानी, कहा-

'सबसे मुश्किल वक्त था वो'

मिस वर्ल्ड 2017 का ताज पहनने वाली और बॉलीवुड एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर आज ग्लैमर की दुनिया का जाना-माना नाम हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि मानुषी ने एक्ट्रेस बनने से पहले मेडिकल की पढ़ाई की थी और डॉक्टर बनने का सपना देखा था।

हाल ही में सोहा अली खान के यूट्यूब टॉक शो 'ऑल अबाउट हर' में उन्होंने अपने जीवन के उस दौर के बारे में बात की, जब उन्हें डॉक्टर बनने के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ा था। खासकर 2015 में हुए मेडिकल एंट्रेंस पेपर लीक के बाद जो कुछ हुआ, उसने उन्हें अंदर तक तोड़ कर रख दिया था। टॉक शो में मानुषी ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, 'पेपर लीक को मैं दो नजरिए से देखती हूं। एक मेरा खुद का अनुभव और दूसरा देश के लाखों स्टूडेंट्स की सच्चाई। मेरे माता-पिता खुद डॉक्टर हैं और वो पहले से जानते थे कि मेडिकल की तैयारी कितनी कठिन होती है। इसलिए मैं मानसिक तौर पर थोड़ी तैयार थी लेकिन फिर भी उस समय को झेलना आसान नहीं था। ' मानुषी ने बताया, ''पेपर लीक के बाद मुझे अपनी सारी खुशियां एक तरफ रखनी पड़ीं। मैं एक प्रोफेशनल कुचिपुड़ी डांसर थी। मुझे पेंटिंग करना बहुत पसंद था। दोस्तों के साथ समय बिताना, घूमना-फिरना, ये सब मुझे बहुत अच्छा लगता था लेकिन एंट्रेंस दोबारा होने की वजह से पूरे एक साल तक मैंने ये सब छोड़ दिया। सिर्फ पढ़ाई, कोचिंग और किताबें ही मेरा फोकस रहा। उस एक साल में मेरी दुनिया बहुत छोटी हो गई थी। सुबह से रात तक बस एक ही लक्ष्य था - दोबारा एग्जाम क्लियर करना।' मानुषी ने आगे कहा, ''मेरा संघर्ष दूसरों के मुकाबले कुछ भी नहीं है। तैयारी के दौरान मैं ऐसे कई बच्चों से मिलीं, जिनकी कहानी सुनकर रोना आ जाता है, जिनके माता-पिता ने कोचिंग भेजने के लिए अपनी हैसियत से ज्यादा कर्ज किया। कई बच्चे छोटे शहरों से बड़े शहर आए थे और एक छोटे से कमरे में 4-5 लोग साथ रहते थे। दिन-रात सिर्फ एक एग्जाम के लिए पढ़ते थे। उनके पास कोई प्लान बी नहीं था।''

इश्कनामा और नसीमा को मिले बेशुमार प्यार पर...

शहनाज़ गिल बोलीं दिल से शुक्रिया

मुंबई इश्कनामा की रिलीज़ के बाद शहनाज़ गिल इन दिनों फैंस के बेशुमार प्यार में डूबी हुई हैं। फिल्म में उनके निभाए नसीमा के किरदार ने दर्शकों के दिलों को गहराई से छू लिया है। उनकी सादगी, जज़्बात और दमदार अदाकारी की हर तरफ़ तारीफ़ हो रही है। दुनिया भर से लगातार मिल रहे प्यार और सराहना ने इस सफर को उनके लिए और भी खास बना दिया है। इस जबरदस्त रिस्पॉन्स से भावुक होकर शहनाज़ ने फिल्म देखने और उन्हें इतना प्यार देने वाले सभी फैंस के लिए एक दिल छू लेने वाला संदेश साझा किया।

जितना शुक्रिया अदा करूं, उतना कम

आपने इश्कनामा और मेरे किरदार को जितना प्यार दिया है... उसके लिए मैं आपका जितना शुक्रिया अदा करूं, उतना कम है। ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। थैंक यू, थैंक यू सो मच। नसीमा के किरदार को जिस तरह दर्शकों ने अपनाया है, वह शहनाज़ के लिए बेहद खास रहा है। कई लोगों का मानना है कि इश्कनामा में उन्होंने अब तक की अपनी सबसे दिल छू लेने वाली परफॉर्मेंस दी है। फिल्म में उनका भावनात्मक सफर दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ रहा है और उनकी फिल्मी यात्रा में एक और यादगार किरदार जोड़ रहा है। इश्कनामा लगातार दर्शकों का दिल जीत रही है और शहनाज़ का यह संदेश उन तमाम फैंस के लिए उनकी दिल से निकली कृतज्ञता है, जिन्होंने फिल्म के साथ-साथ नसीमा को भी भरपूर प्यार दिया।

'रामायणम' में हनुमान बनकर सनी ने बनाए दो बड़े रिकॉर्ड

'रामायणम' में हनुमान बनकर सनी देओल ने बड़ा रिकॉर्ड बना दिया। वह सबसे उम्रदराज हनुमान बनेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फीस के मामले में भी उन्होंने नया रिकॉर्ड बनाया है। 'रामायणम' का ट्रेलर 30 जुलाई को रिलीज हुआ। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान, रवि दुबे लक्ष्मण, अरुण गोविल दशरथ, रकुल प्रीत सींह सूर्पणखा , लारा दत्ता कैकेयी और विवेक ओबेरॉय विद्युत्जिव्हा का रोल निभा रहे हैं। कई अन्य कलाकार भी फिल्म हैं और ट्रेलर में ज्यादातर कलाकारों के लुक दिखा दिए गए। हालांकि, सनी देओल को इसमें न पाकर उनके फैन्स निराश हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि 'रामायणम' में हनुमान बनकर सनी देओल ने 38 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

आखिर सनी देओल ने हनुमान बनकर कौन-सा रिकॉर्ड तोड़ा?

हम यहां बात कर रहे हैं हनुमान का रोल निभाने वाले सबसे उम्रदराज एक्टर की, जो अभी तक दारा सिंह के पास था। 1988 में जिस वक्त दारा सिंह रामानंद सागर के पॉपुलर शो 'रामायण' में हनुमान बने थे, उस वक्त वे 60 साल के थे। उन्होंने आखिरी बार हनुमान का रोल 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'लव कुश' में निभाया था, जो 25 जुलाई 1997 को वी. मधुसूदन राव के निर्देशन में बनी जीतेंद्र, जया प्रदा और अरुण गोविल स्टारर यह फिल्म रिलीज हुई थी। उस वक्त दारा सिंह की उम्र 68 साल 8 महीने 6 दिन थी। उनका जन्म 19 नवम्बर 1928 को हुआ था।

सनी देओल 68 साल के हैं। 19 अक्टूबर 1957 को उनका जन्म हुआ। उनकी फिल्म 'रामायणम् पार्ट 1' कथिततौर पर 8 नवंबर 2026 को रिलीज होगी। उस वक्त तक सनी देओल की उम्र 69 साल से ज्यादा हो जाएगी। जबकि फिल्म का दूसरा पार्ट (दिवाली 2027) की रिलीज तक वे 70 साल के आसपास होंगे। यानी अगर फिल्म रिलीज के समय से तुलना करें तो सनी देओल सबसे उम्रदराज हनुमान बने हैं।

सबसे महंगे हनुमान भी बने सनी देओल

अगर फीस के मामले में देखें तो सनी देओल अब तक के सबसे महंगे हनुमान बने हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' के लिए उनकी फीस 40 करोड़ रुपए है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है।

कामकाजी महिलाओं का 'सपोर्ट सिस्टम'

लंच टाइम में विभा को चुप-चुप-सा देखकर सभी ने उसकी उदासी का कारण पूछा। विभा के घर में उसकी नौकरी को लेकर तनातनी चलती रहती थी। सास नहीं चाहती थी कि विभा नौकरी करे, मगर विभा अपनी योग्यता और अनुभव को यूँ ही नहीं बेकार जाने नहीं देना चाहती थी। सभी महिलाओं ने उसकी समस्या को सुना, समझा और जरा-सी देर में विभा के पास सुझावों का ढेर मौजूद था।

साथी महिलाओं की सलाह पर अमल कर विभा ने अपनी गलतियों को भी दुरुस्त किया और आखिरकार सासू माँ को मना ही लिया। अंजू को खाना बनाना नहीं आता था, और शादी हुई ऐसे व्यक्ति से, जो खाने का भयंकर शौकीन... अंजू की तो जान पर बन आई। उसने अपनी समस्या अपने दफ्तर की सहेलियों को बताई और चुटकी बजाते ही उसके पास हाजिर थीं ढेरों रेसिपीज...। यही नहीं, उसकी सहेलियों ने उसे घर बुलाकर कई डिशेज बनाना भी सिखाया।

प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। सीमा की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह बेटे को इंजीनियरिंग की कोचिंग करवाना चाहती थी, मगर रुपयों का इंतजाम नहीं हो पा रहा था। एक दिन परेशान हालत में उसके अपने दफ्तर में इसका उल्लेख किया और उसकी समस्या झट से सुलझ गई। उसकी सहेलियों ने उसके लिए रकम का इंतजाम कर दिया जिसे बाद में किस्तों में सीमा ने लौटा भी दिया।

तेजी से बदले आर्थिक समीकरणों ने नारी को दहलीज के बाहर कदम रखने को प्रेरित किया और घर के हर व्यवहार को चुस्त-दुरुस्त रखते हुए नारी ने बाहरी दुनिया के कार्य व्यवहार जमाने में भी उतनी ही दक्षता का परिचय दिया। प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। घर में कोई त्योहार हो तो विशेष पकवान केवल घर के लिए ही नहीं, दफ्तर के संगी-साथियों के लिए भी विशेष रूप से बनाए जाते हैं और उन्हें उसी स्नेह के साथ खिलाया भी जाता है।

दफ्तर में किसी एक की समस्या सारे समूह की समस्या बन जाती है और सारा समूह सिर जोड़कर उसे हल करने में जुट जाता है। कहा जाए तो पुरुषों की तुलना में नारी ने यहाँ भी अपनी गुणवत्ता सिद्ध की है। पुरुष स्वभावत: कम बोलने वाले और संकोची होते हैं। उस पर किसी को अपनी समस्याएँ बताना? उनका अहं हमेशा आड़े आ जाता है और सालों का साथ भी दफ्तर के कर्मचारियों में वह लगाव पैदा नहीं कर पाता।

सीधे शब्दों में कहा जाए तो पुरुष अवसर का उपयोग नहीं कर पाते व समूह का फायदा भी नहीं ले पाते। बनिस्बत इसके नारी थोड़े-से ही समय में न केवल आपस में स्नेह बंधन बुन लेती है, वरन विविध दिमागों में तैरते विविध विचारों का फायदा भी उठा लेती है।

अक्सर यह सोचा जाता है कि जब ये महिलाएँ बातें करती हैं तो या तो वे घर-परिवार की बुराई करती हैं या फिर साड़ी-गहनों की बातें..., मगर यह बिलकुल गलत है...। एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत पूनम बोली... यहाँ आकर मैंने कितनी ही नई बातें सीखीं। वे बातें आचार-व्यवहार से लेकर पढ़ाई तक हर तरह की है। मैंने तो अपनी बीएड की डिग्री अपनी सहेलियों की मदद से ही ली है।

महिलाओं के लिए डेटिंग टिप्स

क्या डेटिंग को कामयाब बनाने की जिम्मेदारी केवल पुरुषों की होती है, महिलाओं की नहीं। बात जब डेटिंग की आती है, तो पुरुषों को तमाम तरह के नियम कायदों की एक लिस्ट पकड़ा दी जाती है- लड़की को कैसे प्रभावित करें.. उससे कैसे बात करें.. कैसे उनके दिल में अपने लिए जगह बनाएं.. और भी तमाम तरह के नियम कायदे। लेकिन, क्या महिलाओं के लिए कोई कानून नहीं होता। मैडम आप अगर इस फिराक में हैं, तो कि आप कुछ भी करें सब चल जाएगा, तो ऐसा नहीं है। डेट चाहे पहली हो या फिर बाद की, कुछ बातों का ध्यान तो आपको भी रखना पड़ेगा। वरना कहीं ऐसा न हो कि आपके प्यार की गाड़ी आगे चलने के बजाय पटरी से ही उतर जाए। तो जानते हैं? कि एक महिला होने के नाते डेट पर जाते समय आपको? किन जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिये।

मेकअप हो सही

मेकअप किसी भी महिला के सबसे पसंदीदा कामों में से होता है। खासतौर पर अगर वो डेट पर जा रही हो, तो। लेकिन, इस बात का ध्यान रखें कि मेकअप अखरने वाला न हो। मेकअप आपकी खूबसूरती निखारने के काम आता है। कहीं ऐसा न हो कि अधिक मेकअप के चक्कर में आपकी पहचान ही कहीं छुप जाए। बहुत तीखी गंध वाला इत्र अथवा डियोड्रेंट आदि ना लगाएं। हल्की खुशबू माहौल को रूमानी बनाये रखती है।

सामान्य व्यवहार रखें

अपने ब्वॉयफ्रेंड को प्रभावित करने के लिए झूठ का सहारा न लें। झूठ किसी भी रिश्ते को घुन की तरह समाप्त कर सकता है। आज भले ही आपका झूठ चल जाए, लेकिन बाद में जब बात खुलेगी, तो आप परेशानी में पड़ सकती हैं। रिश्ते के सुखद भविष्य के लिए बुनियाद मजबूत होना जरूरी है। इसलिए नये रिश्ते की शुरुआत के लिए सच का सहारा लें। डेटिंग की शुरुआत में थोड़ा नर्वस होना लाजमी है, लेकिन जैसे-जैसे आप एक दूसरे के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे आपका रिश्ता मजबूत होता जाएगा।

उसकी भी बात सुनें-

डेट आपसी संवाद का एक मौका होता है। ऐसे में जरूरी है कि आप दोनों एक-दूसरे से अपनी कहें और साथ ही दूसरे की बात सुनें भी। ऐसा नहीं कि एक ही साथी बोलता रहे और दूसरे को बोलने का मौका ही नहीं मिले। यदि आपका बॉयफ्रेंड आपसे सहजता के साथ कोई सवाल कर रहा है तो उसका जवाब भी उसी सहजता से दें। अपने साथी की बातों को बीच में काटना अच्छी आदत नहीं।

लड़कों को बदलाव पसंद नहीं

आमतौर पर लड़कों को बदलाव पसंद नहीं। खासतौर पर अगर वह उन्हें बदलने को लेकर हो। वे भले ही आपसे उम्मीद करें कि आपका व्यवहार उनके मुताबिक हो, लेकिन जब बात खुद पर आती है, तो शायद वे इतने उदार न हों। तो, अगर आप चाहती हैं कि वो आपसे नाराज न हो, तो बात-बात पर अपने ब्वॉयफ्रेंड को टोकने से बचें। डेट रूमानियत भरी होनी चाहिए, इसमें उनकी टीचर बनने की कोशिश न ही करें, तो बेहतर। अधिकांश लड़के चाहते हैं कि जैसे वे हैं, वैसे ही उन्हें स्वीकार किया जाए। अपने डेट की बात ना कटें और विचारों पर अपने फैसले न थोपें विचारों की विविधता का सम्मान करें।

आंख से आंख मिलाना जरूरी

बातचीत में आई-कॉन्टैक्ट बनाकर बात करें। ध्यान रखें आंख से आंख मिलाकर बात करने का अर्थ घूरना नहीं होता। आंखें आपके दिल की जुबां होती हैं। जब आप अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ इस तरह बात करेंगी तो इससे आपका आत्मविश्वास तो बढ़ेगा ही साथ ही रिश्तों में मजबूती आयेगी।

पेमेंट करने के लिए पूछें-

लड़का है तो क्या वही पेमेंट करेगा। कई पुरुष आमतौर पर यही सोचते हैं कि लड़की के सामने खर्च करना उनकी जिम्मेदारी है। वे अक्सर इसे अपने अहम् से भी जोड़ लेते हैं। लेकिन, आप आज की नारी हैं। आप रिश्तों में बराबरी में विश्वास रखती हैं। तो, पेमेंट के लिए पूछने में कोई हर्ज नहीं।

ड्रिंक जरा संभलकर

अगर आप ड्रिंक करती हैं, तो उसकी मात्रा सीमित रखें। इतना न पी लें कि आप बहक जायें। इससे आपका प्रभाव तो गलत पड़ता है साथ ही किसी अनहोनी होने का खतरा भी होता है।

आत्मविश्वास है जरूरी

कभी हां, कभी ना वाली स्थिति लड़कों को परेशान करती है। बातचीत के दौरान बीच-बीच में यह ना दर्शायें कि आप ज्यादा अव्वल या काबिल हैं। डेट के उस पल का आनंद लें। यह नहीं कि भविष्य की बिना मतलब की चिंता में सारी डेट खराब कर बैठें। भविष्य की चिंता जरूरी है लेकिन उसके लिए बेचैनी ना जतायें बल्कि पूरी गंभीरता से सोचें और अपने पार्टनर को परखें।

बेवजह के सवालों से बचें

पहली मुलाकात में ही बहुत सारे सवाल न कर डालें। उनके पहली रिलेशनशिप को लेकर तो ऐसा करने से खासतौर पर बचें। उन्हीं मुद्दों पर बात करें जो आपके बीच सामान्य हों। अधिक व्यक्तिगत सवाल न ही पूछें। खुद पर ध्यान केन्द्रित करें और डेट का आनंद लेने के लिए अपने दिलोदिमाग को हल्का और तरोताजा रखें। कम सवालों में यह जानने की कोशिश करें कि उसका स्त्रियों के प्रति क्या दृष्टिकोण है। वह उनका कितना सम्मान करता है।

इस बार के लिए बस-

रिश्तों में धीरे-धीरे संभलकर चलना ही अच ?छा रहता है। एकदम से सारी बातें करने से बचें। हर डेट के लिए कुछ नया होना चाहिए। इससे रिश्तों में ताजगी और नयापन बना रहता है।

जब कहना हो बाय

अगर आपको मिलने के बाद उनकी कोई बात अच्छी लगे, तो जाने से पहले उसे जरूर बताएं। कई लोग दूसरों की अच्छी चीजों के बारे में कुछ नहीं कहते। लेकिन, आप अपने रिश ?ते को सहज रखना चाहती हैं, तो उसकी तारीफ जरूर करें। अगर आपने अपने डेट के साथ अच्छा समय बिताया है, तो इस बात को शब्दों में जरूर कहें।

ये कुछ आम लेकिन जरूरी टिप्स हैं जो आपकी डेट में सहायक साबित हो सकते हैं। आपको आपकी डेट के लिए बहुत शुभकामनाएं।

ग्लिटर मेहँदी : वेडिंग अट्रैक्शन

मेहँदी है रचने वाली, हाथों में गहरी लाली

शादी या किसी भी पारंपरिक त्योहारों की बात हो या जाना हो किसी पार्टी में, मेहँदी के बिना मेकअप पूरा नहीं होता। सोलह श्रृंगार में प्रतिष्ठित मेहँदी की रंगत भी समय के साथ काफी बदली है। अब तो मेहँदी लगाने से लेकर उसे तैयार करने के तरीके में खासा बदलाव आ गया है।

बदलाव की इस दौड़ में ग्लिटर और टैटू भी मेहँदी की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। मेहँदी परंपरा से अधिक अब फैशन बन गई है और जरूरत, रचाने के लिए मेहँदी उपलब्ध समय, समारोह के प्रकार के हिसाब से अलग- अलग रूपों में लगाई जाने लगी है। मेहँदी के क्षेत्र में हुए सारे परिवर्तन आज की महिलाओं ने न सिर्फ अपना लिए हैं बल्कि अब ये सब फैशन के अंग हो गए हैं।

ग्लिटर मेहँदी का ग्लो फैशनेबल मेहँदी के रूप में ग्लिटर मशहूर है। यूँ ग्लिटर मेहँदी में मेहँदी का कोई उपयोग नहीं होता। यह शुद्धरूप से केमिकल से बनी होती है, पर तुरन्त लग जाने और ग्लो करने के साथ ही यह हर कलर में उपलब्ध होती है। इसलिए मैचिंग के दीवाने इसका खूब उपयोग करते हैं। जिस कलर की ड्रेस पहनी हो उसी कलर की मेहँदी भी लगानी हो तो ग्लिटर मेहँदी सबसे अधिक उपयुक्त होती है। अब इसके साथ स्टोन का भी चलन है। ग्लिटर के साथ ही मैचिंग स्टोन या कंट्रास्ट स्टोन लगाकर मेहँदी को आकर्षक बनाया जाता है।

टैटू मेहँदी, झटपट मेहँदी

यूँ टैटू मेहँदी से काफी अलग है पर इसने मेहँदी का स्थान ले लिया है। इसे झटपट मेहँदी भी कहते हैं। मेहँदी के रूप में प्रयुक्त टैटू मेहँदी वाली डिजाइन में मिलने लगे हैं।

बस पाँच मिनट में तैयार इस मेहँदी का प्रयोग हाथों से अधिक पेट, कमर, गले और बाजू में किया जाता है। टैटू पारंपरिक और अरेबियन दोनों प्रकार के डिजाइनों में उपलब्ध होते हैं। पेड़ से पत्ते तोड़कर सिल पर पीसने और हाथों में रचाने का सिलसिला तो पुराना हो ही चुका है अब तो पैक मेहँदी पाउडर की जगह तैयार कोन भी मिलने लगी हैं। बस कोन खरीदें और लगाना शुरू करें।

पारंपरिक का जलवा वैसे तो फैशन के हिसाब से मेहँदी की डिजाइनों में काफी बदलाव आया है। जब बात त्योहारों और शादियों की हो तो पारंपरिक डिजाइन ही पसंद किए जाते हैं। शादियों में दुल्हन अभी भी पारंपरिक मेहँदी ही प्रयोग में लाती हैं।

पारंपरिक मेहँदी भरावट वाली होती है और इससे हाथ या पैर पूरे भरे-भरे दिखते हैं। रचने के बाद भरावट वाला हिस्सा अधिक सुन्दर दिखता है। इस डिजाइन में आजकल सजावट के लिए ऊपर से ग्लिटर या स्टोन का भी उपयोग होता है, पर बेस-मेहँदी डिजाइन में पारंपरिक डिजाइनें होती हैं।

राजस्थानी का राज राजस्थानी शैली की मेहँदी एक प्रकार से पारंपरिक मेहँदी डिजाइनों का ही एक भाग है। इसके कुछ प्रतीक काफी लोकप्रिय हैं जो कि अन्य डिजाइनों के साथ भी मर्ज करके रचाए जाते हैं। इन प्रतीकों में मोर सबसे अधिक प्रचलित है। इसके अलावा नगाड़े, ढोल, दुल्हन, दूल्हा, तुरही, कलश आदि प्रतीकों के कारण राजस्थानी मेहँदी लोगों की पसंद में शामिल है।

अरेबियन का आकर्षण कॉलेज गोइंग गर्ल्स और टीनएजर्स के बीच लोकप्रिय इस डिजाइन ने फैशन को बदलने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। एक ओर जहाँ पारंपरिक और राजस्थानी डिजाइनें शादी और पारंपरिक समारोहों के लिए आरक्षित सी हैं वहीं अरेबियन डिजाइन युवाओं की पहली पसंद में शामिल है।

इस डिजाइन की खासियत यह है कि इसे भरे-भरे रूप में और पूरे हाथ में एक सा नहीं लगाया जाता। बल्कि डिजाइन को आकर्षक मोड़ देकर एक पतली लकीर के रूप में डिजाइन बनाई जाती है।